वर्ष : 4 अंक: 40 मूल्य : 4 रु.
RNI No. -DELHIN/2019/78266
newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

मदरलैण्ड वॉइस

प्रमुखस्वामी महाराज शताब्दी महोत्सव
शनिवार, 15 अक्टूबर 2022
राष्ट्र प्रेमियों का दैनिक समाचार पत्र
दिल्ली से प्रकाशित एवं जयपुर, लुधियाना, चंडीगढ़, पटना, रायपुर, देहरादून, शिमला में प्रसारित

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू गुवाहाटी दौरे पर पहुंची, कामाख्या मंदिर में की पूजा-अर्चना

गुवाहाटी, एजेंसी। देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पूर्वोत्तर राज्य असम की अपनी दो दिवसीय यात्रा के आखिरी दिन शुक्रवार को गुवाहाटी में नीलांचल पर्वत शिखर पर स्थित 51 शक्ति पीठों में से एक प्रसिद्ध कामाख्या मंदिर में पूजा-अर्चना की। इस मौके पर राष्ट्रपति के साथ असम के राज्यपाल जगदीश मुखी, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद थे। शक्ति पीठ के एक पुजारी ने पत्रकारों से कहा, 'राष्ट्रपति और उनकी बेटी ने मंदिर के गर्भगृह में पूजा की और मंदिर की 'परिक्रमा' लगाई। चूंकि, दिन के दौरान राष्ट्रपति के कई कार्यक्रम निर्धारित हैं, इसलिए उनके साथ बातचीत का मौका नहीं मिला।' इस साल की शुरूआत में मुर्मू ने राष्ट्रपति चुनाव के प्रचार के दौरान गुवाहाटी की अपनी यात्रा के दौरान कामाख्या मंदिर में पूजा-अर्चना की थी। राष्ट्रपति विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगी और दिन में डिजिटल माध्यम से कई परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगी। वह आधुनिक सुविधाओं से युक्त आदर्श ह्यआंगनवाड़ीह्ल केंद्रों और सार्वभौमिक घरेलू विद्युतीकरण के लक्ष्य को प्राप्त करने से जुड़ी 'मिशन सौभाग्य' योजना का शुभारंभ करेंगी। मुर्मू सिलचर के मोइनारबॉन्ड में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के रेल-फेड पेट्रोलियम स्टोरेज डिपो का उद्घाटन करेंगी। वह असम के चाय बागान क्षेत्रों में 100 आदर्श माध्यमिक विद्यालयों की आधारशिला रखेंगी। इसके अलावा, राष्ट्रपति गुवाहाटी के अघोरी में दो राजमार्ग परियोजनाओं और एक आधुनिक कार्गो-सह-कोचिंग टर्मिनल का भी उद्घाटन करेंगी। वह गुवाहाटी से लुमडिंग, शोखुवी (नगालैंड) और मंडीपाथर (मेघालय) तक एक ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगी। राष्ट्रपति के रूप में अपनी पहली असम यात्रा के तहत मुर्मू गुरुवार को गुवाहाटी पहुंची थीं। उन्होंने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी)-गुवाहाटी में एक कार्यक्रम में डिजिटल माध्यम से केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन किया था और आधारशिला रखी थी। उन्होंने बाद में शाम को राज्य सरकार द्वारा उनके सम्मान में आयोजित एक नागरिक स्वागत समारोह में हिस्सा लिया था।

चीन पर पैनी नजर रखने भारत ने खरीदे इजराइली हेरॉन टीपी ड्रोन, 2 ड्रोन सेना को मिले

दो ड्रोन मार्च 2023 तक मिलने वाले

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर तैनाती के लिए 2020 में सौंपी गई आपातकालीन शक्तियों के तहत खरीदा गया इजराइली हेरॉन टीपी ड्रोन सेना को साल की शुरूआत में ही मिल चुका था। रक्षा सूत्रों के अनुसार, चार नए हेरॉन टीपी ड्रोन में से दो की डिलीवरी मार्च में हो गई थी, जिसे चीन के साथ सैन्य गतिरोध के बीच निगरानी और टोही मिशन के लिए पूर्वी लद्दाख में तैनात किया गया था। सूत्रों ने कहा कि अन्य दो ड्रोनों की डिलीवरी मिलने पर उन्हें पूर्वोत्तर में एलएसी के साथ तैनात किया जाएगा।

दरअसल भारत ने चार मध्यम ऊंचाई वाले लॉन्ग ऐनडूरेंस ड्रोन खरीदने के सौदे को अंतिम रूप दे दिया है। रक्षा सूत्रों ने कहा था कि लंबे समय तक निगरानी और टोही मिशन के लिए एडवांस उपग्रह संचार और सेंसर के साथ मेल ड्रोन को अपग्रेड करने की भी योजना है। वहीं प्रोजेक्ट चीता नामक एक नई परियोजना के तहत उन्हें सटीक हमलों के लिए हवा से जमीन पर मार करने वाली मिसाइलों और लेजर-निर्देशित हथियारों से लैस किया जाएगा। भारत अमेरिका से 30 एमक्यू-9वी हाई एल्टीट्यूड लॉन्ग एंड्योरेंस सशस्त्र ड्रोन खरीदने की भी योजना बना रहा है। कुल 3 बिलियन डॉलर देकर तीनों सेनाओं के लिए दस ड्रोन लिए जाएंगे। हालांकि अभी तक इस दिशा में कोई ठोस प्रगति नहीं हुई है।

एडवांस मानवरहित हवाई वाहनों (यूएवी) की एक श्रृंखला की खरीद पर पिछले दो वर्षों में तीनों सेनाओं का फोकस रहा है। नौसेना 40 नौसैनिक जहाज के लिए यूएवी खरीदने की प्रक्रिया में है, इसके लिए नौसेना ने इस साल की शुरूआत में एक अधिसूचना जारी की थी। नौसेना ने 2020 में, फास्ट ट्रैक रूट के माध्यम से 10 नौसैनिक यूएवी खरीदने की प्रक्रिया शुरू की थी। साथ ही 2020 में अमेरिका से लीज पर दो प्रीडेटर ड्रोन भी लिए थे। वहीं एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने बताया कि भारतीय वायु सेना यूएवी, काउंटर-यूएवी की एक श्रृंखला की खरीद और यूएवी के अपने मौजूदा बेड़े को हथियारबंद बनाने की प्रक्रिया में है।

थल सेना भी निगरानी और लक्ष्य प्राप्ति के उद्देश्यों के लिए अलग-अलग श्रेणियों के साथ विशिष्ट मात्रा में यूएवी भी खरीद रही है, जिसमें लड़ाकू भूमिकाओं और ड्रोन-विरोधी प्रणालियों के लिए युद्ध सामग्री शामिल है। पिछले साल, सेना ने 100 से अधिक विस्फोटक ले जाने वाले ड्रोन ह्यस्काईस्ट्राइकरह्ल की खरीद के लिए एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए थे। जिसे इजराइल के एल्बिट सिस्टम और भारत के अल्फा डिजाइन के बीच बेंगलुरु स्थित संयुक्त उद्यम द्वारा निर्मित किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

मॉस्को से दिल्ली आ रही फ्लाइट में बम की सूचना, पुलिस ने जांच शुरू की

नई दिल्ली, एजेंसी। मॉस्को से दिल्ली आ रही फ्लाइट संख्या एसयू 232 में बम होने की सूचना मिली। शुक्रवार तड़के लगभग 3.20 बजे विमान आईजीआई के रनवे संख्या 29 पर उतरा। जहां फ्लाइट से 386 यात्री और 16 क्रू मेंबर को उतारा गया। इसके बाद विमान की जांच की गई जिसमे कुछ संदिग्ध नहीं मिला है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि विमान की जांच कर तहकीकात जारी है। जानकारी के अनुसार, रात को 11.30 बजे दिल्ली पुलिस को एक फोन आया। इसमें बताया गया कि मॉस्को से दिल्ली आ रहे विमान में बम है। इसके बाद सभी एजेंसियों को अलर्ट किया गया। विमान के तड़के 3.30 बजे आईजीआई एयरपोर्ट पर लैंड होते ही सभी यात्रियों के बैग और सामान की चेकिंग की गई। फ्लाइट को भी चेक किया गया। रेस्क्यू टीम भी आईजीआई एयरपोर्ट पहुंची। अभी तक की जांच में पुलिस को कुछ संदिग्ध नहीं मिला है। इसलिए माना जा रहा है कि यह किसी शरारती तत्व की हरकत होगी।

भारत सरकार ने वैश्विक ऊर्जा चुनौती को अच्छे से संभाला : केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत सरकार ने विकासशील अर्थव्यवस्था को कच्चे तेल और गैस की बढ़ती कीमतों से बचाते हुए वैश्विक ऊर्जा चुनौतियों का अच्छी तरह से सामना किया है। वर्तमान में, हमारे देश में हर दिन 50 लाख बैरल पेट्रोलियम की खपत हो रही है और यह भी तीन प्रतिशत की वृद्धि हो रही है, जो वैश्विक औसत लगभग एक प्रतिशत से अधिक है। केंद्रीय पेट्रोलियम और शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शुक्रवार को यहां जेईसीसी, सीतापुरा में शुरू हुए तीन दिवसीय साउथ एशियन जियोसाइंस कॉन्फ्रेंस जियोइंडिया 2022 में मीडिया यह बात कही। इस दौरान उद्घाटन सत्र में उन्होंने वरिष्ठ भूविज्ञानी श्याम व्यास राव, पूर्व निदेशक (अन्वेषण), ओएनजीसी को भी लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड प्रदान किया। उद्घाटन सत्र में मंत्री ने कहा कि पेट्रोल में इथेनॉल-मिश्रण प्रतिशत 2013 में 0.67 प्रतिशत से बढ़कर मई 2022 में 10 प्रतिशत हो गया है, यानी निर्धारित समय से 5 महीने पहले। यह 2.7 मिलियन टन सीओ2 उत्सर्जन को कम कर रहा है जो पर्यावरण के लिए अच्छा है। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के अनुमानों के अनुसार, भारत आने वाले दो दशकों में वैश्विक ऊर्जा खपत में वृद्धि का एक चौथाई (25%) योगदान देगा। बीपी का अनुमान है कि भारत की ऊर्जा मांग दोगुनी हो जाएगी, जबकि प्राकृतिक गैस की मांग 2050 तक पांच गुना बढ़ने की उम्मीद है। पेट्रोलियम सचिव पंकज जैन ने कहा कि भूविज्ञान विशेषज्ञों को इस अवसर का उपयोग ऊर्जा स्त्रोतों की बढ़ती मांग और कमी के संदर्भ में अपने योगदान को बढ़ाने के लिए करना चाहिए।

भारत-ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत जारी : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत और ब्रिटेन, मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को फायनल रूप देने के लिए बातचीत कर रहे हैं और इस चर्चा को कारोबार मंत्रियों पर छोड़ देना चाहिए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने साप्ताहिक प्रेस वार्ता में कहा, 'जैसा हमने पहले कहा है कि मुक्त व्यापार समझौते को जल्द से जल्द पूरा करने में दोनों पक्ष दिलचस्पी रखते हैं। इस विषय में वार्ता जारी है।' उन्होंने कहा कि यह कारोबार वार्ता है और अच्छा होगा कि इस विषय को दोनों देशों के कारोबार मंत्रियों पर छोड़ दिया जाना चाहिए।

ब्रिटेन के साथ एफटीए को अंतिम रूप देने की दीपावली की समयसीमा के बारे में पूछे जाने पर बागची ने कहा, 'मुझे लगता है कि दीपावली का समय एक लक्ष्य के रूप में रखा गया था लेकिन यह केवल एक लक्ष्य है।' विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता से ब्रिटेन की गृह मंत्री सुएला ब्रेवरमैन की आव्रजन संबंधी विवादास्पद टिप्पणी और एफटीए वार्ता को दीपावली तक पूरा करने के लक्ष्य के बारे में पूछा गया था। बागची ने कहा कि इस पर चर्चा चल रही है।

प्रवक्ता ने ब्रिटिश मंत्री ब्रेवरमैन की टिप्पणी को लेकर कोई भी प्रतिक्रिया नहीं दी। उन्होंने कहा, 'वे इस पर (टिप्पणी) कुछ नहीं कहना चाहेंगे।' एक सवाल के जवाब में बागची ने कहा कि इस विषय में वे मीडिया की रिपोर्ट को लेकर भी कुछ नहीं कहना चाहेंगे। दरअसल, ब्रिटेन की गृह मंत्री सुएला ब्रेवरमैन ने आव्रजन संबंधी टिप्पणी में कहा था कि यह समझौता ब्रिटेन में आव्रजन बढ़ा सकता है और ब्रेक्सिट के लक्ष्यों के खिलाफ जा सकता है।

ब्रिटेन की गृह मंत्री ने एक साक्षात्कार में कहा था कि सबसे बड़ी संख्या में भारतीय, अपनी वीजा अवधि समाप्त होने के बाद भी ब्रिटेन में रुके रहते हैं। उन्होंने कहा था, 'मुझे भारत के साथ खुली सीमाओं वाली माइग्रेशन नीति को लेकर आपत्ति है क्योंकि मुझे नहीं लगता कि लोगों ने इसके लिए ब्रेक्जिट के पक्ष में मतदान किया था।' ज्ञात हो कि ब्रिटेन और भारत के बीच एफटीए को अंतिम रूप देने के लिए दीवाली की समय सीमा तय की गई थी। इस साल अप्रैल में ब्रिटेन के तत्कालीन प्रधान मंत्री बोरिस जॉनसन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह लक्ष्य रखा था।

हाल ही में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने स्पष्ट किया था कि एफटीए को लेकर चल रही वाताओं में राष्ट्रीय हित को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा था कि उद्योग समेत सभी हितधारकों के साथ गहन परामर्श के बाद एफटीए किया जाता है।

दिल्ली में 1100 घाटों की फंडिंग करेगी केजरीवाल सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। कोविड के बाद दिल्ली में दो साल बाद जोर-शोर से छठ पूजा मनाने की तैयारी शुरू हो गई है। ऐसे में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में आप सरकार छठ पूजा के सामुदायिक उत्सव के लिए 1100 घाटों पर फंड देगी। छठ पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार के लोगों के बीच एक लोकप्रिय त्योहार है। चार दिनों तक चलने वाले यह त्योहार इस साल 28-31 अक्टूबर के बीच मनाया जाएगा। इसमें लोग सूर्य भगवान की पूजा करते हैं। कोविड की वजह से दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में आयोजित होने वाला छठ पूजा का सामुदायिक समारोह दो साल से प्रभावित था। इस साल दिल्ली सरकार ने 1100 घाटों पर सामुदायिक समारोहों के लिए 25 करोड़ रुपये खर्च करने की योजना बनाई है। केजरीवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, '2014 में दिल्ली सरकार ने छठ पूजा के आयोजन को 69 घाटों पर वित्त पोषित किया और इसपर 2.5 करोड़ रुपये खर्च किए। 2022 में सरकार 1100 स्थानों पर छठ पूजा के आयोजन के लिए फंड देगी और 25 करोड़ रुपये खर्च करेगी।' केजरीवाल ने कहा कि उन स्थानों पर विशेष व्यवस्था की जाएगी जहां स्थानीय लोग छठ पूजा के सामुदायिक उत्सव का आयोजन करते हैं। यहां टेंट, लाइट साउंड सिस्टम, कुर्सी, टेबल, एलईडी स्क्रीन, पीने के पानी की व्यवस्था की जाएगी। इसके अलावा दिल्ली पुलिस के साथ मिलकर सुरक्षा, सीसीटीवी कैमरे, मोबाइल शौचालय, एंबुलेंस और पावर बैकअप का भी इंतजाम होगा। कई जगहों पर दिल्ली सरकार सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी व्यवस्था करेगी। दिल्ली सीएम ने कहा, 'दो साल तक लोगों को कोविड प्रतिबंधों के तहत छठ पूजा मनानी पड़ी।

किम जोंग उन की निगरानी उत्तर कोरिया ने क्रूज मिसाइल का परीक्षण किया

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरिया ने अपने नेता किम जोंग उन की निगरानी में लंबी दूरी की क्रूज मिसाइल का परीक्षण किया था। खबर के मुताबिक, किम ने परीक्षण को अपनी सेना की परमाणु हमले की बढ़ती क्षमता और ह्यवास्तविक युद्धह्ल की तैयारियों के सफल प्रदर्शन के रूप में वर्णित किया।

विश्लेषकों से अनुसार, किम यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध से पैदा भटकाव का फायदा उठा रहे हैं। वह भटकाव का इस्तेमाल अपने हथियार विकास कार्यक्रम को गति देने के मौके के रूप में कर रहे हैं, ताकि परमाणु हथियारों का संपन्न जखीरा बना सकें, जो अमेरिका और इस क्षेत्र में उसके सहयोगियों के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। दक्षिण कोरियाई अधिकारियों का कहना है कि किम आने वाले हफ्तों या महीनों में एक परमाणु परीक्षण भी कर सकते हैं।

उनका कहना है, कि इससे अमेरिका पर इसका दबाव बढ़ेगा कि वह उत्तर कोरिया को एक ऐसी परमाणु शक्ति के रूप में देखे, जो उस पर लगाए गए आर्थिक और सुरक्षा प्रतिबंधों में ढील देने के लिए मजबूती से बातचीत कर सकता है। बुधवार के परीक्षण के दौरान दो मिसाइलों ने लगभग तीन घंटे तक उड़ान भरी। एजेंसी के मुताबिक, दोनों मिसाइलों ने देश के पश्चिमी हिस्से में स्थित समुद्र के ऊपर अंडाकार और 'आठ' अंक का आकार उकेरा तथा यह दिखाया कि वे 2,000 किलोमीटर की दूरी पर मौजूद लक्ष्य को सटीक तौर पर निशाना बना सकती हैं।

मेरा सपना है एक दिन हिजाब पहनने वाली देश की पीएम बने, कोई बिकनी पहनना चाहे तो वह इसके लिए स्वतंत्र : ओवैसी

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्नाटक के शिक्षण संस्थानों में हिजाब पर बैन को लेकर सुप्रीम कोर्ट के जजों की राय विभाजित है। अब इस मामले की सुनवाई बड़ी बेंच की ओर से की जाएगी. इस बीच असदुद्दीन ओवैसी ने हिजाब का विरोध करने वालों पर तीखी टिप्पणी की है। ओवैसी ने कहा कि मैं जब कहता हूं कि मेरा सपना है कि एक दिन इस देश की पीएम हिजाब पहनने वाली बने, तो बहुत से लोगों के सिर और पेट में दर्द होने लगता है। मुझे ऐसा क्यों नहीं कहना चाहिए? यह मेरा सपना है। इसमें गलत क्या है।

ओवैसी ने कहा कि आप कहते हैं कि किसी को हिजाब नहीं पहनना चाहिए। फिर क्या पहनना चाहिए? बिकिनी? आपके पास इसे भी पहनने का अधिकार है। लेकिन आप यह क्यों चाहते हैं कि मेरी बेटियां हिजाब न पहनें और मैं दाढ़ी कटवा दूं। हैदराबाद के सांसद ने कहा कि यदि कोई मुस्लिम युवती हिजाब पहनती है, तो इसका यह मतलब नहीं है कि उसकी बौद्धिकता में कोई कमी है। क्या हम छोटी बच्चियों पर हिजाब पहनने का दबाव बनाते हैं, क्या हम सच में लड़कियों से जबरदस्ती कर रहे हैं?

ओवैसी ने कहा कि यदि आप हैदराबाद आते हैं तो देखेंगे कि यहां सबसे बदनाम ड्राइवर हमारी बहनें ही हैं। कभी भी उनके पीछे कोई गाड़ी ले जाने का रिस्क नहीं ले सकता। यह मेरा निजी अनुभव है। मैंने अपने ड्राइवर से कहा है कि वह संभलकर चले। आप किसी लड़की की बाइक पर पीछे बैठ जाएं और फिर देखें कि उन पर कोई दबाव डाला जाता है या नहीं। ओवैसी ने कहा कि हम पर आरोप लगाया जा रहा है कि लड़कियों पर हम दबाव डाल रहे हैं। आखिर आज के दौर में कौन किससे डरता है?

हिजाब की तुलना उन्होंने एक बार फिर से हिंदू, सिख और ईसाइयों के प्रतीकों से की। उन्होंने कहा कि जब हिंदू, सिख और ईसाई छात्रों को उनके प्रतीकों के साथ घुसने दिया जाता है तो फ्रि मुस्लिमों को क्यों रोका जाता है। ऐसा होगा तो वे लोग मुस्लिमों के बारे में क्या सोचेंगे। उन्हें तो यही संदेश जाएगा कि मुस्लिम हमसे नीचे होते हैं। इस पर भाजपा नेता सीटी रवि ने कहा कि ओवैसी अतिवाद का समर्थन करते हैं, जो भारत में नहीं चलेगा।

ज्ञानवापी में मिले कथित शविलिंग की नहीं होगी कार्बन डेटिंग

हिन्दू पक्ष की उम्मीद को बड़ा झटका

वाराणसी, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित ज्ञानवापी परिसर में मिले कथित शिवलिंग की कार्बन डेटिंग जांच नहीं होगी। कथित शिवलिंग की कार्बन डेटिंग और वैज्ञानिक परीक्षण की मांग से जुड़े मामले पर वाराणसी की जिला अदालत ने आज फैसला सुनाया है। जानकारी के अनुसार 11 अक्तूबर को कोर्ट ने शुक्रवार के लिए फैसला सुरक्षित रखा था। इस पर शुक्रवार को वाराणसी जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश कोर्ट रूम में सुनवाई हुई। इस दौरान कोर्ट रूम में दोनों पक्षों को मिलाकर 58 लोगों को रहने की इजाजत दी गई है। केस पर फैसले के मद्देनजर कोर्ट परिसर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

दरअसल, कथित शिवलिंग काशी विश्वनाथ मंदिर से ही लगे हुए ज्ञानवापी मस्जिद के भीतर मौजूद है, जिसे मुस्लिम पक्ष वजू खाने का फव्वारा कहता है, जबकि हिंदू पक्ष शिवलिंग। इसी की कार्बन डेटिंग के मुद्दे पर वाराणसी जिला अदालत में जज का फैसला दिया है। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि17 मई के सुप्रीम कोर्ट के आदेश में कहा गया है कि अधविक्ता कमश्निर की कार्यवाही के दौरान जो कथति शविलिंगम पाया गया उसे सुरक्षति रखा जाए। ऐसी स्थिति में यदि कार्बन डेटिंग तकनीक का प्रयोग करने पर या ग्राउंड पेनीटेटिंग राडार का प्रयोग करने पर उक्त कथति शविलिंगम को क्षति पहुंचती है तो यह मानीनय सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन होगा। इसके अतिरिक्त ऐसा होने पर आम जनता की धार्मिक भावनाओं को भी चोट पहुंच सकती है।

कोर्ट ने आगे अपने आदेश में कहा है कि मेरा यह भी विचार है कि इस स्तर पर अधिवक्ता कमिश्नर की कार्यवाही के दौरान दिनांक 16-5-2022 को पाए गए कथित शिवलिंगम की आयु प्रकृति और संरचना का निर्धारण करने के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वे को निर्देश दिया जाना उचित नहीं होगा और ऐसा आदेश करने से इस बाद में अंतर्वलित प्रश्नों के न्यायपूर्ण समाधान की कोई संभावना प्रतीत नहीं होती है। आपको बता दें कि इस मामले की पछिली सुनवाई के दौरान कोर्ट में हिन्दू पक्ष ने अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करते हुए दावा किया कि वजूखाना में पाया गया 'शिवलिंग' वाद का एक हिस्सा है। अदालत ने 11 अक्टूबर को अगली सुनवाई पर मुस्लिम पक्ष से हिंदू पक्ष के इस स्पष्टीकरण पर जवाब मांगा था। इस मामले में मुस्लमि पक्ष सुनने के बाद कोर्ट ने शुक्रवार यानी 14 अक्टूबर को कार्बन डेटिंग नहीं होने का फैसला सुनाया।

हिंदू पक्ष के अधिवक्ता हरिशंकर जैन ने बताया कि जिला अदालत के समक्ष उन्होंने बताया कि हमने अपने वाद में यह पहले ही कहा है कि ज्ञानवापी परिसर के सभी दृश्य और अदृश्य देवताओं के दर्शन पूजन का अधिकार हिंदुओं को दिया जाए। उन्होंने कहा कि ज्ञानवापी परिसर के वजुखाने का पानी हटाने के बाद 'शिवलिंग' प्रकट हुआ इसलिए यह हमारे वाद का हिस्सा है।

जैन ने कहा कि कुछ लोगों ने भ्रम फैला रखा है कि कार्बन डेटिंग से शिवलिंग को नुकसान पहुंच सकता है। इस पर हमने अदालत को बताया कि जहां कार्बन डेटिंग नहीं कराई जा सकती वहां वैज्ञानिक परीक्षण कराया जाए। अदालत के बाहर पत्रकारों को जानकारी देते हुए हिंदू पक्ष के वकील विष्णु शंकर जैन ने कहा था कि अदालत ने कहा कि हम चाहते हैं कि आदेश पारित करने से पहले, कुछ प्रश्न हैं, जिन्हें आप हल कर दीजिये, अपना स्पष्टीकरण दे देजिए। पहला यह है कि 16 मई को किये गये सर्वेक्षण कार्य के दौरान जो 'शिवलिंग' वहां बरामद हुआ था, वह इस संपत्ति का हिस्सा है या नहीं ? और दूसरा वैज्ञानिक जांच के उद्देश्य से अदालत एक आयोग बना सकती है जिसमें कार्बन डेटिंग और अन्य प्रक्रियाएं अपनाई जा सकती है?

राजीव हत्याकांड : नलिनी की समय-पूर्व रिहाई संबंधी याचिका पर न्यायालय में सुनवाई स्थगित

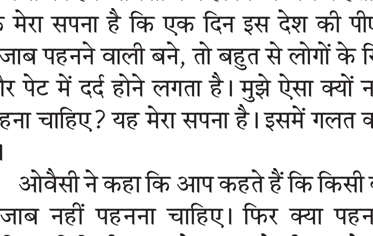

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के सर्वोच्च न्यायालय ने राजीव गांधी हत्याकांड में आजीवन कारावास की सजा काट रही नलिनी श्रीहरन की समय-पूर्व रिहाई संबंधी याचिका की सुनवाई 17 अक्टूबर तक के लिए शुक्रवार को स्थगित कर दी। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना की पीठ ने इस मामले की सुनवाई आज समयाभाव के कारण नहीं कर सकी। तमिलनाडु सरकार ने गुरुवार को नलिनी श्रीहरन और आरपी रविचंद्रन को समय-पूर्व रिहा किये जाने का यह कहते हुए समर्थन किया था कि इन दोषियों को आजीवन कारावास से मुक्त किये जाने का राज्य सरकार का 2018 का परामर्श राज्यपाल पर बाध्यकारी है।

तमिलनाडु सरकार ने दो अलग-अलग हलफनामे दायर करके शीर्ष कोर्ट को अवगत कराया कि नौ सितम्बर, 2018 को आयोजित कैबिनेट की बैठक में राज्य सरकार ने राजीव गांधी हत्याकांड के सभी सात दोषियों की दया याचिकाओं पर विचार किया था और राज्यपाल को संविधान के अनुच्छेद 161 के तहत प्रदत्त शक्तियों का इस्तेमाल करके उन दोषियों की सजा माफ करने की सिफारिश राज्यपाल से करने का प्रस्ताव पारित किया था। नलिनी, संतन, मुरुगन, एजी पेरारिवलन, रॉबर्ट पायस, जयकुमार और रविचंद्रन को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गयी थी और उन्होंने 21 साल से अधिक जेल में काट लिये हैं। नलिनी और रविचंद्रन दोनों तमिलनाडु सजा निलंबन नियमावली, 1982 के तहत दिसम्बर 2021 से साधारण पैरोल पर बाहर हैं। धनु नामक महिला आत्मघाती हमलावर ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या 21 मई, 1991 की रात एक चुनावी रैली के दौरान तमिलनाडु के श्रीपेरुम्बुदुर में कर दी थी।

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

स्वराज इंडिया के संयोजक और किसान नेता योगेंद्र यादव ने सरकार पर किसानों को गुमराह करने का आरोप लगाया

नई दिल्ली, एजेंसी। स्वराज इंडिया के संयोजक और किसान नेता योगेंद्र यादव ने सरकार पर किसानों को गुमराह करने का आरोप लगाया है. इस सवाल कि भारतीय किसान संघ, लाभकारी मूल्य सहित अपनी कई मांगें सरकार के समक्ष रखने जा रहा है, योगेंद्र यादव ने एक समाचार चैनल से बातचीत में कहा, ह्लकिसानों की आंखों में धूल झोंकने का यह सत्तारूढ़ पार्टी का अच्छा तरीका है. सब जानते हैं कि भारतीय किसान संघ, आरएसएस का एक विंग है. यह बीजेपी के पक्ष में खड़ा है और इसने किसान आंदोलन का विरोध किया था. मैंने इनका मांगपत्र पढ़ा है, जो एक चीज किसानों को चाहिए उसे छोड़कर सारी चीजें ये मांग रहे हैं. किसान कह रहा कि मिनिमम सपोर्ट प्राइज जो सरकार हर साल घोषित करती है, आप हमें दे दीजिए. इसकी कानूनी गारंटी दे दीजिए जबकि वे कह रहे हैं कि हम आपको मिनिमम सपोर्ट प्राइज नहीं, मैक्सिमम सपोर्ट प्राइज दिलाएंगे. ह्ल

योगेंद्र यादव ने कहा, ह्लजो घोषित है, वह ये हाथ में दिलवा नहीं रहे और कह रहे-सूरज ला देंगे, चांद ला देंगे, तारे ला देंगे. अरे भाई, पहले जो हाथ में पड़ा है, उसे तो दिलवा दीजिए. यह केवल झांसा देने का तरीका है.ह्ल एक अन्य सवाल पर यादव ने कहा कि पिछले 50 साल से सरकार हर साल दो बार, 23 फसलों का मिनिमम सपोर्ट प्राइज घोषित करती है. जिसका मतलब है कि वह लिखकर यह वादा करती है कि इससे कम पर फसल बिके तो हमारे पास आ जाना, हम देंगे और देती है नहीं. संयुक्त किसान मोर्चा कहता है कि सरकार इस पर कानून बनाए और हमें इसकी कानूनी गारंटी दे. ये मांग जोर पकड़ रही है, ऐसे में किसानों को गुमराह करने के लिए यह सब किया जा रहा है. ह्ल

उन्होंने कहा कि यह पहली बार नहीं है कि भारतीय किसान संघ, किसानों को गुमराह करने की कोशिश कर रहा. इस 13 माह के किसान आंदोलन में देश के एक भी किसान ने भारतीय किसान संघ की बात को नहीं सुना. भारतीय किसान संघ के झांसे में इस देश का किसान आने वाला नहीं है. योगेंद्र ने कहा कि किसानों में रोष है. पिछले महीनेभर में जो बारिश हुई है, उससे देशभर में किसानों की फसलों को काफी नुकसान हुआ है. किसान के मन में इसका भी गुस्सा है. भारतीय किसान संघ, यदि जरा भी ईमानदार है तो यह मांग क्यों नहीं करता कि इस साल भारत सरकार से किसानों को जो फसल का नुकसान हुआ, उसका राष्ट्रीय स्तर पर एनडीआरएफ से विशेष मुआवजा दिलाए. यह हो सकता है. भारतीय किसान संघ सरकार से यह मांग क्यों नहीं करता? इस सवाल पर कि भारतीय किसान संघ 19 दिसंबर को दिल्ली में गर्जना रेली करने जा रहा, क्या संयुक्त किसान मोर्चा इसका समर्थन करेगा, योगेंद्र ने कहा कि इन्हें गर्जना करने दीजिए. संयुक्त किसान मोर्चा ऐसे झांसे में आने वाला नहीं है. एसकेएम की अधिकारिक प्रतिक्रिया आपको मिल जाएगी.

स्वदेशी मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेल कूद चित्र कला अयोजन

» मदरलैंड संवाददाता

नई दिल्ली। द्वारका सेक्टर 7 के सी सी आर टी ग्राउंड पर चल रहे स्वदेशी मेले में विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए तथा स्कूली बच्चों ने खेल कूद चित्र कला प्रतियोगी के तौर पर भाग लिया।

प्रतियोगिताएं आयोजित करने में सक्षम डाक्टर मंजीत सिंह, संजय सिंह, रतन सिंह बिष्ट, श्री मती मधुराज, अनीता दलाल, ने सभी प्रायोजित कार्यक्रम में बच्चों को हिस्सा लेने का मौका दिया, इस दौरान स्कूली बच्चों ने चित्रकला, रंग भरो, रंगोली प्रतियोगिता में 87 बच्चों भाग लिया।

मेले के संयोजक रविंद्र सोलंकी ने बताया कि यह मेला सांस्कृतिक स्त्रोत एवम प्रशिक्षण केन्द्र के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया जा रहा हैं, इस मेले में सांस्कृतिक स्त्रोत के देशभर से आए लगभग 35 कलाकारों द्वारा भी मंच से अपनी हुनर का सफल प्रदर्शन कर तालियों से दर्शकओ का मनोरजन कर रहे हैं,ये कार्यक्रम सी सी आर टी निदेशक ऋषि वशिष्ठ के निर्देशन में हो रहा हैं।

मिडिया प्रभारी नीलेंद्र पाठक ने बताया कि इस वर्ष स्वदेशी मेला करोना संकट के उपरांत लगाया गया है, मेले में खरीददारी करने योग्य स्वदेशी स्टॉल लगाए गए हैं, जहां गांव की पूरी झलक दिखला ई देती हैं, अमृत धारा

भोजनालय द्वारा जमीन पर बैठ कर लकड़ी के पट्टे पर बैठाकर शुद्ध देसी घी से निर्मित सब्जी, दाल, मक्के, गेंहू, बाजरा की रोटी चुलेह पर ताजी सिक्कर परोसी जा रही हैं इस भोजनालय को संचालित करने वाले योगेश स्वामी बताते हैं कि वे इस मेले काफी समय से आ रहे हैं, उनका पूरा परिवार अपने हाथों से ही बेहतर तरीके से भोजन तेयार करता है, वह दिल्ली के वबाना मे गौ शाला चलाते हैं तथा नन्दी बैल के द्वारा आटा चक्की पीसते है, उनके अनुसार इस मेले के भोजन में प्रोटीन युक्त हल्दी की सब्जी प्रमुख हैं। इसी श्रंखला में ताजपुर खुर्द गांव नजफगढ़ दिल्ली के प्रवीन पण्डित ने सभी पुराने जमाने के बर्तन, टीवी शो केस, चारपाई, दो दही बिलोने की मटकी, लाइटन, हुक्का, आदि मौजूद हैं, प्रवीन ने मेले मे तीन गाय के बैल को बांध रखा है, दर्शक काफी उत्साह से सेल्फी पोज ले रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली पुलिस ने 'आपके कानून, आपके अधिकार' पर पैनल चर्चा का किया आयोजन

दिल्ली पुलिस ने आज दिल्ली विश्वविद्यालय के रामजस कॉलेज के छात्रों के साथ ह्यआपके कानून, आपके अधिकारह्व विषय पर एक पैनल चर्चा का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में 100 से अधिक छात्रों और जिलों के एसीपी/कानूनी प्रकोष्ठ और निरीक्षक/कानूनी प्रकोष्ठ ने भाग लिया। आदर्श सभागार पुलिस मुख्यालय, जय सिंह रोड, नई दिल्ली में दंडात्मक चर्चा/ कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुलिस प्रवक्ता ने विजय गौड़ ब्यूरो चीफ को बताया कि प्रमुख वक्ताओं में प्रो उज्जवल के सिंह दिल्ली यूनिवर्सिटी, राजेश दीओ, उपायुक्त पुलिस /क्राइम, हरीश एचपी, उपायुक्त पुलिस /लीगल सेल और प्रो तनवीर एजाज, रामजस कॉलेज, दिल्ली यूनिवर्सिटी थे। प्रो. तनवीर एजाज ने इस विषय का परिचय दिया और एक समृद्ध नागरिक समाज के लिए बौद्धिक स्तर पर छात्रों और पुलिस को एक साथ लाने के महत्व को रेखांकित किया। राजेश देव ने आपराधिक प्रशासन प्रणाली की बारीकियों और तकनीकी की व्याख्या की, जबकि हरीश एचपी ने समानता और गैर-भेदभाव से संबंधित विभिन्न कानूनों का वर्णन किया। प्रो उज्जवल ने बड़ा मुद्दा बनाया कि कानूनों और अधिकारों को जानना और समझना छात्रों के लिए, विशेष रूप से और बड़े पैमाने पर नागरिक समाज के लिए इतना महत्वपूर्ण क्यों है। उन्होंने जोर देकर कहा कि दिल्ली पुलिस और छात्रों के बीच विश्वास और विश्वास पैदा करने के लिए इस तरह के आयोजन नियमित रूप से होने चाहिए।

दिल्ली में 16-17 अक्टूबर, 2022 को पहला राष्ट्रीय कोयला सम्मेलन और प्रदर्शनी

नई दिल्ली, एजेंसी। कोयला मंत्रालय के संरक्षण में, वर्ल्ड माइनिंग कांग्रेस की भारतीय राष्ट्रीय समिति 16 और 17 अक्टूबर, 2022 को नई दिल्ली में ह्लभारतीय कोयला क्षेत्र-आत्मनिर्भर भारत के लिए सतत खननह्व विषय पर पहली बार राष्ट्रीय कोयला सम्मेलन और प्रदर्शनी - 2022 का आयोजन करेगी। केंद्रीय कोयला, खान और संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी और कोयला, खान और रेल राज्य मंत्री रावसाहेब पाटिल दानवे सम्मेलन को संबोधित करेंगे। यह दो-दिवसीय कार्यक्रम नीति निमार्ताओं, सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की खनन कंपनियों, अनुसंधानकताओं, शिक्षाविदों और अन्य हितधारकों को एक उपयुक्त मंच प्रदान करेगा ताकि भारतीय कोयला क्षेत्र और आत्मनिर्भर भारत के राष्ट्रीय मिशन के बीच तालमेल कायम करने के लिए आवश्यक रोड मैप तैयार किया जा सके। कॉन्क्लेव के फोकस के तीन प्रमुख विषय हैं- बिजली क्षेत्र में ईंधन की आत्मनिर्भरता, इस्पात तैयार करने में कोयले की आत्मनिर्भरता और प्रौद्योगिकी एवं निरंतरता।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का आगामी चुनाव 2024 में पड़ेगा असर : मौलाना मुशर्रफ अली

» मदरलैंड संवाददाता

नई दिल्ली। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा को 36वे दिन भी लोगों का काफी समर्थन मिला। राहुल गांधी की पद यात्रा इस वक्त कर्नाटक में मौजूद है। राहुल गांधी इस दौरान स्थानीय लोगों से मिलते नजर आए और उनसे बातें करते नजर आए। 7 सितंबर को कन्याकुमारी से शुरू हुई यह यात्रा अब तक 900 किमी से ज्यादा की दूरी तय कर चुकी है। यह कुल 12 राज्यों से होकर गुजरेगा और जम्मू-कश्मीर में समाप्त होगा। सूत्रों के अनुसार राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा बहुत ही अहम मानी जा रही है। यात्रा के माध्यम से कांग्रेस में एक नई जान फुंकने की कोशिश राहुल गांधी करने का प्रयास कर रहे हैं। कांग्रेसी नेता राहुल गांधी की इस पद यात्रा को काफी उत्साहित है।

कांग्रेस के मौलाना मुशर्रफ अली का तो यहां तक कहना है की राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा ऐतिहासिक यात्रा है. उन्होंने कहा इस पद यात्रा में सभी धर्मों को जोड़कर राहुल गांधी भाईचारे का एक संदेश कन्याकुमारी से कश्मीर तक पहुंचा रहे है।

मौलाना मुशर्रफ अली ने बताया की इस पद यात्रा का देश की राजनीति में सबसे ज्यादा असर नजर आ रहा है और विपक्ष में खलबली मची हुई है।

उन्होंने कहा राहुल गांधी की इस ऐतिहासिक यात्रा का आगामी चुनावों पर तो असर पड़ेगा अपितु 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की वापसी के सभी रास्ते खुलेंगे।

दक्षिण जिला पुलिस ने एक सक्रिय मोबाइल चोर किया गिरफ्तार : चंदन चौधरी पुलिस उपायुक्त, दक्षिण जिला

» विजय गौड़ ब्यूरो चीफ

13.10.2022 को एक गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि एक मोबाइल चोर डीडीए के फ्लैट गुलमोहर एन्क्लेव, हौज खास में संभावित खरीदारों को चोरी का मोबाइल फोन बेचने के लिए आएगा। तत्काल, इंस्पेक्टर शिव दर्शन, एसएचओ / हौज खास के नेतृत्व में एसआई प्रिंस और एएसआई दिनेश को शामिल करके एक टीम का गठन किया गया और तेजी से कार्रवाई के लिए टीम का समग्र पर्यवेक्षण का कार्यभार वीर सिंह, एसीपी/हौज खास को सौंपा गया।

जानकारी को और विकसित किया गया और डीडीए फ्लैट्स गुलमोहर एन्क्लेव, हौज खास के पास एक जाल बिछाया गया। कुछ देर बाद गुलमोहर पार्क क्षेत्र में एक व्यक्ति को संदिग्ध हालत में देखा गया। मुखबिर का इशारा करने पर उसने रुकने का इशारा किया लेकिन वह रुकने की बजाय भागने लगा। हालांकि, चुस्त कर्मचारियों ने सफलतापूर्वक उस पर काबू पा लिया। उनसे उनकी उपस्थिति के बारे में पूछा गया लेकिन उन्होंने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया। उसकी सरसरी तलाशी लेने पर उसके पास से 03 मोबाइल फोन बरामद हुए। बाद में उसकी पहचान सौरव दास उर्फ कालू के रूप में हुई। पूछताछ करने पर तीन मोबाइल चोरी हुए मिले। इसलिए, आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया और मोबाइल फोन जब्त कर लिया गया।

चंदन चौधरी आईपीएस पुलिस उपायुक्त, दक्षिण जिला पुलिस ने ब्यूरो चीफ विजय गौड़ को बताया कि 22 वर्ष का गिरफ्तार आरोपी सौरव @ कालू पुत्र कालीपाड़ा दास निवासी पहली मंजिल, चने वाली गली, गौतम नगर, नई दिल्ली एक ड्रग एडिक्ट है और अपनी नशीली दवाओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए अपराध करता है। जिला पुलिस ने आरोपी से तीन चोरी किये मोबाइल बरामद कर लिए है उन्होंने बताया कि अच्छे कार्य करने वाले पुलिस - कर्मचारियों को उचित पुरस्कार भी दिया जा रहा है।

शिक्षाविद डॉ रश्मि शर्मा को मिला डॉ सरोजनी नायडू अंतरराष्ट्रीय अवार्ड 2022

» मदरलैंड संवाददाता

नई दिल्ली। नायडू, द नाइटेंगल ऑफ द इंडिया फिल्म सिटी नोएडा स्थित मारवा स्टूडियो के द्वारा आयोजित अति प्रतिष्ठित ग्लोबल लिटरेरी फेस्टिवल नोएडा के अंतर्गत एशियन आर्ट्स अकैडमी ऑफ आर्ट्स संस्था ने भारत की स्वतंत्रता सेनानी तथा कवियत्री सरोजिनी नायडू जिन्होंने आजादी की लड़ाई तथा समाज उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी उन्हीं के सम्मान स्वरूप ये सम्मान प्रतिवर्ष अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर दिया जाता है इस वर्ष 6ठें सरोजिनी नायडू इंटरनेशनल अवार्ड के लिए राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चयनित विशिष्ट महिलाओं के साथ इस वर्ष चयनित डॉ रश्मि शर्मा जो किड्स वर्ल्ड स्कूल की प्रिंसिपल है और समाज सेविका है उनको 6ठें डॉ सरोजनी नायडू इंटरनेशनल अवार्ड नोएडा स्थित मारवा स्टूडियो के द्वारा आयोजित भव्य कार्यक्रम में यह सम्मान से सम्मानित किया गया। इसमें रश्मि जी काफी वर्षों से बच्चों के लिए कार्य कर रही हैं वह उन बच्चों के लिए कार्य कर रही है जो बच्चे धन के अभाव में शिक्षा नहीं ग्रहण कर पाते उनको शिक्षा मैं मदद करती है। उन्हें अंतरराष्ट्रीय राष्ट्रीय स्तर पर बहुत पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है।

अकाली दल के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों को पार्टी में पूर्ण सम्मान मिलेगा: परमजीत सिंह सरना

- अकाली दल के सभी कमेटी सदस्य किसी भी धमकियों से डरने वाले नहीं
- बादल दल से जीते सदस्यों को पार्टी में शामिल होने का दिया न्यौता

» स्वतंत्र सिंह भुल्लर, मदरलैंड संवाददाता

नई दिल्लीः 14 अक्टूबरः षिरोमणी अकाली दल के नव नियुक्ति दिल्ली इकाई के अध्यक्ष परमजीत सिंह सरना ने आज ईकाई के गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब स्थित कार्यालय पहुंचकर कार्यभार संभाला एवं साथ ही विरोधियों पर जमकर निषाने भी साधे।

सः परमजीत सिंह सरना आज दिल्ली कमेटी सदस्यों एवं अकाली दल समर्थकों के साथ पार्टी कार्यालय पहुंचे जहां पर उन्होंने मीडीया से बातचीत के दौरान साफ किया कि उनकी पूरी कोशिश होगी कि सभी सदस्यों को पूर्ण सम्मान पार्टी में दिया जाये। परमजीत सिंह सरना ने सः सुखबीर सिंह बादल का आभार प्रकट किया जिन्होंने उन पर भरोसा करते हुए उन्हें अध्यक्ष पद का कार्यभार सौंपा है। अब वह अपना पूरा जोर पार्टी को मजबूत करने के लिए लगायेंगे। उन्होंने कहा वह दिल्ली सहित देश के अन्य शहरों में जाकर सिखी का प्रचार प्रसार करेंगे। सः परमजीत सिंह सरना ने कहा जो लोग हम पर बेबुनियाद आरोप लगाते हुए हमें बदनाम कर रहे हैं यां हमारे सदस्यों को डरा धमका रहे हैं उन्हें मेरी खुली चुनौती है वह किसी भी चैनल पर आकर डिबेट कर लें। उन्होंने कहा हमारा कोई भी सदस्य किसी की धमकियों से डरने वाला नहीं और ना ही हमारा कोई सदस्य किसी तरह के लोभ लालच में फंसने वाला है। उल्टा उन्होंने बादल दल से जीते हुए सभी सदस्यों को पुनः पार्टी में शामिल होने का न्यौता देते हुए साफ किया कि उनका मकसद केवल पंथ को मजबूत करने का है और जो भी पंथ दर्दी उन्हे मदद करेंगे वह उन्हें साथ लेने को तैयार हैं। इस मौके पर सः हरविन्दर सिंह सरना, गुरमीत सिंह शन्टी, बीबी रणजीत कौर सहित दिल्ली कमेटी के अन्य पदाधिकारी एवं अकाली दल के अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

आम आदमी पार्टी के नेता मयार्दा की सारी सीमाएं लांघ चुके हैं-रामवीर सिंह बिधूड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। गुजरात के आम आदमी पार्टी अध्यक्ष गोपाल इटालिया द्वारा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और उनकी माताजी के प्रति अभद्र भाषा इस्तेमाल करने से क्षुब्ध दिल्ली भाजपा महिला मोर्चा द्वारा आज आम आदमी पार्टी कार्यालय के बाहर प्रचंड विरोध प्रदर्शन किया गया। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी के नेतृत्व में हुए इस विरोध प्रदर्शन में दिल्ली प्रदेश भाजपा के उपाध्यक्ष श्री राजन तिवारी एवं श्री वीरेन्द्र सचदेवा, दिल्ली प्रदेश भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्षा श्रीमती योगिता सिंह, मोर्चा प्रभारी श्रीमती बरखा सिंह और मीडिया सह-प्रमुख श्री हरिहर रघुवंशी भी मौजूद थे।

गोपाल इटालिया ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को नीच कहकर संबोधित किया और उनकी माताजी के प्रति भी असम्मानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया है। इसके विरोध में भाजपा कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी के नेता भारतीय संस्कृति को भी भूल बैठे हैं और एक मां का अपमान करके मयार्दा की सारी सीमाएं लांघ चुके हैं।

नेता प्रतिपक्ष श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के सर्वेसर्वा अरविंद केजरीवाल ने एक बार भी अपने कार्यकताओं की अभद्रता पर रोष व्यक्त नहीं किया और न ही उन्हें ऐसा करने से रोका। इसके विपरीत वह सोशल मीडिया पर गोपाल इटालिया को बढ़ावा दे रहे हैं।

श्री बिधूड़ी ने कहा कि देश की जनता इस प्रकार का अभद्र और अशोभनीय व्यवहार कभी भी बर्दाश्त नहीं करेगी। केजरीवाल गोपाल इटालिया और उनके जैसे तमाम नेताओं को पार्टी से निकालें और पूरे देश से इस अपराध के लिए माफी मांगें। देश की जनता में आम आदमी पार्टी के नेताओं के लिए कितना रोष है, यह गुजरात तथा हिमाचल प्रदेश के आगामी चुनावों में पता चल जाएगा। जनता इन्हें कड़ा सबक सिखाएगी। उन्होंने कहा कि एक बुजुर्ग मां के प्रति असम्मानजनक शब्दों का इस्तेमाल अक्षम्य अपराध है। गोपाल इटालिया ने जैसा कृत्य किया है, उससे विशेषकर महिलाओं में बहुत रोष है और वे इन नेताओं को कदापि माफ नहीं करेंगी।

केन्द्रीय ऊर्जा मंत्री आर के सिंह ने कहा, हर घर तक बिजली पहुचाने के लिए सरकार प्रतिबंध

नई दिल्ली, एजेंसी। हर घर बिजली पहुचाने के लिए केंद्र सरकार प्रतिबंध है। हमने हर घर तक बिजली पहुँचाने का प्रण लिया है और हम इसे पूरा कर के रहेंगे। विद्युत मंत्रालय एवं केन्द्रीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशो के ऊर्जा मंत्रियो का दो दिवसीय सम्मलेन के उद्घाटन समारोह में संबोधित करते हुए केन्द्रीय विद्युत और नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री आर के सिंह, ने यह बात कही। उन्होने कहा की हमने सबने एक टीम के रूप में काम कर के बिजली के क्षेत्र में उपलब्धता हासिल की है। पिछले 5 सालों में हमने आम लोगों को 2 लाख 60 हजार करोड़ की योजनायें समर्पित की थी। ऐसा पहली बार हुआ की कोई योजना लायी गयी और उसका क्लोजर रिपोर्ट भी आया, परन्तु पहले ऐसा नहीं होता था, 89 प्रतिशत काम हो जाता था पर कन्क्लुसन नही निकलता था। श्री सिंह ने कहा की हमारा मुख्य उद्देश्य यह है की जिस भी गाँव में आज भी बिजली नही पहुंची है वहां पर बिजली पहुँचाना है। पहले लोग जनरेटर को एक जरूरी चीज मानते थे परन्तु अब धीरे धीरे वो समाप्त हो रहा है। उन्होने कहा की अब जो हमारे सामने मुख्य चुनौती है वो है कोयला पिछले 6 महीने की स्थिति के अनुसार जितना कोयला हम प्रतिदिन इस्तमाल करते है उससे जितना हमें डोमेस्टिक कोयला प्राप्त हो रहा है वो 2 लाख से 2.5 लाख टन कम है। ये चुनौती इसलिए है क्योंकि पिछले 6 महीने मे इसकी डिमांड है उसमे काफी इजाफा हुआ है। जो दुनिया के विकसित देश है वह बिजली के दाम 5 से 6 गुना बढ़े है परन्तु हमारे यहा ऐसा नहीं है आज हमने जो ऊर्जा के क्षेत्र में बदलाव लाया है वो हमारे देश के लिए मूलभूत परिवर्तन है।

केन्द्रीय विद्युत और भारी उद्योग राज्य मंत्री श्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा की वर्ष 2022 में भारत का बिजली क्षेत्र तेजी से विकासशील राष्ट्र की आकांक्षाओं को पूरा करने और प्रेरणा देने के मार्ग पर आगे बढ़ रहा है, टिकाऊ तरीके से सस्ती बिजली तथा सार्वभौविक विद्युत क्षेत्र के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत रहा है। यह क्षेत्र एनर्जी ट्रांजीशन पहलों के माध्यम से जलवायु सम्बंधित चुनोतिओं से समाधान करने के लिए पूरी तरह से तैयार है जो वैश्विक मंच पर राष्ट्र द्वारा की गयी प्रतिबधताओं के खुद को एडजस्ट करता है इसलिए भारत के दो लक्ष्य 24 ह्व 7 बिजली प्राप्त करता और साथ ही जीवाश्म आधारित उर्जा पर देश की निर्भरता को कम करके और स्व्च्छ और नवीकरण उर्जा से स्थानांतरित करके एनर्जी ट्रांजीशन करना है उर्जा क्षेत्र किसी भी राष्ट्र के महत्वपूर्ण तत्वों में से एक है।

संक्षिप्त समाचार

ताइक्वाण्डो चैम्पियनशिप में सी.एम.एस. छात्रों ने जीते दो गोल्ड मैडल

लखनऊ, एजेंसी। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, स्टेशन रोड कैम्पस के प्रतिभाशाली छात्रों आदित्य अग्रवाल एवं लिबा आमना ने 15वें नेशनल ओपेन ताइक्वाण्डो चैम्पियनशिप में दो गोल्ड मेडल अर्जित कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। सी.एम.एस. संस्थापक डा. जगदीश गाँधी ने विद्यालय के इन दोनों होनहार छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की है। यह जानकारी सी.एम.एस. के मुख्य जन-सम्पर्क अधिकारी श्री हरि ओम शर्मा ने दी है। श्री शर्मा ने बताया कि इस चैम्पियनशिप में विभिन्न विद्यालयों के चुने हुए छात्र खिलाड़ियों ने प्रतिभाग कर ताईक्वाण्डो प्रतिभा का जोरदार प्रदर्शन किया तथापि कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच सी.एम.एस. के इन प्रतिभाशाली छात्रों ने अपनी खेल प्रतिभा, चुस्ती-फूर्ती, कौशल तथा दमखम के बलबूते दो गोल्ड मैडल अर्जित कर राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने के संकेत दिये है। श्री शर्मा ने बताया कि सी.एम.एस. छात्र न सिर्फ शैक्षिक क्षेत्र में अपितु खेलों व समाज के अन्य बहुतेरे क्षेत्रों में भी विद्यालय का नाम राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर रोशन कर रहे हैं क्योंकि सी.एम.एस. अपने छात्रों के बौद्धिक विकास के साथ उन्हें खेलों व अन्य सामाजिक क्षेत्रों के लिए भी विशेष रूप से तैयार करने में पूरे मनोयोग से संलग्न है।

अन्तर्राष्ट्रीय युवा सम्मेलन में 23 देशों के बाल गणितज्ञों ने लहराया गणित ज्ञान का परचम

लखनऊ, एजेंसी। अन्तर्राष्ट्रीय युवा गणितज्ञ सम्मेलन ह्यआई.वाई.एम.सी.-2022ह्न में 23 देशों के बाल गणितज्ञों ने कठिन समझे जाने वाले गणित विषय में अपने गहन अध्ययन, ज्ञान व प्रतिभा का परचम लहराकर दिखा दिया कि इन बाल गणितज्ञों में अभूतपूर्व प्रतिभा भरी पड़ी है। विदित हो कि अन्तर्राष्ट्रीय युवा गणितज्ञ सम्मेलन ह्यआई.वाई.एम.सी.-2022ह्न का आयोजन सिटी मोन्टेसरी स्कूल, गोमती नगर (प्रथम कैम्पस) के तत्वावधान में ऑनलाइन किया जा रहा है, जिसमें विश्व के 23 देशों एवं भारत के छात्र गणित के विविध अनुप्रयोगों के माध्यम से अपने मन-मस्तिष्क को प्रखर करने में संलग्न है। छः दिवसीय ह्यआई.वाई.एम.सी.-2022ह्न के पाँचवे दिन आज गणित की बेहद दिलचस्प प्रतियोगिता ह्यमैथमेटिकल क्विन्टपलह्न का आयोजन सम्पन्न हुई, जिसमें विभिन्न देशों के सीनियर वर्ग के प्रतिभागी छात्रों ने गणित के विभिन्न आयामों पर विस्तार से अपने विचार रखते हुए मानव विकास के विभिन्न पहलुओं पर गणित के महत्व को रेखांकित किया। इस प्रतियोगिता में प्रतिभागी छात्रों ने दिये गये पाँच विशिष्ट क्षेत्रों में गणित की भूमिका पर बोलते हुए अपने गणित ज्ञान, अभिव्यक्ति क्षमता, रचनात्मक सोच, तार्किक व विष्लेषणात्मक प्रतिभा का जोरदार प्रदर्शन किया। यह प्रतियोगिता दो राउण्ड में सम्पन्न हुई।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर युद्धस्तर पर चल रहीं तैयारियां

अलीगढ़, एजेंसी। लालडिग्गी तिराहे पर आकर्षण बिखेर रहा अलीगढ़ हैबिटेट सेंटर शहर को समर्पित होने के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस भव्य इमारत का लोकार्पण करेंगे। यहां मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर युद्धस्तर पर तैयारियां चल रही हैं। हैबिटेट सेंटर को संवारा जा रहा है। बरसात में बदहाल हुईं सड़कों की मरम्मत शुरू हो चुकी है। हैबिटेट सेंटर तक मुख्यमंत्री के आगमन के सभी संभावित मार्गों पर व्यवस्थाओं में 80 टीमें लगाई गई हैं। स्मार्ट सिटी की प्रमुख परियोजनाओं में शामिल अलीगढ़ हैबिटेट सेंटर 73 करोड़ की लागत से तैयार हुआ है। इसकी नींव 2019 में 10 जुलाई को स्मार्ट सिटी के तत्कालीन सीइओ सत्यप्रकाश पटेल ने रखी थी। ग्रीन बिल्डिंग प्रोजेक्ट के तहत इस भवन का निर्माण शुरू हुआ। नाम भी ह्यग्रीन बिल्डिंगह्न दिया गया। तब इसकी लागत 55 करोड़ रुपये तय थी। ग्रीन बिल्डिंग प्रोजेक्ट के तहत ऐसे भवन का निर्माण कराना था, जो पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक करे। तालाब, हरियाली, सौर ऊर्जा से संचालित संयंत्रों से ग्रीन बिल्डिंग को सुसज्जित करने की योजना बनी। 2021 में सात मंजिला हैबिटेट सेंटर का नाम ह्यइंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटरह्न (आइसीसीसी) रखा गया।

नोएडा-ग्रनो एक्सप्रेसवे पर लगा लंबा जाम, काफी देर तक ट्रैफिक थमने से परेशान रहे लोग

नोएडा, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा में घर से निकले लोगों को जमा ने खूब छकाया। नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रेसवे पर ग्रेटर नोएडा आने की तरफ लगे लंबे जाम में लोग काफी परेशान रहे। पुलिस भी जाम खुलवाने में मशक्कत करती रही। जानकारी के अनुसार, ग्रेटर नोएडा में भारतीय किसान यूनियन की पंचायत में जुलूस के रूप में किसान पहुंच रहे है। वहीं भारतीय हस्तशिल्प उत्पादों के विशाल ट्रेड फेयर ने भी मुश्किलों को बढ़ाया। ग्रेनो के इंडिया एक्सपो मार्ट में चल रहे फेयर में भी काफी संख्या में लोग पहुंच रहे। इसके चलते नॉलेज पार्क अंडरपास के नीचे दिल्ली से आने वाले जाम में फंसे रहे। ग्रेटर नोएडा में घर से निकले लोगों को जमा ने खूब छकाया।

सीएम योगी ने गोरखपुर व महाराजगंज के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया हवाई सर्वेक्षण, वितरित की राहत सामग्री

लखनऊ, एजेंसी। बाढ़ प्रभावित क्षेत्र को लोगों तक राहत सामग्री तथा अन्य सभी प्रकार की सहायता सुनिश्चित करने के लिए बुधवार से ग्राउन्ड जीरो पर उतर सीएम योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को महाराजगंज व गोरखपुर का हवाई सर्वेक्षण करने के साथ बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात की। उनका दुख दर्द साझा किया और अपने हाथों से उन्हें राहत सामग्री भेंट की। बाढ़ पीड़ितों के बीच जाकर योगी आदित्यनाथ ने उन्हें आश्वस्त किया कि आपदा की इस घड़ी में केंद्र व राज्य की सरकारें उनके साथ हैं।

शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सबसे पहले महराजगंज जिले का सर्वेक्षण करते हुए धनी ब्लाक पहुंचे और बाढ़ पीड़ितौं से मिले। इसकी बाद वह हैलीकाप्टर के साथ बाढ़ की स्थिति का जयजा लेते हुए गोरखपुर के कैंपियनरगंज में जेपी इंटर कालेज और सहजनवा के मुरारी इंटर कालेज पहुंचे और राहत सामग्री का वितरण किया। इस अवसर पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार संकट की इस घड़ी में

उनके साथ खड़ी है। बाढ़ पीड़ितों की राहत और बचाव कार्यों का निरीक्षण करने के लिए सीएम योगी आदित्यनाथ पिछले तीन दिनों से राज्य के दौरे पर हैं। बह बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, गोंडा, अयोध्या, सिद्धार्थनगर, बस्ती, संतकबीर नगर, गोरखपुर के दक्षिणांचल महराजगंज-गैंपियनरगंज होते हुए वह सहजनवा तक आए हैं। इसके साथ ही मंत्री समूह भी दौरा कर राहत कार्यों की निगरानी में जुटा हुआ है।

इस अवसर पर सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन इलाकों में पानी ज्यादा भरा हुआ है, वहां अतिरिक्त नावों का तत्काल प्रबंध किया जाए। इसके साथ ही बाढ़ पीड़ितों के लिए पर्याप्त मात्रा में राहत सामग्री का वितरण किया जाए। उन्होंने कहा कि भारी वर्षा के दौरान होने वाली जनहानि, मकानों को हुई क्षति और फसलों को हुए नुकसान को लेकर परेशान लोग परेशान न हों। राज्य के अफसरों को निर्देश दिए गए हैं कि बाढ़ से जनहानि होने पर संबंधित परिवार को चार लाख रुपए की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाए। अंगभंग होने की स्थिति में 2।5 लाख रुपए की सहायता उपलब्ध कराई जाए। जिनके मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं उन्हें अपने मकान बनाने के लिए 1।20 लाख रुपए दिए जाएंगे। इसी तरह फसलों को होने वाले नुकसान का भी सर्वे कराकर मुआवजा दिया जाएगाच।

दलित नेता उमराव के तैलचित्र पर पुष्पांजलि दी गई

» मदरलैंड संवाददाता

नूंह/मेवात। तावडू खण्ड के दलित आरक्षित रानियाकी पंचायत के सरपंच रहे दलित नेता उमराव की शुक्रवार को जाट धर्मशाला, शिव मंदिर दुल्ली वाली प्याऊ पर आयोजित धर्मसभा में तावडू उम मण्डल समेत आसपास क्षेत्रों के सामाजिक, धार्मिक व सियासी लोगों ने शिरकत कर उनके तैलचित्र पर पुष्पांजलि दी। रात्रि में वार्ड नं-13 में संकीर्तन के अलावा शुक्रवार को भी महिला संगत ने संकीर्तन व लोक गीतों के जरिये उन्हें श्रद्धांजलि दी। पण्डाल मे मौजूद वक्ताओं ने शोक संतप्त परिवार के प्रति ढांढस बंधाते हुए कहा कि इससे परिवार व सर्व समाज को अपूर्णीय क्षति हुई हैं।

बारिश की जलभराव की समस्या से लोग परेशान, अधिकारियों ने निरीक्षण

» मदरलैंड संवाददाता

सिकंदराराऊ- कस्बा के मोहल्ला बगिया बारहसैनी एवं रोशनगंज में आए दिन जलभराव की समस्या बनी रहती है। जिससे लोगो को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। नाले पर लोगो द्वारा अवैध रूप से पक्के निर्माण कर लिए गए है। जिससे जल निकासी में अवरोध हो रहा है। नालो पर अवैध रूप से किए गए निमार्णों की लोगो द्वारा उपजिलाधिकारी से शिकायत की गई। शिकायत पर उपजिलाधिकारी व नगर पालिका अधिशासी अधिकारी ने मौके पर पहुँचकर मामले की पड़ताल की। अतिक्रमणकारियो के विरुद्ध कार्यवाई करने के उपजिलाधिकारी ने ईओ को निर्देश दिए है।

मोहल्ला बगिया बारहसैनी से होकर एक नाला गुजर रहा है। जो पुरानी तहसील रोड पर मोहल्ला नगला शीशगर की ओर निकलता है। उक्त नाले पर पुरानी तहसील रोड पर लोगो द्वारा हॉस्पिटल, मकान आदि का अवैध रूप से निर्माण कर रहा है। जिसके कारण पानी की निकासी में अवरोध हो गया है। पानी की निकासी न होने के कारण आए दिन मोहल्ले में जलभराव की स्थिति बनी रहती है। जलभराव की समस्या से आजीज आकर लोगो ने उपजिलाधिकारी वेद सिंह चौहान को अवगत कराया। उपजिलाधिकारी ने मामले को गम्भीरता से लेकर अधिशासी अधिकारी श्रीचंद्र के साथ गुरुवार को जांच पड़ताल की। अधिकारियों ने जांच के दौरान पाया कि लोगो द्वारा वास्तविकता में नाले पर अवैध कब्जा जमा रखा है। इस सम्बंध में उपजिलाधिकारी वेद सिंह चौहान ने बताया कि नाले पर अवैध निर्माण की शिकायत लगातार मिल रही थी। अधिशासी अधिकारी के साथ मौके पर पहुँच कर मामले की पड़ताल की गई। नाले पर किए गए अतिक्रमण को लेकर मामला न्यायालय में विचाराधीन है। अधिशासी अधिकारी को नियामानुसार कार्यवाई करने के निर्देश दिए है।

जुलूस ए मोहम्मदी को धूमधाम के साथ निकाला

» फैजान भारती, मदरलैंड संवाददाता

सिकन्दराराऊ नगर में जामा मस्जिद से जुलूस ए मोहम्मदी का शुभारंभ किया गया। जिसमें अंजुमन सीरत नवी कमेटी के लोगों का सपा नेता बबलू यादव ने जोरदार फूल माला बनाकर व शॉल उड़ाकर स्वागत किय। वहीं दूसरी ओर नगर के भारी संख्या में लोगों ने सपा नेता पूर्व चेयरमैन पति इकराम कुरैशी व प्रदेश सचिव मेहराज कुरैशी एमआईएम जिलाध्यक्ष और

जोरों शोरों से का स्वागत किया गया। जुलूस में मौजूद ऊंट घोड़े डीजे बैंड बाजे भी शामिल रहे। नगर के सभी सम्मानित नागरिकों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया।

सिकन्द्राराऊ का ऐतिहासिक जुलूस ए मौहम्मदी 302 वर्ष पुराना जुलूस है जो सिकन्द्राराऊ के साथ साथ पश्चिमी उप्र का ऐतिहासिक जुलूस है। जहां कस्बों व नगरों में निकाला गया। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए एसडीएम वेद सिंह

व सीओ ब्रहम सिंह कोतवाली प्रभारी अशोक कुमार सिंह भारी मात्रा में पुलिस फोर्स के साथ चप्पे-चप्पे पर निगरानी की गई। वहीं अन्य थानों का प्रशासन मौजूद रहा। शुक्रवार दोपहर जुमे की नमाज के बाद बारह वफात का जुलूस पुरानी तहसील रोड, राठी चौराहा, तिराहा बाजार, जीटी रोड, नगरपालिका होते हुए पुरानी सब्जी मंडी, मोहल्ला हुरमत गंज, नौरंगाबाद पश्चिमी चौक, पूर्वी नौरंगाबाद पश्चिमी, पुराना डाकखाना टैगोर स्कूल, गौसगंज, एमआई इंटर कॉलेज, नौखल, शहाबुद्दीन गंज, जैन मंदिर वाली गली, बारहसैनी, चूड़ी मार्केट बाजार, मठकोटा अंसारियां स्कूल पर समाप्त होगा। इस मौके पर प्रमुख रूप से रहीस अहमद, जाहिद कुरैशी, फैजान भारती, अखलाक भारती, इकबाल कुरैशी, राजा कुरैशी, ओवेश पीर जी कुरैशी, रईस अब्बासी, बिलाल कुरैशी, मेहरबान कुरैशी, साकिर कुरैशी, शादाब सरताज अली, मोहम्मद इरशाद कुरैशी, सैफ कुरेशी, छोटे कुरैशी, खजांची मोहम्मद शरीफ कुरैशी, मुजम्मिल कुरैशी, आजम खान, जाफर अली फारुकी, माशे अल्लाह, मोहम्मद आसिफ, मोहम्मद इकरार, मोहम्मद जाकिर, सरताज अंसारी, आदि मौजूद रहे।

लोहे के गाटर से रोजाना उससे टकरा कर शहरवासी चोंटिल हो रहे

» मयंद मोहन, मदरलैंड संवाददाता

नूंह/मेवात। तावडू -सोहना सडक पर तावडू शहर के बीचों बीच लगे लोहे के गाटर से रोजाना उससे टकरा कर शहरवासी चोंटिल हो रहे हैं। खासकर अंधेरे के समय गाटर दिखाई नहीं देने से हल्के वाहन चालक व पैदल गुजरने वालों पर इसकी मार पड़ रही हैं। उप मण्डल व जिला प्रशासन आदि तक समस्या समाधान के लिए लगाई जा रही गुहार के बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई हैं। शुक्रवार को एक बुजुर्ग के चोंटिल होने से शहरवासियों के गुस्से में उबाल आने से मौके पर प्रशासन के खिलाफ जमकर बवाल काटा।

किशन कुमार, मंगतराम, दीपक, भारत भूषण, अली मोहम्मद, पप्पू नागपाल, पाली गाबा, कंवलनैन, सेवानिवृत हैडमास्टर केएल तनेजा, सुगनचंद गर्ग, सतपाल, लच्छू आदि समेत तावडूवासियों तावडू -सोहना सडक पर तावडू शहर के बीचों बीच लगे लोहे के गाटर से रोजाना उससे टकरा कर शहरवासी चोंटिल हो रहे हैं। खासकर अंधेरे के समय गाटर दिखाई नहीं देने से हल्के वाहन चालक व पैदल गुजरने वालों पर इसकी मार पड़ रही हैं। उप मण्डल व जिला प्रशासन आदि तक समस्या समाधान के लिए लगाई जा रही गुहार के बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई हैं। इस बारे में तावडू नपा के कार्यवाहक सचिव का कहना है कि उनके संज्ञान में ऐसा कोई मामला नहीं पहुंचा हैं और साथ ही कहा कि आने पर नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

अवैध वसूली की जांच करने पहुँचे, एलबीओ

» अवनीश त्यागी, मदरलैंड संवाददाता

बिजनौर/बढ़ापुरः स्थानीय पंजाब नेशनल बैंक की शाखा में शुक्रवार को अग्रणी जिला प्रबन्धक ने टीम के साथ ओटीएस खातों में कार्ड धारकों से की जा रही अवैध वसूली शिकायत की जांच करने पहुँचे।

गौरतलब है कि बीते कुछ समय पहले थाना क्षेत्र के गांव टांडा साहुवाला निवासी भारत सिंह के ओटीएस किये जाने के बाद अवैध धन वसूली की शिकायत बैंक के उच्चाधिकारियों को की गई थी। जिसमे भारत सिंह द्वारा बैंक मैनेजर के साथ रहने वाले एक बैंक मित्र पर अवैध वसूली के आरोप लगाए गए थे। बताया जा रहा है कि भारत सिंह ने बैंक से जो कर्ज लिया था उसको जमा न कर पाने के कारण बैंक द्वारा भारत सिंह के कर्ज न लौटने के कारण भारत सिंह का खाता ओटीएस में कर दिया गया। जिसमे भारत सिंह को केवल 36000 रु जमा करना था। भारत सिंह द्वारा बताया जा रहा है कि जिसकी जानकारी केवल बैंक कर्मचारियों को थी इसी बाबत भारत सिंह से 90000 रु बैंक मित्र ने लेकर उसका पूरा बैंक कर्ज खत्म करने की बात कही थी जिस पर बैंक मित्र को 90000 रु की रकम देकर भारत सिंह ने अपना बैंक कर्ज खत्म करा लिया कुछ समय बाद जब भारत सिंह को पता चला कि उसका कर्ज बैंक द्वारा केवल 36000 रु में समाप्त किया गया है तब उसने इसकी लिखित शिकायत बैंक के उच्चाधिकारियों को दी। जिस पर शुक्रवार को अग्रणी जिला प्रबंधन वी के बंसल अपनी टीम के साथ जांच करने मोके पर पहुच गए। पहले उनकी टीम द्वारा बैंक से आवश्यक जानकारी हासिल की जिसके बाद टीम शिकायतकर्ता भारत सिंह के घर पहुची और भारत सिंह के बयान दर्ज किये। इसके अलावा नाहिद एक अन्य शिकायतकर्ता ने बैंक पहुच कर टीम को अपनी आप बीती बताई।

इस बाबत जब अग्रणी जिला प्रबंधन वी के बंसल से बात की गई तो उन्होंने बताया कि शिकायत कर्ता द्वारा लगाए गए आरोप की जांच की जा रही है। जांच में कुछ आरोप सही पाए गये हैं। जिसकी रिपोर्ट विभागीय उच्च अधिकारियों को प्रेषित की जाएगी।

पहाडी खनन क्षेत्र मे विस्फोट होने से खदान खिसक गई, कईयों की मौत, जिला में मातम पसरा

» मदरलैंड संवाददाता

नूंह/मेवात। जिला से सटे गांव बिजासना थाना गोपालगढ जिला भरतपुर (राजस्थान) में एक लीज पहाडी खनन क्षेत्र मे विस्फोट होने से खदान खिसकने का समाचार प्राप्त हुआ हैं। घटना के दौरान आधा दर्जन से अधिक पोपलेंड चालक व श्रमिक की दबने से मौत होने की बात सामने आई है। मृतकों में जिला के फिरोजपुर झिरका थाना के एक पोपलेंड चालक व श्रमिक की भी दबने से मौत हुई हैं, जबकि 3-4 डंपर व अन्य क्षति की बात भी सामने आ रही हैं। थाना गोपालगढ पुलिस ने प्राथमिकी संख्या 182/2022, जेरेधारा- 304ए भा.द.स. दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी हैं। मृतकों का पोस्टमार्टम कराके संबंधित पुलिस ने वारसान को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव बिजासना की एक खनन लीज पहाडी में जिला व जिला से सटे राजस्थान के श्रमिक डंपर, पोपलेंड चालक व मुनीम आदि कार्यरत थे। बीती रात पहाडी ब्लास्ट के दौरान पहाडी का एक बड़ा हिस्सा खिसकने से आसपास खड़े डंपर, पोपलेंड चालक आदि के अलावा 8-9 श्रमिक भी दब गये। सहजाद पुत्र उमर मोहम्मद निवासी निहारिका थाना फिरोजपुर झिरका निवासी पोपलेंड चालक व श्रमिक अजरूदीन पुत्र इस्लाम निवासी गांव अगोन थाना फिरोजपुर झिरका जिला नूंह की भी दबने से दर्दनाक मौत हो गई। दोनों मृतकों के शव का संबंधित थाना पुलिस ने पोस्टमार्टम कराके वारसान को सौंप दिया। घटना से जिला में मातम छाया हुआ है।

इस बारे जिला नूंह के सीएमओ डा0 सुरेन्द्र सिंह यादव ने शुक्रवार सांय कहा कि उनकी जानकारी में अभी तक ऐसा कोई मामला नहीं पहुंचा हैं और साथ ही दावा कर कहा कि ना ही मृतकों का यहां पोस्टमार्टम हुआ है। उन्होंने बताया कि संबंधित थाना ही कागजी प्रक्रिया पूर्ण कराने के बाद ही वहीं पर पोस्टमार्टम कराते हैं।

नामांकन प्रक्रिया के दौरान दावेदारों को हो रही परेशानियां, महिला दावेदार दिखी अव्यवस्था से परेशान

» मदरलैंड संवाददाता

नूंह/मेवात। पंचायती राज संस्थाओं के हो रहे चुनाव की शुक्रवार को जिला में नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई हैं। दावेदार प्रक्रिया पूर्ण कराने में विगत कई रोज से लगे हुए हैं। लेकिन नामांकन प्रक्रिया में कड़े मानक होने से दावेदारों को काफी दिक्कतें उठानी पड़ रही है। खासकर महिला दावेदार हताश व निराश नजर आ रही हैं।

उधर, दूसरी तरफ बैंक, बिजली घर आदि से अनापत्ति (एनओसी), पुलिस सत्यापन, रिहायशी, जाति प्रमाण पत्र, चूल्हा टेक्स, वोटर लिस्ट, नामांकन पत्र, शपथ पत्र आदि के अलावा तहसील, खण्ड एवं पंचायत कार्यालय व नामांकन प्रक्रिया पूर्ण कराने के लिए लगी भीड़ से कार्यालय के रोजमर्रा के कामकाज बुरी तरह से प्रभावित हो रहे हैं। दावेदारों का आरोप है कि खण्ड एवं पंचायत अधिकारी तावडू का रवैया ठीक न होने से कार्यालय पर रोजाना सिर फुटवैल की नौबत बनी रहती हैं। सबसे दिलचस्प बात देखने को यह मिल रही है कि नामांकन प्रक्रिया पूर्ण कराने के लिए मांगे जा रहे दस्तावेज लेने की ऐवज में लगाई जा रही भारी भरकम फीस अदायगी के लिए आर्थिक दृष्टि से कमजोर दावेदारों पर इसकी जहां मार पड़ रही हैं, वहीं, संबंधित कार्यालयों की कमाई भी बढी हैं। वहीं, नूंह स्थित एसपी कार्यालय में पुलिस वैरिफिकेशन के लिए सुबह से लगी लाईन में भी दावेदार परेशान नजर आये।

नम्बरदार अली मोहम्मद, वहीद खान, नरेन्द्र सिंह, करण सिंह, वकील अहमद, दाउद खान, फकरू आदि के अलावा सामाजिक नेता काले खान, फारूख, सुभाष चंद, इलियास आदि का कहना है कि भाजपा -जजपा गठबंधन सरकार ने राज्य के इतिहास में करीब 2 वर्ष के लम्बा समय बाद पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव कराने की घोषणा तो कर दी और जिला में प्रथम चरण के होने जा रहे चुनाव प्रक्रिया पूर्ण कराने के लिए दावेदारों पर थोपे गये नए नियम से दावेदारों को काफी परेशानी हो रही हैं। इससे संबंधित कार्यालयों में लगी लम्बी-लम्बी कतारों से जहां अव्यवस्था बनी हैं वहीं, दूसरी तरफ तमाम जिला जाम के झाम में तब्दील हो गया हैं। महिला दावेदारों के संग उनके परिजन प्रक्रिया पूर्ण करा रहे हैं। महिलाओं को रफाहजत होने की स्थिति में कार्यालयों में बने अधिकांश शौचालय पर ताला लटका रहता है और खुले शौचालयों में मारे गंदगी के दूर-दूर तक दुर्गंध की वजह से कोई नहीं जा रहा।

इस बारे में डीडीपीओ नवनीत कौर ने माना कि जिला के पंचायती राज संस्थाओं के नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई हैं और साथ ही कहा कि दावेदार नामांकन पत्र संबंधित कार्यालय से ले रहे हैं। वहीं, जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त अजय कुमार ने कहा कि पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव में नॉमिनेशन के लिए पुलिस वेरिफिकेशन की बजाए स्वयं स्थापित घोषणा पत्र की जरूरत है। इसके लिए चुनाव संबंधी लिस्ट में चेक किया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

श्री राम कथा महायज्ञ में जुटी श्रद्धालुओं की भीड़

मदरलैंड संवाददाता, रुड़की ! श्री राम कथा महायज्ञ एवं श्री हनुमंत पताका स्थापना धूमधाम से किया गया, जिसमें क्षेत्रवासियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया ! कलश यात्रा आवास विकास में डीके बड़ोला के आवास से शुरू हुई ! राम चरित्र मानस को विधिवत पूजा करके लाया गया ! इसमें मातृशक्ति एवं क्षेत्रीय जनता का पूर्ण सहयोग सहयोग रहा ! तत्पश्चात संतोष गोविंद रतूड़ी ने श्री राम कथा का शुभारंभ किया ! पूर्व राज्य मंत्री मनोहर लाल शर्मा ने आकर आशीर्वाद लिया ! इस अवसर पर वासुदेव पंत, भगवती प्रसाद बहुखंडी, वंदना शर्मा, नविता देवी, पुष्पा आदेश उषा लोकेश सरस्वती चौहान, विनोद सुयाल, राजेंद्र प्रसाद बुड़ाकोटी, प्रेम दत्त गोदियाल, जगदीश सिंह रावत, संतोष सिंह रावत, मदन सिंह बिष्ट, सिद्ध प्रकाश ग्वाड़ी, महेश खन्ना, विद्या देवी द्विवेदी, शांति रावत तथा मंगलवार कीर्तन मंडली आदि उपस्थित रहे !

किसानों के धान के एक-एक दाने का तौल सुनिश्चित होः मुख्यमंत्री

खटीमा, एजेंसी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने खटीमा पहुंचते ही कृषि उत्पादन मण्डी समिति के एसएमआई के धान क्रय केन्द्र का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान धान क्रय से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी लेते हुए महत्वपूर्ण दिशा निर्देश दिए। उन्होंने नमी मापक यंत्र से धान की नमी भी मापी। कहा कि जितने भी हमारे धान क्रय केन्द्र लगे हैं, उन पर किसान की उपज की तौल ठीक प्रकार से हो और हमारे किसानों का धान का एक-एक दाना तौला जाना चाहिए और एक-एक दाने की खरीद होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अभी जो बारिश हुई है, उसके कारण धान में नमी हैं। निरीक्षण के दौरान किसानों ने धान की नमी का मानक 17 प्रतिशत से 20 प्रतिशत करने तथा प्राथमिकता से प्रदेश के किसानों का धान खरीदने की मांग की। उन्होंने कहा कि किसानों को नमी पर हर संभव राहत एवं किसानों की समय की जरूरत के अनुसार सभी पर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को पूर्व में ही निर्देशित किया गया है कि प्रदेश के सारे किसानों का पूरे का पूरा धान तौला जाना चाहिए। निरीक्षण के दौरान विधायक रूद्रपुर शिव अरोरा, किसान आयोग के उपाध्यक्ष राजपाल सिंह, एसएसपी मंजूनाथ टीसी, उप जिलाधिकारी रविन्द्र सिंह, कौस्तुभ मिश्रा सहित नन्दन सिंह खड़ायत आदि उपस्थित थे।

यूकेएसएसएससी के नवनियुक्त अध्यक्ष गणेश मर्तोलिया ने संभाला पदभार

देहरादून,एजेंसी। गुरुवार को उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के नवनियुक्त अध्यक्ष गणेश मार्तोलिया ने पदभार ग्रहण कर लिया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि पटरी से उतरी हुई व्यवस्था को वह वापस बहाल करने की पूरी कोशिश करेंगे। यूकेएसएसएससी के नए अध्यक्ष गणेश सिंह मर्तोलिया ने आज अधीनस्थ चयन आयोग के अध्यक्ष पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया। ऐसे में उन्होंने प्राथमिकता बताते हुए साफ कहा कि इस आयोग के प्रति युवाओ का विश्वास खत्म हो गया हैं ऐसे में मेरी प्राथमिकता होगी की युवाओ में फिर से विश्वास जगाया जाए ताकि उन्हें लगे की इस आयोग से उन्हें उनकी काबलियत के हिसाब से नौकरी प्राप्त होगी, वो भी पारदर्शिता के साथ। पदभार ग्रहण करते हुए गणेश मार्तोलिया ने कहा कि जहां एक तरफ आयोग पर युवाओं की खोज के विश्वास को वापस लाना है तो वहीं दूसरी तरफ उनकी पूरी कोशिश रहेगी कि वह आयोग के प्रति जो मानसिकता प्रदेश के लोगों में गई है उसे खत्म किया जाए। साथ ही उन्होंने कहा कि वह युवाओं को भी यह भरोसा दिलाने की पूरी कोशिश करेंगे कि आयोग में शॉर्टकट तरीकों से आने वाले का नुकसान होगा और मेहनत करने वाले को उसके मेहनत के अनुसार परिणाम मिलेगा।

निपुण भारत अभियान को घर-घर तक पहुंचा रहे शिक्षक अशोक

» मदरलैंड संवाददाता

रुड़की ! मिलकर हाथ बढ़ाना साथी रे--- गीत को शिक्षक अशोक पाल अपनी निस्वार्थ सेवा भाव और कर्तव्य परायणता से असल जिंदगी में सच साबित करने में लगे हैं ! शिक्षा के उजियारे को घर-घर तक पहुंचाने के शिक्षक अशोक पाल के प्रयासों की आज जिले भर में सराहना हो रही है ! ग्रामीण अंचलों में साक्षरता, पर्यावरण संरक्षण की अलख जगाने वाले अशोक पाल वर्तमान में निपुण भारत अभियान को भी गति देने में लगे हैं ! इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि ग्रामीण अंचल में बच्चे, बड़े उन्हें देखते ही किताबी ज्ञान की बातों में लग जाते हैं ! राजकीय उच्चतर माध्यमिक बिझौली, ब्लॉक नारसन में तैनात शिक्षक अशोक पाल निस्वार्थ सेवा भाव और कर्तव्य परायणता को लेकर हर किसी के लिए उदाहरण बने हैं ! पिछले एक दशक से अशोक लोगों को पर्यावरण संरक्षण, साक्षरता का महत्व समझाने में लगे हैं ! शहरी और ग्रामीण अंचलों में वृक्षारोपण के प्रति लोगों में जागरूकता को लेकर उनके द्वारा जिले भर में अब तक पंद्रह हजार से अधिक वृक्ष रोपे जा चुके हैं ! क्लास में बच्चों को किताबी ज्ञान के साथ ही शिक्षक अशोक स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का पाठ भी प्रतिदिन पढ़ाते हैं ! यही नहीं विद्यालय से निकलकर ग्रामीणों को घरों पर साक्षर करने, युवा पीढ़ी को नशे से होने वाले नुकसान के प्रति जागरूक करने की उनकी मुहिम भी आम लोगों के बीच सराहनीय बनी है ! निपुण भारत अभियान को गति देने की भी शिक्षक अशोक के प्रयासों की छात्रों, अभिभावकों और जनपदवासियों में खूब चर्चा बनी हैं ! मदरलैंड वाइस से वार्ता में शिक्षक अशोक पाल ने बताया कि भारत सरकार के सौजन्य से शिक्षा विभाग द्वारा निपुण भारत अभियान चलाया जा रहा है ! इसमें बच्चों को शिक्षा का पूर्ण ज्ञान और आगे बढ़ने की प्रेरणा दी जा रही है ! ताकि आगे चलकर बच्चा शिक्षा के ज्ञान से दूर न हो सके ! अशोक पाल के मुताबिक पहली कक्षा से ही बच्चे को तीसरी कक्षा तक ज्ञान निपुण भारत अभियान के तहत दिया जा रहा है ! अशोक मानते हैं कि आज भी जागरुकता और जरूरी संसाधनों के अभाव में कुछ बच्चे अपनी शिक्षा बीच में ही छोड़ दें रहे हैं ! इसके लिए सभी शिक्षकों, संगठनों और सरकार के प्रयास जरूरी है ! निपुण भारत अभियान इस दिशा में बेहद ही अच्छा और सराहनीय है !

डेंगू के खिलाफ चला अभियान, संत रविदास, वाल्मीकि घाटों पर किया छिड़काव

» मदरलैंड संवाददाता

रुड़की। मेयर गौरव गोयल ने नगर निगम की टीम के साथ गंगनहर स्थित श्री वाल्मीकि एवं श्री रविदास घाट पर स्वच्छता अभियान चलाकर डेंगू की दवाई का छिड़काव किया। दशहरे के अवसर पर ऊपरी गंग नहर बंद किए जाने के उपरांत गंगनहर में रुके पानी में डेंगू के मच्छर होने की आशंका तथा नगर व आसपास के क्षेत्रों में डेंगू की बीमारी से बचाव के लिए आज से शुरू किए गए अभियान में मेयर गौरव गोयल ने घाटों की सफाई तथा डेंगू की दवाई का छिड़काव किया। मेयर गौरव गोयल ने कहा कि गणेशपुर पुल से लेकर सोलानी पार्क के मध्य गंग नहर किनारों पर दीपावली पर्व तक यह अभियान जारी रहेगा। मेयर गौरव गोयल ने कहा कि डेंगू जैसी गंभीर बीमारी से बचने के लिए घाटों की सफाई तथा डेंगू की दवाई का छिड़काव किया जाना बड़ा आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नगर निगम की टीम लगातार इस अभियान को चला रही है, जिससे कि नगर में डेंगू का प्रकोप ना बढ़े एवं आने वाले त्योहारों के अवसर पर स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाएगा। इस अवसर पर सहायक नगर आयुक्त संजय कुमार, सफाई निरीक्षक मनसा नेगी, घनश्याम बिरला, रवि बिरला आदि ने सफाई अभियान में भाग लिया।

हवन, भंडारे के साथ श्रीमद भागवत कथा सम्पन्न, श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

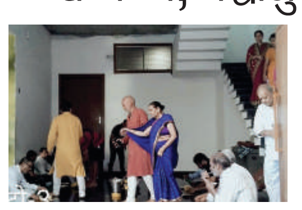

» मदरलैंड संवाददाता

रुड़की ! बांके बिहारी गौशाला शिवपुरम रुड़की के तत्वाधान में गोगामाहडी मंदिर सुभाष नगर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा शुक्रवार को हवन और भंडारे के साथ सम्पन्न हो गई ! क्षेत्र भर से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने आकर हवन व भंडारे में भाग लिया और देश व दुनिया के कल्याण की कामनाएं की ! कथा के मुख्य यजमान प्रदीप सिंह चौहान एडवोकेट ने हवन और भंडारे में आने वाले सभी श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया ! कथा आयोजक पंडित संजय शर्मा ने भी सभी लोगों का आभार व्यक्त किया ! कहा कि कलियुग में श्रीमद भागवत कथा के श्रावण से मनुष्य धर्म और कल्याण के मार्ग पर आगे बढ़ता है ! इसलिए सभी को ऐसे आयोजनों में बढ़ चढ़कर भाग लेना चाहिए ! इस अवसर पर प्रदीप चौहान एडवोकेट, पंडित संजय शर्मा, सतीश नेगी जिला मंत्री किसान मोर्चा भाजपा, दिलीप चौहान, विनोद नेगी, शिव सिंह चौहान, रविंदर पाल सिंह वर्मा, पंकज सिंघल, प्रेम दत्त शर्मा, लक्ष्मण सिंह, अनिरुद्ध सिंह चौहान, शुभांशु नेगी, हिमांशु नेगी, पंडित हिमांशु, दिनेश चंद्र तिवारी, गिरधारी लाल शर्मा, विकास कुकरेती, शिवकुमार त्यागी, सनी भाटिया, नारायण सिंह राणा, मोहन सिंह राणा, श्याम सुंदर राणा, रामचंद्र सिंह राणा आदि भक्त उपस्थित रहे !

जनपद स्तरीय विद्यार्थी शिक्षक संगीत प्रतिभा सम्मान समारोह संपन्न

» मदरलैंड संवाददाता

रुड़की ! जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान रुड़की में आयोजित जनपद स्तरीय विद्यार्थी शिक्षक संगीत प्रतिभा सम्मान समारोह 2022-23 शुक्रवार को संपन्न हो गया। समारोह में जनपद हरिद्वार के छः विकासखंडों में प्रथम आए विद्यार्थी एवं शिक्षकों ने प्रतिभाग किया ! विद्यार्थियों के सम्मान समारोह में नृत्य की सेमी क्लासिकल विद्या में आर्य कन्या पाठशाला इंटर कॉलेज रुड़की की यशिका घिल्डियाल प्रथम, राजकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की तनीषा द्वितीय तथा केवल कन्या पाठशाला इंटर कॉलेज, खानपुर की जैनब तीसरे स्थान पर रही। शिक्षक सम्मान समारोह में शास्त्रीय गायन विद्या में कंचन मल्होत्रा प्रवक्ता आर्य कन्या पाठशाला इंटर कॉलेज रुड़की प्रथम, शशिबाला जीजीआईसी द्वितीय तथा देवी चंद एसएसआईसी हबीबपुर नवादा तृतीय स्थान पर रहे। लोक गायन विद्या में राजीव सैनी आरएनआईइंटर कॉलेज भगवानपुर प्रथम स्थान पर रहे। नृत्य प्रतियोगिता में श्रुति वालिया प्रवक्ता एसएसडीपीसी गर्ल्स इंटर कॉलेज रुड़की ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विभिन्न विद्याओ में स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को डायट सभागार मे सम्मानित किया जायेगा। सभी विद्याओ में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले शिक्षक विद्यार्थी को मंडल स्तरीय संगीत प्रतिभा सम्मान समारोह में प्रतिभाग करेंगे। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन एवं समन्वय वैष्णो कुमार प्रवक्ता डाइट ने किया। निर्णायक के रूप में डॉ. शिखा मंगाई असिस्टेंट प्रोफेसर श्री देव सुमन विश्वविद्यालय, डॉ शिवनारायण प्रोफेसर देव संस्कृति विश्वविद्यालय एवं विपुल अग्रवाल पूर्व प्रोफेसर मेरठ रहे। इस मौके पर डाइट प्राचार्य दिनेश लाल शाह ने संगीत के प्रचार प्रसार पर बल दिया। विशेष सहयोग राजीव आर्य, एके सिंह, जान आलम, अनीता नेगी आदि का रहा। इस मौके पर शिप्रा राजपूत, प्रेरणा बहुगुणा, अंजु मलिक व रविंद्र रावत डायट तथा गोरखपाल प्राथमिक विद्यालय खानपुर उपस्थित रहे। डाइट प्रशिक्षु में अक्षय शर्मा, आकाश, अंकुश और प्रियंका आदि उपस्थित रहे।

योजनाओं का क्रियान्वयन करते हुए पात्रों को योजनाओं से करें लाभान्वितः डीएम

देहरादून,एजेंसी। विधायक डोईवाला विधानसभा बृज भूषण गैरोला की उपस्थिति में जिलाधिकारी सोनिका की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम (पीएमजेवीके) योजना के अन्तर्गत जिला स्तरीय समिति (डीएलसी) की बैठक ऋषिपर्णा सभागार कलेक्ट्रेट में आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम (पीएमजेवीके) (पूर्व नाम एमएसडीपी) योजना की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि गाईडलाइन के अनुसार योजनाओं के क्रियान्वयन करते हुए पात्रों को योजनाओं से लाभान्वित करें। समिति द्वारा बैठक लगभग 45 करोड़ की योजनाओं का अनुमोदन किया गया। इस अवसर परं विधायक डोईवाला भी उपस्थित रहे। बैठक में जिलाधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी को निर्देश दिए कि जन विकास कार्यक्रम (पीएमजेवीके) योजना के अन्तर्गत योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जनपद स्तरीय संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए संपूर्ण जनपद 25 प्रतिशत से अधिक अल्पसंख्यक जनसंख्या वाले क्षेत्रों हेतु जनपद स्तरीय कार्य योजना तैयार की जाए। उन्होंने मंडी परिसर देहरादून के कार्यों हेतु डीपीआर तैयार करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। साथ ही उप जिलाधिकारियों को योजनाओं हेतु भूमि चयन करने के निर्देश दिए। समिति द्वारा विकासखण्ड सहसपुर अन्तर्गत राजकीय इण्टर कॉलेज हरियावाला में अतिरिक्त साथ कक्षा-कक्षों एवं शौचालय का निर्माण कार्य, राजकीय बालिका हाईस्कूल सहसपुर में 10 अतिरिक्त कक्षा-कक्षों, जूनियर हाईस्कूल आमवाला में 5 अतिरिक्त कक्षा-कक्षों, स्टोर रूम एवं शौचालय निर्माण कार्य, जूनियर हाईस्कूल कंडोली में 4 अतिरिक्त कक्षा-कक्षों निर्माण, जूनियर हाईस्कूल हरियावाला में 6 अतिरिक्त कक्षा-कक्षों के निर्माण तथा विकासखण्ड डोईवाला अन्तर्गत राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोईवाला में प्रशासनिक भवन निर्माण, कला एवं विज्ञान संकाय भवन निर्माण एवं ऑडिटोरियम निर्माण कार्यों को अनुमोदित किया गया। इस अवसर पर मा0 विधायक डोईवाला विधानसभा बृज भूषण गैरोला ने डोईवाला अन्तर्गत राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के निर्माण कार्यों प्रस्तावों को महत्वपूर्ण बताते हुए क्षेत्र में प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम (पीएमजेवीके) योजना का क्षेत्र में प्रचार-प्रसार करने तथा योजनाओं से संबंधितों को लाभान्वित करने हेतु प्रयासरत रहने पर बल दिया। साथ ही विकासखण्ड डोईवाला अन्तर्गत संबंधित विभागों के अधिकारियों से योजनाओं की जागरूकता हेतु प्रचार-प्रसार करने की अपेक्षा की। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी झरना कमठान, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी जेएस रावत, जिला पंचायतीराज अधिकारी एमएम खान, जिला शिक्षा अधिकारी एसएस बिष्ट, आरए हक्कानी, एनपी सिंह डीजीएम, वीके तिवारी, रजत बलुनी, प्रियंका गुंसाई रावत, डीएन तिवारी, राजेन्द्र सिंह गुंसाई आदि उपस्थित रहे

जनपद स्तरीय खेल कूद प्रतियोगिता सम्पन्न, रुड़की ब्लॉक की साक्षी, अंजली ने मारा मैदान

» मदरलैंड संवाददाता

हरिद्वार ! ज्वालापुर इण्टर कॉलेज ज्वालापुर में जनपद स्तरीय खेल कूद प्रतियोगिता का बृहस्पतिवार को समापन हो गया ! प्रतियोगिता में अन्तिम दिन रूड़की विकास खण्ड की साक्षी कोरी ऊंची कूद में प्रथम, गोला फेंक में अंजलि प्रथम, चक्का फेंक में साक्षी गिरि द्वितीय, रिले दौड़ में तृतीय स्थान प्राप्त किया। रूड़की विकास खण्ड से ही वंश कटारिया ने 100, 200 व 400 मीटर में प्रथम स्थान प्राप्त किया। रा.उ.प्रा. शिक्षक संघ रूड़की की ओर से सभी विजेता प्रतिभागियों को बहुत बहुत शुभकामनाएं दी गई। इस अवसर पर प्रदेशिय जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष पवन सैनी, जिला महामंत्री किरत पाल सिंह, मनोज धीमान, कमला राणा, वीपी सिंह, संजय सैनी, शमाशुद्दीन, अखलाक अहमद, नाजिर , मोहबत अली, राजकीय प्राथमिक शिक्षक एसोसिएशन जिलाध्यक्ष जितेंद्र सिंह, जिला खेल समन्वयक अंजेश कुमार, राजीव कुमार शर्मा, संजय वत्स, मनोज धीमान, अजय पुंडीर, अश्वनी चौहान, अजय शर्मा, कमल कौशिक, कांत शर्मा, रोबिन, नाजिर हुसैन, गोपाल भट्टाचार्य, बीर सिंह, संजय सैनी, अमित चतुर्वेदी, संजय चौहान, आशीष कुमार, सुबोध नैन, पूजा शर्मा, सीमा राठी, आरती सिन्हा, गंगा प्रसाद कौठारी, यशोमति, पूनम, सुधांशु मोहन द्विवेदी, इनाम अहमद, आमिर आलम, हैदर जमा खां, मुकेश चौहान, जितेंद्र चौधरी, मुनीश यादव, कमला राणा, विनीता स्टैनले, हर्ष बडवाल, अंबरीष चौधरी आदि उपस्थित रहे !

सचिवालय में नौकरी दिलाने के नाम पर डेढ़ लाख की धोखाधड़ी

पीड़ित ने कराया सिडकुल थाने में मुकदमा, जांच शुरू

हरिद्वार, एजेंसी। सचिवालय में नौकरी दिलाने के नाम पर धेखाधड़ी कर एक लाख 60 हजार हड़पने का मामला प्रकाश में आया है। पीड़ित ने सिडकुल थाने में तहरीर देकर एक युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस तहरीर के आधार पर मामले की जांच में जुट गयी है। सिडकुल थाना प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार उनियाल ने बताया कि अभिषेक शर्मा पुत्र रमेश शर्मा निवासी ग्राम रोशनाबाद सिडकुल हरिद्वार ने तहरीर देकर शिकायत की है। शिकायत में कहा गया हैं कि उसकी मुलाकात प्रदीप उनियाल पुत्र मायाराम उनियाल निवासी पशुलोक ऋषिकेश देहरादून से हुई। जिसने अपने आप को सचिवालय में तैनात व पिता को सचिवालय में पूर्व अधिकारी बताया था। जिसने दावा किया था कि उसका सचिवालय में अच्छा सम्पर्क है। वह उसकी आपदा प्रबंधन विभाग में कम्प्यूटर ऑपरेटर के पद पर नौकरी सचिवालय में लगवा सकता है। इसके लिए उसको 01 लाख 60 हजार खर्च करने होगे। वह प्रदीप उनियाल की बातों पर विश्वास कर ओर जानकारी ली। आरोप है कि प्रदीप उनियाल ने बताया कि नौकरी के एवज में उसको 80 हजार रुपए पेशगी व 80 हजार काम होने के बाद देने होगे। जिसपर भरोसा कर उसने 80 हजार रुपए नगद दे दिये। पेशगी की रकम के 20 दिन बाद जब प्रदीप उनियाल से सम्पर्क साधा गया तो उसने बताया कि उसका काम हो गया है और ज्वाइनिंग लेटर डाक के द्वारा भेज दिया जाएगा। उसके द्वारा स्पीड पोस्ट रशीद की फोटो उसको सेंट कर शेष 80 हजार की रकम की डिमांड की गयी। जिस पर उसने प्रदीप उनियाल को गुगल पे के द्वारा 80 हजार की रकम भेज दी गयी। लेकिन उसके बाद कोई ज्वाइनिंग लेटर नहीं पहुंचा। जिसकी जानकारी प्रदीप उनियाल को दी गयी तो वह बहाने बाजी करते हुए टरकाना शुरू कर दिया। आरोप है कि जब उसके पिता से सम्पर्क का मामले से अवगत कराया गया तो उन्होंने भी बेटे से बात करने की बात कहते हुए टरकाना शुरू कर दिया। इसी दौरान प्रदीप उनियाल ने 80 हजार बैक खाते में भेजने की बात कही, लेकिन नहीं पहुंची और फिर एक चेक 80 हजार का दिया गया, जोकि बाउंस हो गया। जब उसके द्वारा पूरे मामले की शिकायत पुलिस से करने की बात कही गयी। आरोप है कि प्रदीप उनियाल के द्वारा उसके पिता की उच्चाधिकारियों से अच्छी जान पहचान होने पर उसको झूठे केस में फंसाने की धमकी दी जा रही है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

डीएम ने ली अतिक्रमण को लेकर बैठक, दिये निर्देश

हरिद्वार, एजेंसी। जिलाधिकारी विनय शंकर पाण्डेय की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलक्ट्रेट सभागार में अतिक्रमण के सम्बन्ध में एक बैठक आयोजित हुई। जिलाधिकारी को बैठक में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) पीएल शाह ने पूर्व में शासकीय भूमि/सम्पत्तियों से अनधिकृत कब्जा हटाये जाने/चिह्नित किये जाने के सम्बन्ध में दिये गये निर्देशों के क्रम में अब तक की अद्यतन स्थिति से अवगत कराया। उन्होंने जानकारी दी कि अधिकतर विभागों ने उनके विभाग की जमीन पर अतिक्रमण है अथवा नहीं है, के सम्बन्ध में विवरण उपलब्ध करा दिया है, लेकिन कतिपय विभागों द्वारा अभी तक उनके विभाग की जमीन पर अतिक्रमण होने या न होने के सम्बन्ध में प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं कराया है। इस पर जिलाधिकारी ने सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे आज ही उनके विभाग की जमीन पर अतिक्रमण है अथवा नहीं है, के सम्बन्ध में प्रमाण पत्र देना सुनिश्चित करें अन्यथा की स्थिति में सम्बन्धित का वेतन जारी नहीं किया जायेगा। बैठक में जिलाधिकारी ने उन विभागों के अधिकारियों, जिन्होंने उनके विभाग की सम्पत्ति पर अनधिकृत कब्जा होने की सूचना दी है, को निर्देशित किया कि वे दीपावली से पूर्व एक बैठक आयोजित करके अतिक्रमण हटाने की कार्य योजना तैयार कर लें। तत्पश्चात उन्हें नोटिस उपलब्ध कराते हुये चरणबद्ध ढंग से पूरी तैयारी के साथ आगामी 01 से 15 नवम्बर 2022 तक अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण हटाने के लिये पूरी टीम-चाहे पुलिस बल हो, पीएसी हो या जेसीबी आदि उपकरणों की तैनाती हो, सभी प्रकार के संसाधन उपलब्ध कराये जायेंगे। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी एसडीएम को ये भी निर्देश दिये कि वे अपने-अपने क्षेत्रें के प्रमुख बाजारों में हुए अतिक्रमण पर भी नियमानुसार कार्रवाई करना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने इसके पश्चात अधिकारियों से हरिद्वार शहर में कहां-कहां अतिक्रमण चिह्नित किये गये हैं, के सम्बन्ध में विस्तृत चर्चा की। जिस पर अधिकारियों ने जानकारी दी कि 74 स्थानों पर अतिक्रमण चिह्नित किये गये हैं। इस पर जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि शनिवार से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिये कि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई सम्बन्धित विभागों की सामूहिक जिम्मेदारी है, यह टीम वर्क है तथा अतिक्रमण हटाने में सभी सम्बन्धित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहेंगे। जिलाधिकारी ने बैठक में पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि अतिक्रमण हटने के बाद अगर कहीं पर पुनः अतिक्रमण होता है, तो इसके लिये सम्बन्धित क्षेत्र के पुलिस अधिकारी जिम्मेदार होंगे। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी प्रतीक जैन, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) बीर सिंह बुदियाल, अपर जिलाधिकारी(प्रशासन) पीएल शाह, सचिव एचआरडीए उत्तम सिंह चैहान, सिटी मजिस्ट्रेट अवधेश कुमार सिंह, एमएनए दयानन्द सरस्वती, एसडीएम पूरण सिंह राणा, एसडीएम भगवानपुर वैभव गुप्ता, विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी बृजेश तिवारी, उप जिलाधिकारी सुश्री नूपुर वर्मा, आरएम सिडकुल गिरधर रावत, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण सुरेश तोमर, अधिशासी अभियन्ता सिंचाई सुश्री मंजू, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी राजीव गर्ग, अधिशासी अधिकारी नगर निगमध्नगर पंचायत सहित सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

मदरलैण्ड वॉइस
नई दिल्ली, शनिवार, 15 अक्टूबर 2022

संक्षिप्त समाचार

वोटर कार्ड को आधार कार्ड से लिंक करने के लिए मतदान केंद्रों पर विशेष कैंप रविवार को

मदरलैंड संवाददाता, जालंधर। भारत चुनाव आयोग के निदेर्शानुसार मतदाता सूची को और अधिक पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से 16 अक्तूबर को जिले के सभी मतदान केंद्रों पर मतदाता कार्ड को आधार कार्ड से जोड़ने के लिए विशेष कैंप का आयोजन किया जा रहा है। डिप्टी कमिशनर-कम-जिला चुनाव अधिकारी जसप्रीत सिंह ने इस संबंध में बताया कि रविवार को सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक मतदान केंद्रों पर बीएलओ द्वारा आयोजित कैंप में मतदाताओं द्वारा फार्म 6-बी में आधार नंबर इकठे किए जाएंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि आधार कार्ड की जानकारी सांझा करना मतदाता की इच्छा पर निर्भर है। यदि किसी मतदाता के पास आधार कार्ड नहीं है या वह अपना आधार कार्ड नंबर प्रदान करने में असमर्थ है, तो वह अपने वोट को मान्य करने के लिए स्व-वैराफाई दस्तावेज के रूप में फार्म -6 बी में सूचीबद्ध 11 अन्य दस्तावेजों में से एक को जमा कर सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि पंजाब के मुख्य चुनाव अधिकारी के निदेर्शानुसार सभी ग्रुप सुपरवाईजरों और बीएलओ द्वारा हर महीने के एक रविवार को आधार डेटा एकत्र करने के लिए इस तरह के विशेष कैंप आयोजित किए जा रहे है, जिसके तहत 20 नवंबर, 4 दिसंबर, 8 जनवरी 2023, 5 फरवरी 2023 और 5 मार्च 2023 को इस तरह के कैंप आयोजित किए जाएगे। डिप्टी कमिशनर ने जिले के मतदाताओं से इस अभियान, कैंप में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया।

भारत विकास परिषद की महिला प्रकोष्ठ द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

अशोक सैनी, मदरलैंड संवाददाता, नारनौल। भारत विकास परिषद के महिला शाखा द्वारा स्थानीय सरस्वती बाल मंदिर पुल बाजार में करवाचौथ महोत्सव धूमधाम व हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम में नगर परिषद की चेयरपर्सन कमलेश सैनी मुख्य अतिथि रही, अध्यक्षता जिला महिला संयोजिका प्रीति शर्मा ने की एवं समाजसेवी सुमन सोनी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुई। शाखा महिला संयोजिका रवीना सोनी ने बताया कि दीप प्रज्वलन और वंदे मातरम से कार्यक्रम की शुरूआत के बाद सभी महिलाओं द्वारा मेहंदी लगवाई गई और उसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम में गीत, एकल नृत्य एवं समूह नृत्य की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई तथा विभिन्न प्रकार की प्रस्तुति देकर करवा चौथ महोत्सव मनाया गया। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर सभी महिलाओं को उपहार भेंट किए गए। कार्यक्रम के अंत मे सभी ने एक दूसरे को करवा चौथ महोत्सव की शुभकामनाएं प्रेषित की। इस अवसर पर जिला संयोजिका प्रीति शर्मा, शाखा संयोजिका रवीना सोनी, सोनू भारद्वाज, शारदा बोहरा, सरोज शर्मा, ललिता यादव, संगीता शर्मा, अंजू शर्मा, लक्ष्मी सचदेवा, मनमीत कौर, सुषमा अरोड़ा, शालू चुघ, यशोदा यादव, रजनी, उर्मिला, उषा यादव, सुचेता गोगिआ, मीना शर्मा, प्रेमलता सैनी, नीरज गर्ग, मुक्ता सोनी, सुखवर्षा गुप्ता, अन्नू अग्रवाल सहित अनेक महिला सदस्य उपस्थित रही।

जिला स्तरीय बाल महोत्सव में जीआर इंटरनेशनल स्कूल ने पाई सफलता

मदरलैंड संवाददाता, कनीना। हरियाणा राज्य कल्याण परिषद की ओर से बाल भवन में आयोजित दस दिवसीय जिला स्तरीय वन महोत्सव प्रतियोगिता के तहत प्रथम दिन ही विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में सरकारी व गैर सरकारी 50 से अधिक विद्यालयों के बच्चों ने भाग लिया। जिसमें रंगोली प्रतियोगिता में रवीना ने प्रथम स्थान प्राप्त कर अपने विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यालय के संचालक विजय पाल यादव व प्राचार्य त्रिभुवन राठौर ने विजेता छात्रा को बधाई दी और सम्मानित किया।

घर में घुसकर चोरी करने के आरोप में 2 महिलाओं को किया गिरफ्तार

मनमोहन शर्मा, मदरलैंड संवाददाता, हांसी। पुलिस अधीक्षक नितिका गहलोत के दिशा निदेर्शानुसार जिला भर में चोरी की वारदातों पर लगाम लगाते हुए शहर थाना पुलिस ने दो आरोपी महिलाओं को गिरफ्तार किया है गिरफ्तार की गई महिलाओं की पहचान धर्मो व सरोज के रूप में हुई जिन्होंने हो वकील कॉलोनी में घर में घुसकर स्ट्रीट लाइट व पानी की मोटर व तारे चोरी कर ली थी। जिन को गिरफ्तार करके न्यायालय पेश करके 1 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है रिमांड के दौरान पूछताछ की जाएगी की जाएगी।

श्री बनवारीलाल पुरोहित ने परेड ग्राउंड में सीआईआई चंडीगढ़ फेयर 2022 का उद्घाटन किया

उत्तर भारत के प्रमुख रिटेल डेस्टिनेशन ने पहले दिन ट्राईसिटी को लुभाया

» मदरलैंड संवाददाता

चंडीगढ़। सीआईआई चंडीगढ़ फेयर 2022 के 25वें संस्करण की शुरूआत आज सेक्टर 17 के परेड ग्राउंड में बड़ी धूमधाम से हुई। श्री बनवारीलाल पुरोहित, माननीय राज्यपाल, पंजाब और प्रशासक, यूटी चंडीगढ़ ने आज चार दिवसीय मेले का उद्घाटन किया।

उन्होंने आनंदमय उत्सव के लिए आगंतुकों को शुभकामनाएं भी दीं और प्रदर्शनी का एक चक्कर लगाया और विभिन्न स्टालों का दौरा किया। माननीय राज्यपाल ने छोटे व्यवसाय मालिकों के साथ बातचीत की, जिन्होंने मेवे, खाद्य पदार्थ, कालीन आदि के स्टॉल लगाए थे। उन्होंने ऑटो-प्रदर्शनी का भी भ्रमण किया, जिसमें मेले में 16 ऑटो ब्रांड प्रदर्शित किए गए थे।

माननीय राज्यपाल ने स्थानीय रूप से उपलब्ध जड़ी-बूटियों और पौधों के माध्यम से स्वास्थ्य और कल्याण के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए सीआईआई-इंडियन वीमेन नेटवर्क चंडीगढ़ चैप्टर द्वारा लगाए गए औषधीय पौधों के विशेष प्रदर्शन का भी दौरा किया।

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) अपनी प्रमुख इ2उ प्रदर्शनी, उकक चंडीगढ़ मेले का आयोजन सालाना उत्सव के मौसम की पूर्व संध्या पर करता रहा है, लेकिन महामारी के कारण इसे कुछ समय के लिए रोक दिया गया था। ट्राईसिटी के निवासियों से जबरदस्त प्रतिक्रिया और पिछले संस्करणों की सफलता के कारण, सीआईआई चंडीगढ़ फेयर ने कंपनियों के लिए उच्च मात्रा में व्यापार विकास प्रस्तुत किया है और यह उत्तरी भारत में सबसे अधिक मांग वाले व्यापार आयोजनों में से एक बन गया है। मेला थोक विक्रेताओं, खुदरा विक्रेताओं, आयातकों और निर्यातकों, निमार्ताओं, और विभिन्न व्यापार और गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों, विशेष रूप से छोटे व्यवसायों और कारीगरों के लिए एक अपरिहार्य व्यवसाय और प्रचार मंच बन गया है, जो जनता के लिए अपने शिल्प को प्रदर्शित करना चाहते हैं। उपभोक्ता वस्तुओं में सर्वोत्तम सौदों को लाने की अपनी विरासत को आगे बढ़ाते हुए, 25 वां सीआईआई चंडीगढ़ मेला होम डेकोर, ऑटोमोबाइल, हस्तशिल्प, इलेक्ट्रॉनिक्स, फैशन परिधान, स्वास्थ्य देखभाल और वित्त को 10 समवर्ती एक्सपोज में प्रस्तुत करता है - सभी एक छत के नीचे। यह ब्रांडों के लिए दृश्यता और नेटवर्किंग का एक विशाल मंच सुनिश्चित कर रहा है, जो उन्हें कनेक्ट करने, सहयोग करने और मजबूत व्यावसायिक संबंध बनाने और आवर्ती बिक्री के लिए एक सीधा इंटरफेस प्रदान करता है। सीआईआई चंडीगढ़ के चेयरमैन श्री राजीव कैला ने कहा, ह्लपिछले 24 संस्करणों से, सीआईआई चंडीगढ़ फेयर हजारों आगंतुकों को सही उत्पादों और सेवाओं से जोड़ने में सहायक रहा है, जिससे भाग लेने वाले ब्रांडों को उपभोक्ताओं के साथ सीधे जुड़ने के अच्छे अवसर मिलते हैं। इस आयोजन का उद्देश्य दिवाली से पहले प्रमुख उपभोक्ता ब्रांडों को एक छत के नीचे लाना और आगंतुकों के लिए वन-स्टॉप शॉपिंग डेस्टिनेशन बनाना है। मुझे उम्मीद है कि सभी आगंतुक खरीदारी के विकल्पों का आनंद लेंगे और सीआईआई चंडीगढ़ फेयर 2022 की पेशकश का अधिकतम लाभ उठाएंगे।

फेयर के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, सीआईआई पंजाब के अध्यक्ष, श्री अमित थापर ने साझा किया, ह्लसीआईआई चंडीगढ़ फेयर 2022 ब्रांडों के लिए दृश्यता और नेटवर्किंग का एक विशाल मंच सुनिश्चित कर रहा है, जो उन्हें कनेक्ट करने, सहयोग करने और मजबूत व्यावसायिक संबंध बनाने के लिए एक सीधा इंटरफेस प्रदान करता है। हमारा उद्देश्य एमएसएमई को बढ़ावा देना है ताकि उन्हें पूरे क्षेत्र के विभिन्न बाजारों में बेचने का अवसर मिले।ह्व

फेयर के 25वें संस्करण ने पहले दिन इस क्षेत्र से भारी भीड़ को आकर्षित किया, जिससे एक्सपो की स्थिति एक सिद्ध और विश्वसनीय शॉपिंग हब के रूप में मजबूत हुई। फेयर में आगंतुकों की प्रारंभिक प्रतिक्रिया के आधार पर, लगभग 94 प्रतिशत ने प्रदर्शनी को उत्कृष्ट या अच्छा माना है। इसके अलावा, पहले दिन 94 प्रतिशत आगंतुकों ने अगले संस्करण में भी मेले में जाने की इच्छा व्यक्त की है। फेयर शुक्रवार, 14 अक्टूबर से सोमवार, 17 अक्टूबर तक आयोजित किया जा रहा है। सभी चार दिनों के लिए समय सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक होगा।

निफ्ट व अरजोई ने मिस व्हीलचेयर वर्ल्ड के लिए सौम्या ठाकुर को भेंट किए विशेष परिधान

» मदरलैंड संवाददाता

मोहाली। नॉर्दर्न इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टैक्नोलॉजी (निफ्ट) मोहाली ने अरजोई, एक हॉलमार्क लग्जरी ब्रांड, के सहयोग से सुश्री सौम्या ठाकुर को विशेष रूप से डिजाइन परिधान सौंपे, जो मैक्सिको में जल्द ही आयोजित होने वाली मिस व्हीलचेयर वर्ल्ड प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। निफ्ट के विशेषज्ञों ने दिव्यांगों के लिए परिधान तैयार करने में पेश आने वाली चुनौतियों के बारे में बात की।

निफ्ट मोहाली परिसर में आज मीडिया को संबोधित करते हुए, संस्थान की प्रिंसिपल डॉ. पूनम अग्रवाल ठाकुर ने कहा, ह्लनिफ्ट में विशेष जरूरतों वाले लोगों के लिए डिजाइनिंग पर एक विषय पढ़ाया जाता है, जहां छात्र शारीरिक व मानसिक दिव्यांगों के शोध के बाद परिधान तैयार करते हैं। वर्षों तक दिव्यांगों और विशेष जरूरतों वाले लोगों को अपने वस्त्रों में खुद ही सुधार करवाना पड़ता था, क्योंकि उनके वस्त्रों की डिजाइनिंग करना आसान नहीं था।ह्व

डॉ. पूनम अग्रवाल ठाकुर ने कहा कि निफ्ट में फैशन डिजाइन, टैक्सटाइल डिजाइन और निटवियर डिजाइन में बीएससी कराया जाता है। इसी तरह, परिधान निर्माण प्रौद्योगिकी, फैशन मार्केटिंग और प्रबंधन तथा फैशन व वस्त्र डिजाइनिंग में 2 साल का मास्टर डिग्री कोर्स कराया जाता है, जो छात्रों में डिजाइनिंग का विजन पैदा करता है। निफ्ट में दाखिले की आखिरी तारीख 25 अक्टूबर है।

वीनस लेडीज क्लब ने उमंग फैशन शो में बिखेरे जलवे

विधायक राजिंदर कौर और कविता कुल्लर को किया सम्मानित

» हरप्रीत सिंह, मदरलैंड संवाददाता

लुधियाना। वीनस लेडीज क्लब की ओर से बुराई पर अच्छाई वीएलसी ने इस साल उमंग फैशन शो के साथ मनाई दिवाली नई उमंग और खुशियो वाली प्रधान धीरा मेहरा के साथ उप प्रधान पवनीत पाहवा ने मुख्य अतिथि कविता खुल्लर जिला प्रभारी दैनिक अजीत लुधियाना और विशिष्ट अतिथि बीबी राजिंदर कौर छीना विधायक लुधियाना दक्षिण का स्वागत फूलो के गुलदस्ते के साथ किया गया इस अवसर पर गुरदीप खरेय ,रामदीप और रवप्रीत के साथ ने पूरे कार्यक्रम की मेजबानी की

कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने के लिए बोर्ड के सदस्य मौजूद थे। कार्यक्रम की शुरूआत दीपावली पूजन से हुई, लेकिन कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण अयोध्या की दिवाली और उमंग फैशन शो रहा।

इस मौके पर रवप्रीत कौर, अनुभा और निधि राणा द्वारा भी शानदार एकल नृत्य का प्रदर्शन किया। डिजाइनर चैरी खरबंदा ने अपनी बनाई हुई ड्रेसेज को रैंप पर उतारा और बताया कि इस साल पुराने स्टाइल का ही फैशन वापिस आ गया है

जिले की मंडियों में 150863 मीट्रिक टन धान पहुँची : डिप्टी कमिशनर

149319 मीट्रिक टन फसलों की हुई खरीद, किसानों को 246 करोड़ का भुगतान

» मदरलैंड संवाददाता

जालंधर। डिप्टी कमिशनर जसप्रीत सिंह ने आज कहा कि जिले की मंडियो में गुरुवार शाम तक कुल 150863 मीट्रिक टन धान आ चुका है, जिसमें से 149319 मीट्रिक टन फसल की खरीद हो चुकी है।

इस संबंध में अधिक जानकारी देते हुए डिप्टी कमिशनर ने बताया कि पनग्रेन द्वारा 49519 मीट्रिक टन, मार्कफेड द्वारा 36759 मीट्रिक टन, पनसप द्वारा 45091 मीट्रिक टन, पंजाब स्टेट वेयर हाउस कारपोरेशन द्वारा 17635 मीट्रिक टन और निजी व्यापारियों द्वारा 315 मीट्रिक टन धान की खरीद की गई है। उन्होंने आगे बताया कि खरीदी गई फसल के लिए किसानों को 246 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है और उठान भी सुचारू रूप से चल रहा है।

जसप्रीत सिंह ने किसानों की फसल के दाने-दाने की खरीद करने की राज्य सरकार की वचनबद्धता दोहराते हुए कहा कि धान की उचित खरीद, उठान और भुगतान सुनिश्चित करने के लिए मंडियों में उचित व्यवस्था की गई है ताकि किसानो को अपनी फसल बेचने में कोई कठिनाई न आए। उन्होंने कहा कि किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए खरीदी की पूरी प्रक्रिया की जा रही है।

डिप्टी कमिशनर ने किसानों से यह भी अपील की कि सरकार द्वारा निर्धारित नमी की मात्रा के अनुसार ही धान मंडियों में लाएं और कटाई के बाद पराली न जलाएं।

विधायक शीतल रहते हैं सुर्खियों में जाने धमकी क्यो मिली ?

आप के विधायक शीतल अंगुराल को एक बार फिर मिली जान से मारने की धमकी

» अमरजीत सिंह लवला, मदरलैंड संवाददाता

जालंधर। पंजाब के जालंधर से आप पार्टी के विधायक शीतल अंगुराल को एक बार फिर से जान से मारने की धमकी मिली है। विधायक ने थाना न-5 में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवा दी है। एफआईआर में वह नंबर भी लिखवाया गया है, जिस नंबर से उन्हें मारने की धमकी मिली है। पुलिस ने एफआईआर नंबर-178 धारा 294, 506 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। विधायक शीतल अंगुराल ने कुछ दिन पहले मीडिया में अमृतपाल सिंह को लेकर बयान दिए थे। जिस कारण उन्हें धमकी मिली है। अमृतपाल सिंह को लेकर बोले शीतल अंगूराल ने तत्काल पकड़कर जेल में भेजने का बयान दिया था। अमृतपाल पंजाब का माहौल खराब कर रहा है, और जो भी खालिस्तान का समर्थन करता है, उसको भी जेल में भेज देना चाहिए। मीडिया में दिए इस बयान के कुछ दिनों बाद शीतल अंगूराल को फोन पर बयान वापस लेने और जान से मारने की धमकी भरा फोन आया। जिस पर उन्होंने थाना न- 5 में एफआईआर दर्ज करवा दी। कमिश्नर ऑफिस डीसीपी से मिलने पहुंचे विधायक शीतल अंगूरल ने मीडिया को बताया की कुछ दिन पहले अमृतपाल को लेकर मीडिया में बयान दिया था, और उस बयान के बाद उन्हें एक नंबर से धमकी भरा फोन आया वह नंबर पंजाब में ट्रेस हुआ है। हालांकि वह नंबर राजस्थान का है। धमकी भरे फोन आने के बाद उन्होंने कानूनी कार्रवाई करवाते हुए पुलिस में एफआईआर दर्ज करवा दी है साथ ही उन्होंने कहा कि जो लोग उन्हें धमकियां देते हैं और पंजाब के मुद्दों से पीछे हटने की बात करते हैं मैं उन्हीं को चेतावनी देना चाहता हूँ कि वह खुद संभल जाएं नहीं तो उनकी सरकार उन पर कड़ी कार्रवाई करेगी। डीसीपी जगमोहन सिंह ने बताया कि विधायक ने अपने बयानों में जिस नंबर से धमकी भरी कॉल आई वह लिखवाया दिया है और पुलिस इस पूरे मामले की इन्वेस्टिगेशन कर जल्द ही आरोपी को काबू करेगी।

जजपा जिला परिषद के सभी 19 वार्डों में चुनाव लडने को तैयार, अंतिम निर्णय करेंगे डा. अजय सिंह चौटाला

» संतोष यादव, मदरलैंड संवाददाता

नारनौल। सिंघाना रोड स्थित जननायक जनता पार्टी के जिला कार्यालय में शुक्रवार दोपहर को पंचायतीराज चुनावों को लेकर मंथन बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें जजपा के राष्ट्रीय संगठन सचिव एवं खादी ग्रामोद्योग के चेयरमैन राजेंद्र लितानी एवं युवा जजपा के प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र सांगवान बतौर मुख्यातिथि मौजूद थे, जिनका पार्टी कार्यकताओं ने कार्यालय पहुंचने पर फूल-मालाओं से गर्मजोशी से स्वागत किया। यह जानकारी देते हुए जजपा के जिला प्रवक्ता सिकंदर गहली ने बताया कि करीब चार घंटे चली मीटिंग में पार्टी नेताओं ने जिला परिषद व पंचायत समिति चुनावों को लेकर विचार-विमर्श किया। लितानी का हलका अध्यक्ष सुरेंद्र पटीकरा तथा सांगवान का युवा जिलाध्यक्ष अभयसिंह गुर्जर ने पगड़ी पहनाकर स्वागत किया।

मीटिंग को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय संगठन सचिव एवं चेयरमैन राजेंद्र लितानी ने कहा कि जननायक जनता पार्टी द्वारा प्रदेश की जिला परिषद के सभी 411 वार्डों पर चुनाव लड़े जाएंगे। पार्टी के दिशा-निदेर्शानुसार यह चुनाव बिना सिंबल के लड़ा जाएगा तथा अंतिम निर्णय पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अजय सिंह चौटाला करेंगे और कंडीडेटों की सूची भी वही जारी करेंगे। अब पार्टी कार्यकताओं को संगठन के निर्णय पर अमल करना है, क्योंकि संगठन से बड़ा कुछ भी नहीं है। उन्होंने कहा कि महेंद्रगढ़ जिला के सभी 19 वार्डों में उन कार्यकताओं को चुनाव मैदान में उतारा जाए, जो पार्टी के प्रति वफादार, ईमानदार, कर्मठ, जुझारू एवं समर्पित हों और अपने नेता व पार्टी के प्रति त्याग की भावना रखते हों।

युवा जजपा प्रदेशाध्यक्ष रवींद्र सांगवान ने कहा कि जिला महेंद्रगढ़ के जिला परिषद के 19 वार्डों में पार्टी जिसे भी उम्मीदवार बनाएगी, उन सभी की वह समर्पित भाव से मदद करेंगे तथा 19 अक्टूबर 30 अक्टूबर तक यहीं रहकर तन-मन-धन से सहयोगी बनकर मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि जजपा पार्टी कार्यकताओं को सबसे ऊपर रखती है तथा पार्टी कार्यकताओं के मान-सम्मान वह कोई कमी नहीं छोड़ेंगे। इसलिए सभी साथ मिलकर इस चुनाव को मजबूती से लड़ें और नगर निकाय चुनावों की भांति नया इतिहास बनाएं।

जिला प्रधान एडवोकेट तेजप्रकाश यादव ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती का आधार चुनाव ही होते हैं और यह चुनाव जजपा को धरातल पर और मजबूत बनाने का सुनहरा मौका है। इसलिए कार्यकताओं का यह कर्तव्य बनता है कि पार्टी जिसे भी इस चुनाव मैदान में उतारे, उसकी जीत के लिए हर संभव अच्छा काम करें और सभी मिलकर उसकी तन-मन-धन से मदद करें।

इस मौके पर राष्ट्रीय महासचिव एवं चेयरपर्सन कमलेश सैनी, प्रदेश महासचिव मंजू चौधरी, प्रदेश महासचिव रमेश पालड़ी, प्रदेश सचिव अशोक सैनी, महिला जिलाध्यक्ष सुलोचना ढिल्लो, हलका अध्यक्ष हजारी लाल लंबौरा, हलका अध्यक्ष बिमला चौधरी, सुरेश शास्त्री, रामकुमार मकसूसपुरिया, हरचंद तोबड़ा, रघुबीर सैनी, महेंद्र बडेसरा, सतीश रावत, हरफूल मैनेजर, बजरंग लाल अग्रवाल, एडवोकेट प्रमोद ताखर, एडवोकेट अजय चौधरी, विजय छिलरो, कार्यालय सचिव वीरेंद्र घाटासेर, पूर्व जिला पार्षद आरती बागड़ी, धन्नाराम सरपंच, धर्मबीर यादव, डा. राजकुमार यादव, सुनीता धौलेड़ा, सोनिया धनखड़, कर्मबीर सरपंच, राजबीर गुलावला, राजकुमार मेई, इश्य कुमार, गुरदीप सरदार, हिमांशु सैनी, लक्की सरदार, योगेश चिंडालिया, बिल्लू बापड़ोली, दीपक यादव, प्रवीण कुमार, रवींद्र व सुनील श्योराण आदि मौजूद थे।

● चुनाव प्रभारी चेयरमैन राजेंद्र लितानी एवं युवा प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र सांगवान की मौजूदगी में सिंघाना रोड स्थित जजपा के जिला कार्यालय में करीब चार घंटे तक पार्टी कार्यकताओं के बीच हुआ मंथन

खबर का हुआ असर पैसेज एरिया में पार्किंग की समस्या

दुगरी फेस वन मार्किट पहुंची तहबाजारी टीम दुकानदारों को दी चेतवानी

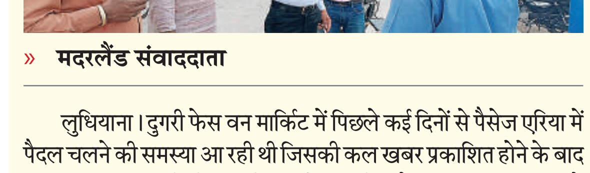

» मदरलैंड संवाददाता

लुधियाना। दुगरी फेस वन मार्किट में पिछले कई दिनों से पैसेज एरिया में पैदल चलने की समस्या आ रही थी जिसकी कल खबर प्रकाशित होने के बाद आज नगर निगम की टीम दुगरी मार्किट पहुंची इंस्पेक्टर लखविंदर सिंह ने सभी दुकानदारों को आज चेतावनी दी कि कल तक पैसेज एरिया खाली कर दे वरना सोमवार को जिसके भी वाहन या सामान पैसेज एरिया में मिलेगा उसको बक्शा नहीं जाएगा एक हजार रुपए जुमार्ना लगाया जाएगा इस अवसर पर मार्किट के प्रधान सचिन मनचंदा से पूछा गया कि पैसेज एरिया में पार्किंग क्यों की जाती है और दुकानों के आगे टैंट लगाकर पैसे क्यों लिए जाते हैं उन्होंने बताया कि मार्किट कमेटी की ओर से कोई पैसा नहीं लिया जाता बात रही पैसेज एरिया में पार्किंग का तो कितनी बार दुकानदारों और पब्लिक को बोल चुके हैं मगर कोई भी नही सुनता आज नगर निगम अधिकारियों द्वारा दुकानदारों को चेतावनी दी गई है अगर फिर भी नहीं माने तो कारवाही होगी।

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

कमाल थे भारत के कलाम साहब!!

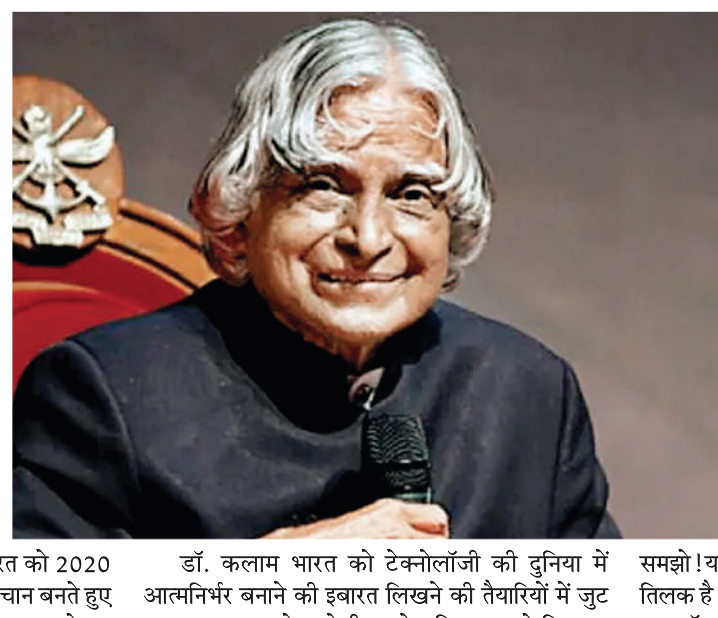

डॉ. नाज परवीन

भारत के कलाम साहब! जिनकी शख्सियत कमाल की थी। उनका सरल स्वभाव, सादा जीवन और ऊंचे सपने देखने की ललक उन्हें वैश्विक परिदृश्य में एक अलग पहचान देती है। उनका बच्चों के बीच खुलकर विचार-विमर्श करना, उन्हें सपने देखने के लिए प्रेरित करना, उनकी जिज्ञासा को बढ़ने देना ताकि वो कुछ नया सीख पाए।

उनके सपनों को पंख देना ताकि वो अपनी उड़ान से भारत को नई बुलंदियों पर ले जाए, उनकी खुली आंखों का सपना था। कलाम साहब की ऐसी असंख्य खूबियां उन्हें बच्चों के पसंदीदा शिक्षक और युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत बनाती है।

भारत की बेमिसाल शख्सियत डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का सपना भारत को आर्थिक रूप से समृद्ध और शक्तिशाली देश बनाने का था। जिसे उन्होंने अपने अंतिम समय तक पूरा करने का प्रयास किया। वो भारत के कलाम थे और पूरा भारत उनमें बसता था। सशक्त भारत का ख़्वाब बदलते भारत की तस्वीर में साफ तौर पे देखा जा सकता है। हम तरक्की के नये पायदानों को पार करते आज ब्रिटेन को पछाड़कर दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए हैं। हालाँकि बहुत से अपवाद अभी भी हैं और होंगे ही वो स्वाभाविक हैं लेकिन उन अपवादों से इतर कलाम साहब का भारत विश्व के मानचित्र पर अपनी धाक बनाये हुए है।

अब्दुल कलाम जी का जन्म तमिलनाडु में रामेश्वरम के तमिल मुस्लिम परिवार में 15 अक्टूबर 1931 को हुआ था।

डॉ. कलाम का सफर रामेश्वरम से शुरू हुआ और भारत के राष्ट्रपति के पद तक पहुचें लेकिन उनकी पहली पसंद एक टीचर बने रहना ही रही। उन्होंने अपने जीवन को एक बेहतरीन लर्नर के रूप में ढाला। दुनिया के इस बेमिसाल टीचर ने अपने जिंदगी का आखिरी लम्हा 27 जुलाई सन 2015 को अपने देश की युवा पीढ़ी के सामने ही मुकम्मल किया।

उनके जीवन के वो आखिरी पल जब दुनिया को अलविदा कहने का वक़्त आया, देश की यादगार धरोहर की तरह कैमरे में कैद हो गए। डा. कलाम साहब का सपना था भारत को 2020 तक आत्मनिर्भर भारत के रूप में वैश्विक पहचान बनते हुए देखें भारत की आने वाली नई पीढ़ी को थमा कर चले गए कलाम साहब। कलाम साहब के रहते देश ने एक के बाद एक कई तारीखी इबारतें लिखीं।

सन 1980 में जब रोहिणी उपग्रह भारत का पहला स्वदेश-निर्मित प्रक्षेपण यान एसएलवी-3 बना, डा. कलाम साहब बेहद खुश थे। यह देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मजबूत कदम था। भारत अन्तरराष्ट्रीय अंतरिक्ष क्लब का सदस्य बन गया।

डॉ. कलाम भारत को टेक्नोलॉजी की दुनिया में आत्मनिर्भर बनाने की इबारत लिखने की तैयारियों में जुट गए। डा. कलाम ने स्वदेशी गाइडेड मिसाइल को डिजाइन किया। भारतीय तकनीक से पृथ्वी और अग्नि जैसी मिसाइलों को बनाया। भारत की सरजमीं से बेइन्तेहां मोहब्बत करने वाले भारत के इस होनहार बेटे ने भारत की सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के लिए कई सफल प्रयोग किए।

दुनिया जानती है कि डा. कलाम ने शादी नहीं की, उनकी कोई औलाद नहीं थी। लेकिन उनका बच्चों से बेशुमार प्रेम था। एक बार उनसे किसी विदेशी पत्रकार ने ऐसा ही सवाल पूछा, कि आपकी कोई संतान नहीं है, फिर भी आप बच्चों से इतना प्यार करते हैं क्यों?

कलाम साहब मुस्कुराए और बडी शालीनता से बोले, मेरे तीन बच्चे हैं पृथ्वी, अग्नि और ब्रहमोस। यकीनन राष्ट्रप्रेम और भारत को दुनिया के मानचित्र में विकसित देशों की श्रेणी में लाने का उनका प्रयास ही उनका वास्तविक प्रेम था। जिसके परिणाम स्वरूप भारत के करोड़ों बच्चों की आज भी कलाम साहब पहली पसंद हैं।

लगभग पांच वर्षो के अथक परिश्रम के फलस्वरूप जब ह्लअग्निह्ल मिसाइल का सफल परीक्षण हुआ। तब डॉ. कलाम कहते हैं कि ह्लअग्नि को इस नजर से मत देखो, ये सिर्फ ऊपर उठने का साधन नहीं है, न शक्ति की नुमाइश है, अग्नि एक लौ है जो हर हिन्दुस्तानी के दिलों में जल रही है। इसे मिसाइल मत समझो! यह कौम के माथे पर चमकता हुआ आग का सुनहरा तिलक है।ह्ल

डॉ. कलाम ने एक के बाद एक कई सशक्त सुरक्षा के हथियारों, मिसाइल से लेकर परमाणु परीक्षण तक में, भारत को दुनिया के परमाणु सम्पन्न देशों की श्रेणी में लाने का सफल प्रयास किया। लेकिन उनके स्वाभाव की सौम्यता इन हथियारों को आधुनिक तकनीक के साथ विकास से जोडकर देखती है। भारत हमेशा से शान्तिप्रिय देश है, दुनिया को यह बेहतर तरीके से समझाने का काम किया कलाम साहब ने।

डॉ.कलाम ने अपनी बेशकीमती धरोहर के रूप में देश को कई पुस्तकें समर्पित की- इंडिया 2020 ए विजन फॉर द न्यू मिलेनियम, माई जर्नी तथा इग्नाटिड माइंड्स-अनलीशिंग द पॉवर विदिन इंडिया, विंग्स ऑफ फायर, एनविजनिंग अन एमपावर्ड नेशन : टेक्नालॉजी फार सोसाइटल ट्रांसफारमेशन आदि।

डॉ. कलाम ने सितंबर 1985 में त्रिशूल, फरवरी 1988 में पृथ्वी, मई 1989 में रूस के साथ मिलकर सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। डॉ. कलाम के इस जज्बे को सलाम करते हुए देश उन्हें मिसाइल मैन के नाम से संबोधित करता है। डॉ. कलाम को 1981 में भारत सरकार ने पद्म भूषण, 1990 में पदम विभूषण और 1997 में देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया।

डॉ. कलाम का कहना था कि ह्लमेरे ख्याल से मेरे वतन के नौजवानों को एक साफ नजरिए और दिशा की जरूरत है। वो भारत को वैश्विक परिदृश्य में विकसित देशों की श्रेणी में देखना चाहते थे। वो कहते थे ह्लकाश! हर हिंदुस्तानी के दिल में जलती हुई लौ को पंख लग जाए और उस लौ की परवाज से सारा आसमान रौशन हो जाए।ह्ल कलाम साहब की बेमिसाल शख़्सियत भारत के हर नौजवान की वास्तविक धरोहर है, जिसे वो सदियों सहेज के रखने का प्रयास करेगा।

ह्लहजारों साल नर्गिस अपनी बे -नूरी पे रोती है
बड़ी मुश्किल से होता है चमन में दीदा-वर पैदाह्ल।

मशहूर शायर अल्लामा इकबाल साहब ने ये शेर भले ही किसी खास शख्सियत के लिए लिखा हो लेकिन यदि यह कहें कि मौजूदा दौर में भारत रत्न डॉ. ऐ पी जे कलाम साहब पर सही साबित होता है तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी।

संपादकीय

अमेरिका बुरे वक्त का साथी नहीं

अमेरिका का पिछले 70 वर्षों का इतिहास देखें तो अमेरिका के ऊपर जिन-जिन देशों ने भरोसा किया, जब उनके सामने मुसीबतें आई तो अमेरिका ने उनका साथ नहीं दिया। अमेरिका ने मित्र देशों को मझधार में छोड़ने का काम किया। सही मायने में अमेरिका एक साहूकार है, जो अपने फायदे के लिए दुनिया के देशों में निवेश करता है। उसका फायदा उठाता है, ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाने के लिए वह मित्र देश को दूसरे देश से लड़ाता है। मित्र देश को हथियार और कर्ज देकर फायदा उठाता है। जब मतलब निकल जाता है, तब उस देश को मझधार में छोड़कर महाशक्तियों के साथ सुलह कर अपने अस्तित्व को बनाए रखता है। अमेरिकी नीति में ना तो उसका कोई स्थाई मित्र होता है ना उसका कोई स्थाई शत्रु होता है। अमेरिका का सबसे पुराना सहयोगी फ्रांस है। जिसने ब्रिटेन से आजादी की लड़ाई में अमेरिका का साथ दिया था, उसके बाद भी अमेरिका ने फ्रांस के साथ विश्वासघात कर दिया। अमेरिका ने ऑस्ट्रेलिया को परमाणु शक्ति संपन्न पनडुब्बियों का सौदा कर दिया। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने रातों-रात फ्रांस से पनडुब्बियां खरीदने का 60 अरब डालर का सौदा रद्द कर दिया। इससे फ्रांस को तगड़ा आर्थिक झटका लगा है। 1972 में रिचर्ड निक्सन और हेनरी किसिंजर की चीन यात्रा में 30 साल तक लंबा प्रेम संबंध स्थापित हुआ। रूस के खिलाफ दोनों देश एकजुट हो गए। सोवियत संघ जब बिखर गया, तो अमेरिका ने चीन को भी धता बताने में देर नहीं की। पिछले 70 सालों का इतिहास देखें, तो अमेरिका ने हमेशा अपने आर्थिक और सामरिक हितों का संवर्धन करने के लिए दुनिया भर के देशों को एक दूसरे से लड़ाया और आर्थिक और सामरिक लाभ प्राप्त किया। जब कुछ देने का समय आया उस समय अमेरिकी साहूकार ने साथ छोड़ने में 1 मिनट का भी विलंब नहीं किया। पाकिस्तान और अफगानिस्तान में आतंकी लड़ाई में अमेरिका ने पाकिस्तान को तो धोखा दिया ही, भारत को भी परेशानी में डाल दिया। स्वतंत्र भारत में जवाहरलाल नेहरू से लेकर प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह तक जितने भी प्रधानमंत्री बने। उन्होंने अमेरिका के साथ अपने रिश्ते बड़े सीमित रखे। 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में जिस तरह से रूस ने आगे बढ़कर भारत का साथ दिया था, उसकी मिसाल आज भी दी जाती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के साथ दोस्ताना संबंध बढ़ाने के लिए वह सब कुछ किया जो भारत की विदेश नीति के लिए ठीक नहीं था। उसके बाद भी जिस तरीके से अमेरिका, भारत को समय-समय पर दबाव में लाकर अपने हितों का संवर्धन करता रहा। भारत ने अपनी सामरिक जरूरत के अनुसार जैसे ही रूस से कुछ हथियार खरीदे। प्रतिबंध के दौरान रूस से तेल का आयात किया, उसके बाद अमेरिका ने भारत को अपना रौद्र रूप दिखाना शुरू कर दिया है। अमेरिकी थिंक टैंक भी समय-समय पर भारत में प्रेस की आजादी पर रोक, लोकतंत्र पर बढ़ते खतरे, इस्लामोफोबिया और सामरिक दृष्टि से भारत को कमजोर करने के लिए तरह-तरह की साजिश कर रहा है। डॉलर, मुद्रा, वीजा और पाकिस्तान को हथियार और कर्ज देकर अमेरिका ने अपनी औकात दिखाने का कोई मौका नहीं छोड़ा।

डॉ. अब्दुल कलाम की सादगी और उनके आदर्श

योगेश कुमार गोयल

डॉ. कलाम राष्ट्रपति जैसे देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर आसीन रहते हुए भी आम लोगों से मिलते रहे। एक बार कुछ युवाओं ने उनसे मिलने की इच्छा जाहिर की और इसके लिए उन्होंने उनके कार्यालय को चिट्ठी लिखी। चिट्ठी मिलने के बाद डा. कलाम ने उन युवाओं को अपने पर्सनल चैंबर में आमंत्रित किया और वहां न केवल उनसे मुलाकात ही की बल्कि उनके विचार, उनके आइडिया सुनते हुए काफी समय उनके साथ गुजारा। जिस समय डा. कलाम भारत के राष्ट्रपति थे, तब वे एक बार आईआईटी के एक कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए पहुंचे। उनके पद की गरिमा का सम्मान करते हुए आयोजकों द्वारा उनके लिए मंच के बीच में बड़ी कुर्सी लगवाई गई। डा. कलाम जब वहां पहुंचे और उन्होंने केवल अपने लिए ही इस प्रकार की विशेष कुर्सी की व्यवस्था देखी तो उन्होंने उस कुर्सी पर बैठने से इन्कार कर दिया, जिसके बाद आयोजकों ने उनके लिए मंच पर लगी दूसरी कुर्सियों जैसी ही कुर्सी की व्यवस्था कराई।

देश के महान वैज्ञानिक और भारत के पूर्व राष्ट्रपति, प्रख्यात शिक्षाविद् डा. एपीजे अब्दुल कलाम (अवुल पाकिर जैनुलाब्दीन अब्दुल कलाम) सच्चे अर्थों में ऐसे महानायक थे, जिन्होंने अपना बचपन अभावों में बीतने के बाद भी अपना पूरा जीवन देश और मानवता की सेवा में व्यतीत कर दिया। छात्रों और युवा पीढ़ी को दिए गए उनके प्रेरक संदेश तथा उनके स्वयं के जीवन की कहानी देश की आने वाले कई पीढ़ियों को भी सदैव प्रेरित करने का कार्य करती रहेगी। न केवल भारत के लोग बल्कि पूरी दुनिया मिसाइल मैन डा. कलाम की सादगी, धर्मनिरपेक्षता, आदर्शों, शांत व्यक्तित्व और छात्रों व युवाओं के प्रति उनके लगाव की कायल थी। डा. कलाम देश को वर्ष 2020 तक आर्थिक शक्ति बनते देखना चाहते थे। पढ़ाई-लिखाई को तरक्की का साधन बताने वाले डा. कलाम का मानना था कि केवल शिक्षा के द्वारा ही हम अपने जीवन से निर्धनता, निरक्षरता और कुपोषण जैसी समस्याओं को दूर कर सकते हैं। उनके ऐसे ही महान विचारों ने देश-विदेश के करोड़ों लोगों को प्रेरित करने और देश के लोकतंत्र को मजबूती प्रदान करने का कार्य किया। उनका ज्ञान और व्यक्तित्व इतना विराट था कि उन्हें दुनियाभर के 40 विश्वविद्यालयों ने डॉक्ट्रेट की मानद उपाधि प्रदान की।

तमिलनाडु के एक छोटे से गांव में एक मध्यमवर्गीय परिवार में 15 अक्तूबर 1931 को जन्मे डा. कलाम छात्रों का मार्गदर्शन करते हुए अक्सर कहा करते थे कि छात्रों के जीवन का एक तय उद्देश्य होना चाहिए और इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए जरूरी है कि वे हरसंभव स्त्रोतों से ज्ञान प्राप्त करें। छात्रों की तरक्की के लिए उनके द्वारा जीवन पर्यन्त किए गए महान कार्यों को देखते हुए ही सन 2010 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा उनका 79वां जन्म दिवस ह्यविश्व विद्यार्थी दिवसह्ण के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया और तभी से डा. कलाम के जन्मदिवस 15 अक्तूबर को ही प्रतिवर्ष ह्यविश्व विद्यार्थी दिवसह्ण के रूप में मनाया जा रहा है।

समय-समय पर युवाओं को दिए गए उनके प्रेरक संदेशों की बात करें तो वे कहा करते थे कि अगर आप सूरज की तरह चमकना चाहते हो तो पहले सूरज की तरह जलना सीखो। वे कहते थे कि अगर आप फेल होते हैं तो निराश मत होइए क्योंकि फेल होने का अर्थ है ह्यफर्स्ट अटैंप्ट इन लर्निंगह्ण और अगर आपमें सफल होने का मजबूत संकलप है तो असफलता आप पर हावी नहीं हो सकती। इसलिए सफलता और परिश्रम का मार्ग अपनाओ, जो सफलता का एकमात्र रास्ता है। डा. कलाम कहते थे कि आप अपना भविष्य नहीं बदल सकते लेकिन अपनी आदतें बदल सकते हैं और निश्चित रूप से आपकी आदतें आपका भविष्य बदल देंगी। वे हमेशा कहा करते थे कि महान सपने देखने वाले महान लोगों के सपने हमेशा पूरे होते हैं। उनका कहना था कि इंसान को कठिनाइयों की आवश्यकता होती है क्योंकि सफलता का आनंद उठाने के लिए कठिनाईयां बहुत जरूरी हैं। सपने देखना जरूरी है लेकिन केवल सपने देखकर ही उसे हासिल नहीं किया जा सकता बल्कि सबसे जरूरी है कि जिंदगी में स्वयं के लिए कोई लक्ष्य तय करें। कलाम साहब कहते थे कि इस देश के सबसे तेज दिमाग स्कूलों की आखिरी बेंचों पर मिलते हैं। हम सबके पास एक जैसी प्रतिभा नहीं है लेकिन अपनी प्रतिभाओं को विकसित करने के अवसर सभी के पास समान हैं। सादगी की प्रतिमूर्ति डा. कलाम का व्यक्तित्व कितना विराट था, इसे परिभाषित करते कई किस्से भी सुनने को मिलते हैं।

डॉ. कलाम राष्ट्रपति जैसे देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर आसीन रहते हुए भी आम लोगों से मिलते रहे। एक बार कुछ युवाओं ने उनसे मिलने की इच्छा जाहिर की और इसके लिए उन्होंने उनके कार्यालय को चिट्ठी लिखी। चिट्ठी मिलने के बाद डा. कलाम ने उन युवाओं को अपने पर्सनल चैंबर में आमंत्रित किया और वहां न केवल उनसे मुलाकात ही की बल्कि उनके विचार, उनके आइडिया सुनते हुए काफी समय उनके साथ गुजारा।

जिस समय डा. कलाम भारत के राष्ट्रपति थे, तब वे एक बार आईआईटी के एक कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए पहुंचे। उनके पद की गरिमा का सम्मान करते हुए आयोजकों द्वारा उनके लिए मंच के बीच में बड़ी कुर्सी लगवाई गई। डा. कलाम जब वहां पहुंचे और उन्होंने केवल अपने लिए ही इस प्रकार की विशेष कुर्सी की व्यवस्था देखी तो उन्होंने उस कुर्सी पर बैठने से इन्कार कर दिया, जिसके बाद आयोजकों ने उनके लिए मंच पर लगी दूसरी कुर्सियों जैसी ही कुर्सी की व्यवस्था कराई।

उनके मन में दूसरे जीवों के प्रति भी किस कदर करूणा और दयाभाव विद्यमान था, इसका अंदाजा इस घटनाक्रम से सहज ही लग जाता है। जब 1982 में वे डीआरडीओ के चेयरमैन बने तो उनकी सुरक्षा के लिए डीआरडीओ की सेफ्टी वाल्स पर कांच के टुकड़े लगाने का प्रस्ताव लाया गया लेकिन कलाम साहब ने यह कहते हुए उसके लिए साफ इनकार कर दिया था कि दीवारों पर कांच के टुकड़े लगाने से पक्षी नहीं बैठ पाएंगे और ऐसा करने की प्रक्रिया में पक्षी घायल भी हो सकते हैं। इस कारण उस प्रस्ताव को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया था।

राष्ट्रपति जैसे बड़े पद पर पहुंचने के बाद भी कलाम अपने बचपन के दोस्तों को नहीं भूलते थे। 2002 में राष्ट्रपति बनने के बाद जब एक बार वे तिरुअनंतपुरम के राजभवन में मेहमान थे, तब उन्होंने अपने स्टाफ को वहां के एक मोची और ढ़ाबे वाले को खाने पर बुलाने का निर्देश दिया। सभी उनके इस निर्देश को सुनकर हैरान था। बाद में पता चला कि ये दोनों कलाम साहब के बचपन के दोस्त थे। दरअसल कलाम साहब ने अपने जीवन का बहुत लंबा समय केरल में ही बिताया था और उसी दौरान उनके घर के पास रहने वाले उस मोची तथा ढ़ाबे वाले से उनकी दोस्ती हो गई थी। राष्ट्रपति बनने के बाद जब वे तिरुअनंतपुरम पहुंचे, तब भी वे अपने इन दोस्तों को नहीं भूले और उन्हें राजभवन बुलाकर उन्हीं के साथ खाना खाकर उन्हें इतना मान-सम्मान दिया।

डा. कलाम के जीवन के अंतिम पलों के बारे में उनके विशेष कार्याधिकारी रहे सृजन पाल सिंह ने लिखा है कि शिलांग में जब वह डा. कलाम के सूट में माइक लगा रहे थे तो उन्होंने पूछा था, ह्यफनी गाय हाउ आर यूह्ण, जिस पर सृजन पाल ने जवाब दिया ह्यसर ऑल इज वेलह्ण। उसके बाद डा. कलाम छात्रों की ओर मुड़े और बोले ह्यआज हम कुछ नया सीखेंगेह्ण और इतना कहते ही वे पीछे की ओर गिर पड़े। पूरे सभागार में सन्नाटा पसर गया और इस प्रकार इस महान विभूति ने दुनिया से सदा के लिए विदा ले ली।

(लेखक 32 वर्षों से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

विकसित देशों की तुलना में भारत में तेजी से कम हो रही है गरीबी

प्रहलाद सबनानी

विकसित देशों के कुछ अर्थशास्त्रियों ने भारत के विरुद्ध जैसे एक अभियान ही चला रखा है और भारत के आर्थिक विकास को वे पचा नहीं पा रहे हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था ने अप्रेल-जून 2022 तिमाही में 13.5 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की है और वित्तीय वर्ष 2022-23 में भारत 8 प्रतिशत की विकास दर हासिल करने जा रहा है। इस प्रकार भारत न केवल आज विश्व की सबसे तेज गति से आगे बढ़ रही अर्थव्यवस्था बन गया है बल्कि भारत आज विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी बन गया है। परंतु, फिर भी इन अर्थशास्त्रियों द्वारा मानव विकास सूचकांक में भारत को श्रीलंका से भी नीचे बताया जाना, आश्चर्य का विषय है। यह विरोधाभास इन अर्थशास्त्रियों को कहीं दिखाई नहीं दे रहा है, जबकि श्रीलंका की हालत तो जग जाहिर है एवं आर्थिक दृष्टि से भारत एवं श्रीलंका की तुलना ही नहीं की जा सकती है। आर्थिक विकास के साथ मानव विकास भी जुड़ा है। भारत में आर्थिक विकास तो तेज गति से हो रहा है परंतु इन अर्थशास्त्रियों की नजर में भारत में मानव विकास में लगातार गिरावट आ रही है। यह एक सोचनीय विषय है।

अभी हाल ही में संयुक्त राष्ट्र डेवलपमेंट प्रोग्राम ने मानव विकास सूचकांक (एचडीआर) प्रतिवेदन 2021-22 जारी किया है। एचडीआर की वैश्विक रैंकिंग में भारत 2020 में 130वें पायदान पर था और 2021 में 132वें पर आ गया है, ऐसा इस प्रतिवेदन में बताया गया है। मानव विकास सूचकांक का आंकलन जीने की औसत उम्र, पढ़ाई, और प्रति व्यक्ति आय के आधार पर किया जाता है। कोरोना महामारी के खंडकाल में भारत का इस सूचकांक में निचले स्तर पर आना कोई हैरान करने वाली बात नहीं होनी चाहिए। परंतु, वर्ष 2015 से वर्ष 2021 के बीच भारत को एचडीआर रैंकिंग में लगातार नीचे जाता हुआ दिखाया जा रहा है। जबकि, इसी अवधि में चीन, श्रीलंका, बांग्लादेश, यूएई, भूटान और मालदीव जैसे देशों की रैंकिंग ऊपर जाती हुई दिखाई जा रही है। श्रीलंका, बांग्लादेश एवं मालदीव जैसे देशों की आर्थिक स्थिति के बारे आज हम अनभिज्ञ नहीं है।

इसी प्रकार इन अर्थशास्त्रियों द्वारा भारत में गरीबी की रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले लोगों की संख्या को भी बढ़ाचढ़ा कर पेश किया जा रहा है। इनके अनुसार, भारत के 23 करोड़ लोग प्रतिदिन 375 रुपए से भी कम कमाते हैं। भारत की जनसंख्या यदि 140 करोड़ मानी जाय तो देश की कुल जनसंख्या के 16.42 प्रतिशत नागरिक 375 रुपए से कम कमा रहे हैं, जबकि विश्व बैंक द्वारा हाल ही में इस सम्बंध में जारी किए गए आंकड़े कुछ और ही कहानी कह रहे हैं। विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओ में आज भारत के ऊपर अमेरिका, चीन, जापान और जर्मनी आते है। अगर इन बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में गरीबी के आकंडें देखे तो कई चौकाने वाले खुलासे सामने आते है।

सबसे पहले अगर अमेरिका की बात की जाय तो अमेरिका की कुल आबादी के 11.4 प्रतिशत लोग गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे हैं। जबकि अमेरिका को विश्व का सबसे अमीर एवं विकसित देश माना जाता है। चीन के सम्बंध में तो कोई वास्तविक आंकड़े सामने आते ही नही है, अतः चीन की बात करना ठीक नहीं होगा। जर्मनी में भी स्थिति अमेरिका जैसी ही है। कुल आबादी में से 15.5 प्रतिशत नागरिक गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने को मजबूर हैं। जापान के सम्बंध में वर्ष 2020 में आई एक खबर के अनुसार जापान में गरीबों की संख्या बढ़ रही है एवं मध्यमवर्गीय लोगों की संख्या कम हो रही है। जापान में 15.7 प्रतिशत नागरिक गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे हैं।

यह भी एक चौकाने वाली बात है कि विश्व के सबसे अमीर देशों की सूची में अमेरिका में सबसे ज्यादा आत्महत्याएं होती है। जबकि विश्व की सबसे बड़ी उक्त चार अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में भारत में सबसे कम आत्महत्याएं होती है। यह भी मानव विकास सूचनांक का एक अवयव है, परंतु मानव विकास सूचकांक में भारत की लगातार गिरती स्थिति ही दर्शाई जाती है। अब भारत की बात करते हैं। भारत में वर्ष 1947 में 70 प्रतिशत लोग गरीबी की रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे थे, जबकि अब वर्ष 2020 में देश की कुल आबादी का लगभग 10 प्रतिशत हिस्सा गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहा है। 1947 में देश की आबादी 35 करोड़ थी जो आज बढ़कर लगभग 136 करोड़ हो गई है।

अभी हाल ही में विश्व बैंक ने एक पॉलिसी रिसर्च वर्किंग पेपर (शोध पत्र) जारी किया है। इस शोध पत्र के अनुसार वर्ष 2011 से 2019 के बीच भारत में गरीबों की संख्या में भारी गिरावट दर्ज की गई है। वर्ष 2011 में भारत में गरीबी की रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे व्यक्तियों की संख्या 22.5 प्रतिशत थी जो वर्ष 2019 में घटकर 10.2 प्रतिशत पर नीचे आ गई है अर्थात गरीबों की संख्या में 12.3 प्रतिशत की गिरावट दृष्टिगोचर है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक संजय कुमार उपाध्याय द्वारा विवेक पब्लिशर्स, ए 16, सेक्टर 7, नोएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश, से मुद्रित एवं 203 एफ 32, विजय ब्लॉक लक्ष्मी नगर, दिल्ली -11 00 92 से प्रकाशित। सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही किया जाएगा। संपादकः संजय कुमार उपाध्याय। मो.: 8700635881, आर.एन.आई नं. DELHIN/2019/78266

संक्षिप्त समाचार

आपसी विवाद में मारपीट, एक महिला समेत चार घायल, दो छपरा रेफर

मदरलैण्ड संवाददाता, छपरा। थाना क्षेत्र के अलग-अलग जगहों पर आपसी विवाद को लेकर हुई मारपीट की घटना में एक महिला समेत चार व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायलों में पचरौड़ गांव की बबीता देवी, मुकुंदपुर के राहुल कुमार और जीतू कुमार यादव, तथा राजधानी के जुगल पंडित शामिल है। सभी घायलों का प्राथमिक उपचार रेफरल अस्पताल तरैया में किया गया है। वहीं प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल मुकुंदपुर के राहुल कुमार और जीतू कुमार यादव को चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए छपरा सदर अस्पताल रेफर कर दिया है। इस संबंध में पीड़ित पक्ष द्वारा स्थानीय थाने में अलग-अलग शिकायत दर्ज कराई गई है। पुलिस प्राप्त शिकायत के आधार पर मामले की छानबीन में जुट गई है।

कर्मियों ने पशु रक्षा टीकाकरण कार्य का किया बहिष्कार, समायोजन होने तक टीकाकरण का कार्य ठप रखने का दिया अल्टीमेटम

मदरलैण्ड संवाददाता, बेगूसराय। बिहार राज्य पशु टीकाकरण संघ के आह्वान पर शुक्रवार को पशु टीका कर्मी संघ प्रखंड इकाई खोदावंदपुर के द्वारा एचएसबीक्यू पशु रक्षा टीकाकरण कार्य का बहिष्कार करने का निर्णय लिया. संघ के कर्मी मनोज कुमार, प्रवीण चन्द्र वर्मा, घनश्याम कुमार, सुनील कुमार, राधेश्याम, विपिन कुमार, संतोष कुमार सहित अनेक कर्मियों ने समायोजन होने तक टीकाकरण कार्य ठप रखने का अल्टीमेटम दिया है. खोदावंदपुर के पशु टीकाकरण कर्मियों ने बताया कि विगत कई वर्षों से पशु टीकाकरण कार्य एवं टैगिंग तथा कृमि नाशक दवा बांटते आ रहे हैं. वेलोगों से बार बार आश्वासन देकर सिर्फ कार्य करवाया जाता है. उन्होंने विभागीय अधिकारियों एवं सरकार से विभाग में स्थाई रुप से रिक्त पड़ें पदों पर समायोजन करते हुए कार्य करवाये जाने की मांग की है. संघ के कर्मियों ने अपनी मांगों से संबंधित मांग पत्र भ्रमणशील पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ प्रवीण कुमार को समर्पित किया.

पूर्व के वारंटी समेत एक शराबी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

मदरलैण्ड संवाददाता, छपरा। थाना क्षेत्र के दो अलग-अलग जगहों से तरैया पुलिस ने पूर्व के वारंटी और एक शराबी को गिरफ्तार किया है। चंचलिया गांव में शराब के नशे में हल्ला हंगामा कर रहे एक नशेड़ी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मामले की जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष मोहम्मद शोएब आलम ने बताया कि चंचलिया गांव में बेचू सिंह शराब के नशे में हल्ला हंगामा कर रहा था। जिससे स्थानीय लोगों को काफी परेशानी हो रही थी। सूचना मिलने के बाद उक्त व्यक्ति को पकड़ कर जब ब्रेथ एनेलाइजर मशीन से उसकी जांच की गई तो उसके अंदर शराब पीने की पुष्टि हुई। जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। वही पूर्व के वारंटी पचभिंडा गांव निवासी शिव सहनी को गिरफ्तार किया गया है। जिसके खिलाफ तरैया थाने में कांड दर्ज है और यह महीनों से फरार चल रहा था। गिरफ्तार व्यक्ति पर न्यायालय द्वारा भी वारंट जारी किया गया था। गिरफ्तार दोनों व्यक्तियों को शुक्रवार को न्यायिक हिरासत में छपरा भेज दिया गया है।

पांच लीटर देसी शराब बरामद, धंधेबाज फरार

मदरलैण्ड संवाददाता, छपरा। थाना क्षेत्र के मुरलीपुर झिंगना गांव से तरैया पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर पांच लीटर देसी शराब बरामद किया है। इस संबंध में एएसआई ब्रजेश कुमार सिंह ने एक प्राथमिकी दर्ज की है। जिसमें बताया गया है कि सूचना मिली की मुरलीपुर झिंगना गांव निवासी रंजीत मांझी अपने घर के पीछे शराब छुपा कर बेच रहा है। जब मौके पर पहुंचे तो पुलिस की गाड़ी को देखते ही रंजीत मांझी एक थैला फेंक कर भागने लगा। जिसे पुलिस बल द्वारा पीछा किया गया लेकिन वह भागने में सफल रहा। जब थैले का जांच किया गया तो पांच लीटर देसी शराब पाया गया। पुलिस मामले में रंजीत मांझी को आरोपित करते हुए आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

फुलकाहा में बिजली चोरी करते धराए,प्राथमिकी दर्ज

मदरलैण्ड संवाददाता, अररिया। नरपतगंज प्रखंड क्षेत्र में इन दिनों विद्युत विभाग द्वारा लगातार छापेमारी कर अवैध रूप से बिजली का उपयोग करने वालों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई जा रही है। फुलकाहा बाजार में गुरुवार की देर संध्या किशनगंज से पहुंची विशेष एसटीएफ बिजली विभाग के नेतृत्व में विद्युत चोरी की सूचना पर रात्रि करीब 11:00 बजे पानी प्लांट में विद्युत चोरी करते रंगे हाथ पकड़े जाने पर प्लांट के संचालक पिंटू कुमार गुप्ता पर विभाग ने प्राथमिकी दर्ज कराई। विद्युत मीटर को बाईपास करके अवैध रूप से लगभग 06 किलोवाट विद्युत ऊर्जा की चोरी मामले में तीन लाख 62 हजार 749 रुपए का जुमार्ना किया गया। छापेमारी अभियान में विद्युत अधीक्षण अभियंता एसटीएफ किशनगंज सुजीत कुमार, विद्युत कार्यपालक अभियंता मिथिलेश कुमार रजक, मिलिंद आनंद, हिमांशु शेखर, मो जाहिद, कमरुद्दीन आदि मौजूद थे।

बीडीओ ने पंचायत का किया निरीक्षण

मदरलैण्ड संवाददाता, अररिया। फारबिसगंज प्रखंड के रमई पंचायत में प्रखंड विकास पदाधिकारी राज किशोर प्रसाद शर्मा ने शुक्रवार को पंचायत में संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं सहित विद्यालय, आंगनवाड़ी, पैक्स, जनवितरण, आवास, पेंशन आदि की जांच की। इस दौरान बीडीओ ने मध्य विद्यालय घोड़ाघाट गए जहां उन्होंने रसोइया से मध्यान्ह भोजन की जांच करते हुए विद्यालय में चल रहे पठन पाठन के विषय में बच्चों से पूछताछ की। वही इस दौरान विद्यालय में भवन सहित अन्य सुविधाओं के विषय में शिक्षकों से जानकारी ली। इस दौरान प्रधानाधापक दिलीप झा सहित अन्य शिक्षकों को कई आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। वही बीडीओ ने कई पेंशन धारियों से मुलाकात कर उनसे पेंशन आदि मिलने के विषय में जाना। बीडीओ ने मनरेगा से लगे पौधे की भी जांच की तथा इसके रख रखाव के विषय में जानकारी ली।

बिहार पुलिस का खतरनाक कारनामा

वाहन जांच के नाम पे कइयों को भेजा मौत के मुंह में

» आर.के.सिंह

जमुई। बिहार पुलिस का एक और कारनामा, ये कौन सा तरीका है वाहन जांच का दुर्घटना से बचाने निकले है या दुर्घटना करवाने के लिऐ सड़क पर खड़े रहते है।

'एक तरफ सड़क दुर्घटनाओं पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन खूद जिलाधिकारी अवनीश कुमार सिंह पुलिस अधीक्षक डॉ0 शौर्य सुमन परिवहन पदाधिकारी कुमार अनुज मुख्यालय डीएसपी एसडीपीओ सभी सड़क पर उतरे पुलिसकर्मियों के साथ जागरूकता फैलाने संदेश दे रहे है की परिवहन नियमों का पालन करें खुद को सुरक्षित रखें।

दुसरी तरफ ₹ वीडियो में देखिऐ एक पुलिसकर्मी किस तरह से एक स्कूटी सवार पर पीछे से डंडा चलाता है और पीछे से दौड़कर तीन पुलिस वाले स्कूटी को पलट देते है इस दौरान स्कूटी सवार दोनों व्यक्ति गिर पड़ता है साथ ही एक पुलिस वाला भी उपर से उसपर गिर पड़ता है मौके पर मौजूद मीडियाकर्मी जब पुलिसवाले से पुछता है नियम का कुछ पता है डंडा चलाने का गाड़ी पलटने का अधिकार किसने दे दिया तो मौके से तीनों पुलिसकर्मी खिसक लेते है ₹

मामले को लेकर जब मीडियाकर्मियों ने जमुई परिवहन पदाधिकारी कुमार अनुज से पूछा डंडा चलाना पीछे से गाड़ी पलटना या कौन सा तरीका है जांच पड़ताल का जबाब में बोले ₹ ओह चलिऐ ये तो बहुत दुखद है इसपर बहुत कड़ी कारवाई की जाऐगी, मारपीट करने का तो अधिकतर नहीं है मूल उद्देश्य जो है बड़े चोट से लोगों को बचाना है बड़े चोट एक्सीडेंट से होते है जिले में एक साल में एक्सीडेंट में 145 मृत्यु हो चुके है इसलिए अभी जो है अभी किसी भी हालत में हरेक परिस्थिति में इस तरह की जो अगर अपवाद धटनाऐं हुई है तो उस जवान के साथ कड़ाई से पेश आऐंगे।

सवाल जब जमुई एसपी डॉ0 शौर्य सुमन से किया गया तो बोले 'उस चीज को हमलोग देखेंगे अगर ऐसी कोई बात आऐगी तो उस संबंध में भी कारवाई करेंगे' जानकारी के लिऐ बता दें की अभी कुछ दिन पहले ही जमुई टाउन थाना क्षेत्र के अतिथि पैलेस मोड़ पर वाहन चेकिंग के दौरान यातायात वाहन के साथ मौजूद पुलिसकर्मियों में से एक जवान ने वाइक सवार पर डंडे से सर पर हमला कर दिया था जिससे वाइक गिर पड़ी सवार गिर पड़ा था और डंडे के चोट से बाइक सवार का सर फट गया था जिसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था स्थानीय लोगों के द्वारा और जब पुलिस के इस रवैये से स्थानीय लोग आक्रोशित हो गए थे तो यातायात वाहन पर सवार होकर मौके पर मौजूद सारे पुलिसकर्मियों को भागना पड़ा था।

बसमतिया एसएसबी ने 83 बोतल नशीली कोरेक्स किया जब्त, चार लोगों पर केस दर्ज

» मदरलैण्ड संवाददाता

अररिया। नरपतगंज प्रखंड के भारत नेपाल सीमा से सटे बसमतिया एसएसबी 56 वीं बटालियन के बीओपी प्रभारी धनंजय कुमार के नेतृत्व में गुप्त सूचना के आधार पर गुरुवार को 83 बोतल नशीली कोरेक्स के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार तस्कर देवकुमार पासवान बेला पंचायत के मिलन चौक वार्ड संख्या चार निवासी बताया जाता है।

गिरफ्तार तस्कर ने बताया कि यह नशीली कोरेक्स बेला पंचायत के वार्ड संख्या आठ निवासी फरेबी यादव का है उन्हीं के घर जा रहे हैं देने के लिए। इस दौरान गिरफ्तार तस्कर एवं फरेबी यादव के स्वजनों ने मौके पर पहुंचकर एसएसबी के साथ दुर्व्यवहार करते हुए गिरफ्तार कोरेक्स तस्कर को छुड़ा लिया और वहाँ हंगामा शुरू कर दिया। इसकी सूचना एसएसबी ने बसमतिया ओपी पुलिस को दिया। मौके पर पुलिस ने पहुंच कर मामले की छानबीन की। छानबीन के दौरान एसएसबी ने पुलिस को इस मामले में लिखित आवेदन देते हुए दो महिला क्रमशः रिंकू देवी, ममता देवी, फरेबी यादव एवं देव कुमार पासवान पर केस दर्ज कराया है। चारों आरोपित बेला पंचायत का निवासी बताया जाता है। बसमतिया ओपी के प्रभारी ओपी अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने बताया कि एसएसबी के द्वारा चार लोगों पर केस दर्ज करवाया गया है। छापेमारी की जा रही है सभी को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

घटिया सड़क निर्माण कार्य को ग्रामीणों ने रोका, दिया धरना

मामला फफौत पंचायत के चकवा गांव से सोनवर्षा जानेवाली मुख्य पथ का

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेगूसराय। शुक्रवार को फफौत पंचायत के चकवा गांव के जगनारायण महतो के गह्वा के समीप से सोनवर्षा जानेवाली मुख्य पथ पर घटिया सड़क निर्माण कार्य को ग्रामीणों ने रोक दिया. तथा निमार्णाधीन सड़क के बगल में सामाग्री के समीप धरना देकर निर्माण कार्य को ठप करवा दिया. सूचना पाकर पहुंचे स्थानीय पंचायत प्रतिनिधियों एवं प्रबुद्धजनों ने आक्रोशित लोगों को समझा बुझाकर शांत किया और संवेदक से त्रुटि में सुधार करवाने का आश्वासन देकर धरना समाप्त किया. बताते चले कि मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क योजना से इस पथ को बनाया जा रहा है. इस पथ की लंबाई 1.950 किलोमीटर है, जिसकी प्राक्कलित राशि एक करोड़ बाइस लाख तीन हजार आठ सौ बारह रुपये है. कार्य आरंभ की तिथि 12 जनवरी 2022 तथा समाप्ति की तिथि 11 जनवरी 2023 अंकित है. निमार्णाधीन सड़क का संवेदक जय माता भगवती कंट्रक्शन एण्ड को. न्यू चाणक्य नगर वार्ड नंबर 38 बेगूसराय है. तथा कार्यकारी एजेंसी कार्यपालक अभियंता ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल मंझौल बखरी है. इनके द्वारा कार्य किया जा रहा है. ग्रामीणों ने घटिया निर्माण का आरोप लगाते हुए कहा कि सड़क पर संवेदक द्वारा प्राक्कलन ग्रामीणों को नहीं दिखाया जा रहा है. तथा प्राक्कलन की अंदेखी करते हुए निमार्णाधीन सड़क पर सिर्फ मिट्टी दिया जा रहा है. जिन- जिन जगहों पर पुलिया का निर्माण किया गया है, वह बिल्कुल घटिया किस्म का है. सड़क में गिट्टी भी महज दो इंच डाला गया है. सड़क पर गुणवत्तापूर्ण निर्माण सामग्री का अभाव देखा जा रहा है. ग्रामीणों द्वारा बार बार शिकायत करने के बावजूद भी संवेदक के कर्मी द्वारा घटिया निर्माण करने से बाज नहीं आ रहे हैं. बाध्य होकर ग्रामीण अखिलेश कुमार महतो, अवधेश कुमार, मुकेश कुमार, राम नरेश महतो, दिनेश महतो, रामबालक महतो, ललन साह, विनोद कुमार, रामलाल महतो, जगदीश महतो, संतोष कुमार, श्रवण कुमार, गणेश कुमार, देवेन्द्र कुमार, मुनीलाल कुमार, बसंत कुमार, सिकंदर कुमार समेत अनेक लोगों ने घटिया सड़क निर्माण से आक्रोशित होकर निर्माण कार्य को रोक दिया और धरना पर बैठ गया. इस संदर्भ में कार्य स्थल पर मौजूद संवेदक के कर्मियों से पूछने पर उनलोगों ने कुछ भी बताने से इनकार कर दिया.

मिलादून नबी का प्रोग्राम रखा गया बारावफात माह के मौके पर

» मदरलैण्ड संवाददाता

पटना। बारावफात माह के मौके पर जगदीशपुर के बिसेनटोला में अशिकाने आला हजरात कमिटी के तरफ से मिलादून नबी का प्रोग्राम रखा गया जिसमें सुबह कुरान खानी एँम शाम मिलादुन नबी का प्रोग्राम रखा गया था ! मिलादून के बाद लंगर खिलाया गया, इसमें सैकड़ों लोगों ने नबी ए पाक की सीरत का गुणगान किया। जगदीशपुर के बड़ी मस्जिद के इमाम हाफिज मोहम्मद रिजवान की अगुवाई में मिलादून नबी पढ़ा गया, और हजरत मोहम्मद शाहब के शान में नात पाक भी पढ़ा गया.

मिलादून नबी के दौरान बड़ी संख्या में बच्चों एँम बूढ़े लोग ने भी हिस्सा लिया अशिकाने आला हजरात कमिटी के अध्य्यक्ष नासिर, सचिव अकबार अंसारी, खजांची शाहबाज अंसारी, सलाहकार, मुहम्मद शाकिर अली, कमालुद्दीन अंसारी, रूस्तम अंसारी, केमिकल अली मेम्बर अंसारी कादिर अली, सलीम, सदाम, इसराज, मजहर, तजमुल, अरमान, सुहेल, मूनना, और बिशेनटोला सारा परिवार मौजूद रहे !

भैंस को नदी के पार करने के क्रम में नदी में डूबा युवक, खोज जारी

» मदरलैण्ड संवाददाता

नरपतगंज/सोनापुर। शुक्रवार को बथनाहा ओ०पी थाना क्षेत्र के सोनापुर पंचायत के वार्ड नं०-13 निवासी राजेश यादव का 16 वर्षीय पुत्र नीरज यादव पोखरिया स्थित बूढ़ी परमान नदी में भैंस को नदी पार कराने क्रम में डूब गया।

मौके पर उपस्थित लोगो के अनुसार घटना उस समय की है जब नीरज अपने कुछ साथियों के साथ भैंस की पूछ पकड़ कर नदी पार कर रहा था इसी क्रम में बीच नदी में जाने पर अचानक नीरज की हाथ से भैंस का पूछ छूट गया जिस कारण नीरज नदी में तेज धार होने की वजह से डूब गया। तद्पश्चात चश्मदीतो ने तुरंत इसकी सूचना सीएसपी संचालक प्रमोद यादव को दिया। श्री यादव ने सूचना मिलते ही मौके पर पहुँच कर स्थानीय लोगो की सहायता से नदी में डूबे युवक की खोज-बीन करने में लग गए एवं श्री यादव ने त्वरित इस घटना की सूचना बथनाहा थाना अध्यक्ष,सीओ नरपतगंज एवं विधायक नरपतगंज को दी। सीओ शंभु प्रकाश ने एसडीआरएफ अररिया को जानकारी दी। संध्या के करीब 5:30 बजे एसडीआरएफ की टीम पहुँची। लेकिन देर शाम होने कारण जाने खोजबीन नही हो पायी। अब पुनः शनिवार को नीरज की खोज एसडीआरएफ की टीम करेगी। मौके पर एएसआई जेपी सिंह, राजस्व कर्मचारी अवधेश सिंह, राजस्व अधिकारी समेत सैकड़ो ग्रामीण उपस्थित थे।

तरैया में बीडीसी की बैठक सम्पन्न, बिजली व फसल क्षतिपूर्ति का छाया रहा मुद्दा

» मदरलैण्ड संवाददाता

छपरा। तरैया प्रखंड मुख्यालय स्थित सभा कक्ष में शुक्रवार को प्रखंड प्रमुख प्रीति कुमारी की अध्यक्षता बीडीसी की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से बिजली विपत्र, फसल क्षतिपूर्ति व पीएम आवास योजना का मुद्दा मुख्य रूप से छाया रहा। माधोपुर पंचायत के मुखिया सुशील कुमार सिंह ने माधोपुर, डुमरी व चंचलिया पंचायत के लगभग दर्जनों गांव में बाढ़ के पानी से क्षतिग्रस्त फसलों का आकलन कर क्षतिपूर्ति व मुआवजे के लिए जिला मुख्यालय को रिपोर्ट भेजने का मुद्दा उठाया। वहीं बिजली विभाग द्वारा विद्युत विपत्रों में सुधार के लिए पंचायतवार शिविर लगाकर उपभोक्ताओं की समस्या का समाधान करने की मांग उठाई। वहीं सदन में जेई के जबाब से असंतुष्ट सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया। जिसके बाद कार्यपालक पदाधिकारी ने मामले को शांत कराया। तरैया मुखिया संघ के अध्यक्ष मुकेश कुमार यादव ने गंडक नहर में बिना रेलिंग वाले पुल के रेलिंग निर्माण की मांग को उठाया। वहीं दाखिल खारिज का ससमय निपटारा करने की भी मांग रखी गई। इस दौरान प्रखंड मुख्यालय में आधार सेवा शुरू कराने तथा पंचायत में आरटीपीएस काउंटर चालू कराने, तरैया में चल रहे अवैध नर्सिंग होम पर भी अंकुश लगाने समेत अन्य मुद्दों व योजनाओं पर चर्चा की गई। जिस पर बीडीओ सह कार्यपालक पदाधिकारी कृष्ण कुमार सिंह ने सर्वसम्मति से सभी योजनाओं व मुद्दों पर चर्चा कर उसे पारित किया। मौके पर सीओ अंकु गुप्ता, राजस्व पदाधिकारी गोपाल कुमार, मुखिया संघ के अध्यक्ष सह भागवतपुर पंचायत के मुखिया मुकेश कुमार यादव, माधोपुर मुखिया सुशील सिंह, मुखिया जयश्री देवी, सुशीला कुमारी, प्रेमा देवी, बीडीसी माधुरी सिंह, अनु कुमारी, काजल सिंह, आंगनबाड़ी पर्यवेक्षिका पूनम कुमारी समेत शिक्षा, स्वास्थ्य समेत अन्य विभागों के पदाधिकारी व कर्मी उपस्थित थे।

राज्य स्तरीय टीम ने मिशन 60 दिवस से जुड़ी उपलब्धियों का किया निरीक्षण

अस्पताल में उपलब्ध सेवा व सुविधाओं में गुणात्मक सुधार की हो रही कवायद

» मदरलैण्ड संवाददाता

अररिया। मिशन 60 दिवस के तहत सदर अस्पताल के कायाकल्प का प्रयास जारी है। सदर अस्पताल की क्रियाशीलता व दृष्टिगत बदलाव सुनिश्चित कराने को लेकर युद्धस्तर पर प्रयास जारी है। इसके लिये रंग-रोगन से लेकर इलाज के लिये पूरे जिले से आने वाले मरीज व उनके परिजनों की सुविधाओं में ध्यान में रखते जरूरी सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। मिशन 60 दिवस के तहत अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं के गुणात्मक सुधार को लेकर किये जा रहे प्रयास का शुक्रवार को दो सदस्यीय राज्य स्तरीय टीम ने निरीक्षण किया।

उपलब्धियों की समीक्षा करना निरीक्षण का उद्देश्य

निरीक्षण के लिये सदर अस्पताल पहुंची दो सदस्यीय टीम में शामिल स्टेट हेल्थ सोसाइटी के रंजन कुमार व यूनिसेफ के राकेश कुमार ने संयुक्त रूप से बताया कि मिशन 60 दिवस के तहत अस्पताल में उपलब्ध सेवाओं का पूर्व भी मूल्याकंन किया गया था। मूल्याकंन के नतीजों के आधार पर जरूरी सेवा व सुविधाओं को विकसित करने को लेकर जरूरी सुधाव अस्पताल प्रशासन को दिया गया था। इसे लेकर निरंतर कार्य संचालित किये जा रहे हैं। इससे जुड़ी उपलब्धियों की समीक्षा करना निरीक्षण का मूल उद्देश्य है। मिशन के तहत जो विकासात्मक व संस्थागत स्तर पर संचालित कार्य संतोषजनक हैं। इसमें जो थोड़ी बहुत कमियां मिली है। उसमें सुधार को लेकर अधिकारियों को निर्देशित किया गया है।

सुव्यवस्थित ढंग से सेवाओं का लाभ पहुंचाना उद्देश्य

अस्पताल अधीक्षक डॉ जीतेंद्र प्रसाद ने बताया कि मिशन 60 दिवस में कई महत्वपूर्ण आयाम को शामिल किया गया है। जो मरीज व उनके परिजनों की सुविधा, सेवाओं की गुणवत्ता, जरूरी सेवाओं तक लोगों की आसान पहुंच के साथ-साथ अस्पताल को सुव्यवस्थित व सुसज्जित करने से जुड़े हैं। मिशन का उद्देश्य बेहतर चिकित्सकीय माहौल का निर्माण करना है। रेफरल सेवाओं की मजबूती, एम्बुलेंस सेवाओं का सुदृढीकरण, ओपीडी व इमरजेंसी सेवाओं का बेहतर संचालन, मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की मजबूती अस्पताल परिसर में स्वच्छ व सुंदर बनाने से जुड़े कई महत्वपूर्ण पहलू इसमें शामिल हैं।

सुविधाजनक होगा अस्पताल में इलाज की प्रक्रिया

अस्पताल प्रबंधक विकास आनंद ने बताया कि मिशन 60 दिवस के तहत निर्धारित कार्य आगामी 16 नवंबर तक पूरे किये जाने हैं। युद्धस्तर पर इसके लिये प्रयास किये जा रहे हैं। अस्पताल के रंग-रोगन कराया जा रहा है। रोगी के परिजनों के लिये अस्पताल परिसर में संचालित एसएनसीयू यूनिट के सामने प्रतीक्षालय का निर्माण, स्वच्छ पेयजल व शौचालय का इंतजाम, अस्पताल परिसर में जगह चिह्नित कर गार्डन व पार्किंग के इंतजाम को दुरूस्त किया गया है। अस्पताल में उपलब्ध सभी जरूरी सुविधाएं डिजिटल डिस्पले के माध्यम से प्रदर्शित करने सहित साइनेज के माध्यम से विभिन्न वार्डों के निर्धारित मार्ग को दशार्ने के साथ-साथ निरंतर सेवाओं व सुविधाओं की जानकारी इलाज के लिये आने वाले मरीजों तक पहुंचाने का इंतजाम किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

किसके कब्जे में है नवनिर्मित बस स्टैंड निमौल

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। लाखों की राशि से बना बस स्टैंड अब दबंगों के कब्जे में है।जिस उद्देश्य से बस स्टैंड का निर्माण कराया गया था उसकी पूर्ति नहीं हो पा रही है इसे चाहे सरकारी राशि का दुरुपयोग कहें या प्रशासनिक अधिकारी की लापरवाही का नतीजा चाहे जो भी हो सरकारी राशि से बना बस स्टैंड का यहां काफी दुरुपयोग किया जा रहा है ग्रामीणों की माने तो गांव के कुछ दबंग किस्म के लोग हैं यहां पर बालू का ढेर रखकर बस स्टैंड को अपने कब्जे में कर लिया है जिस उद्देश्य से बना यह बस स्टैंड उसकी पूर्ति तो होना दूर की बात है यात्रियों को बैठने की जगह तक नहीं मिल पाती है ग्रामीणों में कुछ लोग नाम नहीं छापने की शर्त पर बस स्टैंड को दबंगों के कब्जे से मुक्ति दिलाते हुए दबंगों के विरुद्ध प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई किए जाने की जिला पदाधिकारी कटिहार से मांग की है।

अपहरण एवं बालात्कार के अभियुक्त जेल गया

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। नाबालिग लड़की के साथ अपहरण एवं बलात्कार के प्राथमिक अभियुक्त सुमन कुमार शर्मा साकिन पकड़िया को प्राणपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा। उक्त घटना की जानकारी देते हुए थाना अध्यक्ष अमजद अली ने बताया कि कोर्ट परिवाद पत्र के आधार पर कांड दर्ज कर अनुसंधान किया गया। जिसमें प्राथमिकी अभियुक्त की गिरफ्तारी कर जेल भेजा गया।

हत्या को लेकर थाना में प्राथमिकी दर्ज चार गिरफ्तार

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। कटिहार जिला के कोढ़ा थाना क्षेत्र के मथुरा गांव में 31 वर्षीय पवन महाल्दार की हत्या को लेकर कोढ़ा थाना प्राथमिकी दर्ज हुई है जिनमे 10 लोगों को नामजद अभियुक्त बनाया गया है। जिनमे एक पुरुष सहित तीन महिला को कोढ़ा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। घटना के बारे में बताया जाता है कि पूर्णिया जिले के रानीपतरा थाना क्षेत्र के दीवानगंज निवासी 31 वर्षीय पवन महलदार बीते दिनों दुर्गा पूजा मेला देखने अपने ससुराल आया था पत्नी से पैसे की लेनदेन को लेकर नोकझोंक हुई थी जिस मामले को लेकर शाम को घर लौटा और अपने सास दिव्यादेवी के हाथ पर कई जगह वार कर दिया जिससे वह बुरी तरह जख्मी हो गई धटना लेकर ग्रामीणों ने पवन महालदार के साथ मारपीट भी की उसी रात ससुराल में ही पवन महलदार ने गले में फासी लगाकर आत्महत्या कर ली। इधर मृतक के भाई रूपेश महालदार ने पुलिस को बताया कि दुर्गा पूजा में भाभी अपनी बहन के साथ दीवानगंज आई थी वहां से लौटकर ससुराल गए जहां पर भाभी और भैया के ससुराल वाले ने मिलकर इनकी हत्या कर दी रूपेश महालदार ने भाभी के अलावे राजू मालदार अमर मालदार दुखवा मालदार प्रमोद मालदार दशरथ मालदार शंकर महलदार मीना देवी पार्वती देवी को नामजद करते हुए हत्या का आरोप लगाकर कोढ़ा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई इधर कोढ़ा पुलिस ने गौरी देवी पार्वती देवी शंकर मालदार तथा मीना देवी को गिरफ्तार कर पुलिस हिरासत में लिया है थानाध्यक्ष रूपक रंजन सिंह ने कहा कि शव को देखने से प्रथम दृष्टया में ऐसा प्रतीत होता है कि मृतक पवन महालदार परिवारिक झंझट से तंग आकर आत्महत्या किया हो। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची कोढ़ा पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराकर मृतक के परिजनों को सौंप दी है।

क्षेत्र के आम लोगों को घर बैठे मिलेगा गृह सज्जा का सस्ता एवं अच्छा सामान, खोदावन्दपुर में एबीसी ट्रेडर्स का विधायक ने किया उद्घाटन

मदरलैण्ड संवाददाता, बेगूसराय। शुक्रवार को एबीसी ट्रेडर्स खोदावन्दपुर का शुभारंभ किया गया. इस प्रतिष्ठान का उदघाटन स्थानीय विधायक सह बिहार विधानसभा में राजद के मुख्य सचेतक राजवंशी महतो, पूर्व गन्ना राज्य मंत्री अशोक कुमार एवं एबीसी ट्रेडर्स के व्यवस्थापक अजय कुमार ने संयुक्त रुप से फीता काटकर तथा दीप प्रज्वलित कर किया. इस मौके पर सत्तारूढ़ दल के सचेतक श्री महतो ने इस प्रतिष्ठान के खुलने पर प्रसन्नता जताई. उन्होंने कहा कि गृह सज्जा से जुड़ें सामानों के लिए क्षेत्र के लोगों को दूर दराज के बाजारों में जाना पड़ता है. यह सौदा काफी महंगा साबित होता है. अब क्षेत्र के लोगों को कहीं दूर जाने की जरूरत नहीं होगी. उन्होंने कहा कि पूरे चेरिया बरियारपुर विधानसभा क्षेत्र में यह अपने तरह का एक अलग प्रतिष्ठान है. इस संस्थान के व्यवस्थापक की जितनी प्रशंसा की जाए, कम होगी. विधायक ने कहा कि खोदावन्दपुर प्रखंड क्षेत्र के सभी आठ पंचायतों में विकास योजनाओं का शुभारंभ जल्द ही किया जायेगा. आगामी आठ दिनों के अंदर प्रत्येक पंचायतों में एक- एक योजना विधायक निधि से शुरू किया जायेगा. इस अवसर पर एबीसी ट्रेडर्स के व्यवस्थापक व तारा गांव निवासी अजय कुमार ने कहा कि गृह निर्माण लोगों की जरूरत है. घर के साज सज्जा के सामानों के लिए यह प्रतिष्ठान खोला गया है. टाइल्स, किचेन, सैनेटरी, मारबल, पाइप फिटिंग्स, ग्रेनाइट, टैंक सहित ब्रांडेड कंपनी के गृह निर्माण की जरूरत से जुड़ें अच्छा सामान थौक एवं खुदरा उचित मूल्य पर आम लोगों के लिए उपलब्ध है. खासकर गरीब गुरवे लोगों के हित को ध्यान में रखते हुए इस प्रतिष्ठान को खोला गया है. मौके पर समाजसेवी राम गुलजार महतो, राज नारायण चौधरी, देवेन्द्र, संजय कुमार, राजेन्द्र महतो, रामकुमार वर्मा, सुरेन्द्र राम, उमेश साह, ऋषिकेश कुमार सहित दर्जनों गणमान्य लोग मौजूद थे. इससे पूर्व एबीसी संस्थान के निदेशक अजय कुमार ने स्थानीय विधायक को फूल मालाओं एवं गुलदस्ता भेंटकर उन्हें स्वागत किया.

ललन सिंह के नजदीकी गब्बू सिंह के दो ठिकानों पर आईटी ने मारा छापा

पटना, एजेंसी। पटना में आयकर विभाग ने जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह के करीबी गब्बू सिंह के दो ठिकानों पटना के शिवपुरी और पटेल नगर में छापा मारा है। छापेमारी में गब्बू सिंह के पास से क्या-क्या बरामदगी हुई है। इसकी जानकारी आईटी टीम ने अभी नहीं दी है। जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा है कि जो भी भाजपा के विरोध में होता है, उसके विरुद्ध ईडी, सीबीआई और आईटी एजेंसियां छापेमारी करवाई जाती है। ललन सिंह ने कहा कि इससे कोई डरने वाला नहीं है, न ही दबाव में आने वाला है। भाजपा के लोग इन केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग अपने विरोधियों को दबाने के लिए कर रहे हैं।

जिला मुख्यालय में जदयू का एक दिवसीय धरना प्रदर्शन आयोजित

» मदरलैण्ड संवाददाता

अररिया। जिला जनता दल यूनाइटेड के तत्वावधान में गुरुवार को आरक्षण विरोधी भाजपा के पोल खोल अभियान के तहत अररिया जिला समाहरणालय धरना स्थल पर अररिया जिला जनता दल यू के अध्यक्ष आशीष पटेल की अध्यक्षता में विशाल धरना आयोजित हुआ। धरना स्थल पर पटना से नियुक्त प्रदेश धरना प्रभारी जनता दल यू के प्रदेश प्रवक्ता अरविंद निषाद मुख्य रूप से धरना कार्यक्रम में शामिल हुए। जिला स्तरीय धरना को संबोधित करते हुए प्रदेश प्रवक्ता अरविंद निषाद ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी साजिश कर अति पिछड़ा वर्ग के आरक्षण को समाप्त कर आना चाहती है। आरक्षण पर भारतीय जनता पार्टी का दोहरा चरित्र आज समाज में प्रदर्शित हो रहा है। श्री निषाद ने बताया कि 2006 और 2007 में विशेष कानून बनाकर और विशेष कानून पर सुप्रीम कोर्ट के मुहर लगने के बाद बिहार में पंचायती राज चुनाव एवं नगर निकाय चुनाव में अति पिछड़ा वर्ग को 20% का आरक्षण प्रदान किया था। उस आरक्षण के तहत बिहार में चार बार पंचायतों का चुनाव संपन्न हो चुका और नगर निकायों का तीन बार चुनाव संपन्न हो चुका है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने न्यायिक सेवाओं में भी अति पिछड़ा वर्ग के लोगों को आरक्षण प्रदान कर न्याय की कुर्सी पर बैठाने का काम किया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अति पिछड़ा वर्ग के महानायक के रूप में आज स्थापित है। आगे जब कभी चुनाव होगा अति पिछड़ा वर्ग को आरक्षण प्रदान कर नगर निकायों का चुनाव कराया जाएगा। जिला अध्यक्ष आशीष पटेल ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी बिहार के अति पिछड़ा वर्ग के साथ दोयम दर्जे का व्यवहार कर रही है। भारतीय जनता पार्टी अति पिछड़ा वर्ग को छल करने का काम कर रही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अति पिछड़ा वर्ग के साथ छल होने नहीं दे सकते हैं। जदयू के प्रदेश महासचिव शगुफ्ता अजीम शामिल धरना को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाओं को अति पिछड़ा वर्ग के आरक्षण के सवाल पर भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ आगे आना चाहिए। प्रदेश महासचिव भगवान चौधरी सभा में शामिल होकर आरक्षण बचाने के लिए जनता दल यू परिवार को आगे आने के लिए कार्यकर्ताओं को बधाई दी। पूर्व विधायक व प्रदेश उपाध्यक्ष पदम पराग वेणु जी ने धरना को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी आरक्षण विरोध का चेहरा लिए 2024 के चुनाव में कैसे वोट मांगेगी , भाजपा को वोट मांगने का नैतिक अधिकार नहीं है। मंच संचालन करते हुए सीताराम मंडल ने कहा कि आरक्षण के लिए अति पिछड़ा समाज जी जान लगा देगा हर हाल में आरक्षण को बरकरार रखने के लिए जनता दल यूनाइटेड के कार्यकर्ता सड़क पर उतर कर के भाजपा का विरोध करते रहेंगे। धरना पर उपस्थित विधायक अचमित ऋषि देव ने संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी आरक्षण के नाम पर देश के पिछड़े वर्ग के लोगों को ठगने का काम करती है और भाजपा के ढोंग के खिलाफ पूरे बिहार में जदयू कार्यकर्ता आगे आ रहे हैं। धरना में प्रमुख रूप से पूर्व जिला अध्यक्ष नौशाद आलम, नगर अध्यक्ष राम जी सिंह, जिला प्रवक्ता सुनील चंद्रवंशी, जिला उपाध्यक्ष रमेश सिंह, जिला परिषद सदस्य सत नारायण यादव जी, रेशम लाल पासवान, नवीन श्रीवास्तव, उपेंद्र मंडल, राजू मंडल, नटवर ठाकुर, गुड्डू अली, मेराज आलम, मोहम्मद सोनू, संजय राय, आदिल, मुख्तार, मेराज हसन, आदर्श गोयल सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए।

गैरमजरूआ आम रास्ता की जमीन पर अवैध कब्जाधारियों के घर प्रशासन का चला बुलडोजर 4 मकान ध्वस्त, कई परिवार के आशियाने उजड़ें

» मदरलैण्ड संवाददाता

पटना। पटना हाईकोर्ट के निर्देश पर बेगूसराय जिले के छौराही प्रखंड के बथौल गांव में 4 घरों को तोड़कर अतिक्रमण हटाने का काम प्रशासन द्वारा किया गया है। कई वर्षों से गैरमजरूआ आम रास्ते की जमीन पर घर बनाकर रह रहे इन परिवारों के घरों पर बुलडोजर चलाया गया। शुक्रवार 14 अक्तूबर की सुबह अनुमंडल पदाधिकारी मंझौल मुकेश कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सत्येंद्र कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी छौराही रवि कुमारी, अंचलाधिकारी छौराही विजय प्रकाश, राजस्व अधिकारी छौराही पूजा शर्मा , छौराही ओपी प्रभारी राघवेंद्र कुमार, अंचलाधिकारी चेरिया बरियारपुर योगेश दास, खोदावंदपुर वीडियो राघवेंद्र कुमार, एवं भारी संख्या में पुलिस बल और बुलडोजर लेकर अतिक्रमण हटाने पहुंचे। बल पूर्वक घर से लोगों को निकालते हुए बुलडोजर चलाकर पक्का मकान को तोड़कर अतिक्रमण हटाने का काम शुरू कराया गया। अतिक्रमण मुक्त अभियान में सर्वाधिक क्षति विनोद कुमार सिन्हा की हुई है। जिसपर उन्होनें अंचल प्रशासन की कार्यशैली पर नाराजगी जताई है। उन्होनें बताया कि वर्ष 1948 से ही उक्त भूमि पर निवास करते आ रहे हैं और जीवनयापन के लिए किराने की दुकान में नौकरी कर परिवार का भरण-पोषण कर रहा हूं। घर की माली हालत ठीक नहीं है और पूरी कमाई बच्चों की पढाई लिखाई तथा अन्य कार्यो में खर्च हो जाया करता था। तब लोन लेकर बड़ी मुश्किल से मकान बनाया। परंतु कोर्ट में कब मामला गया यह पता नहीं चला और तीन-चार दिन पूर्व जब किसी कार्य से अंचल गये तो वहां नोटिस थमा दिया गया और आज बुलडोजर लेकर प्रशासन मकान ढाहने के लिए पहुंच गयी। जबकि उक्त खाता खेसरा में अन्य लोगों का भी मकान बना है और उसे छोड़ दिया गया है। उनका आरोप था कि हमलोगों को मोहलत नहीं दिया गया और हम सपरिवार सड़क पर आ गए। अतिक्रमण खाली कराने पहुंचे पदाधिकारियों ने बताया कि पूर्व में भी इन लोगों को घर खाली करने की नोटिस दे दी गई थी, लेकिन इन लोगों के द्वारा घर नहीं खाली किया गया था जिसके बाद आज यह कार्रवाई की गई है। पीड़ित एक पक्ष ने कहा- नहीं मिली मोहलत आ गए सड़क पर। हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट का खटखटाएगें दरवाजा। बहरहाल, जिन लोगों के घरों पर बुलडोजर चल रहा है, उनके समक्ष रहने खाने का संकट पैदा हो गया है।

फर्जी सर्टिफिकेट पर नौकरी कर रही शिक्षिका पर प्राथमिकी दर्ज

प्राथमिक विद्यालय गोड़राहा में थी कार्यरत

» मदरलैण्ड संवाददाता

अररिया। जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय अररिया के निदेर्शानुसार प्राथमिक विद्यालय गोपाल प्रसाद मंडल गोड़राहा विद्यालय में पदस्थापित शिक्षिका सुनीता कुमारी पर फर्जी शैक्षणिक प्रमाण पत्र पर नौकरी करने की पुष्टि होने के बाद पंचायत नियोजन इकाई के सचिव ने शुक्रवार को नरपतगंज थाना में प्राथमिकी दर्ज कराया है। वर्ष 2006 में नियोजन में दिये गये शिक्षिका द्वारा झारखंड से निर्गत इंटर का सर्टिफिकेट फर्जी होने की पुष्टि हो जाने के बाद शिक्षिका पर प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। बताते चलें कि स्थानीय ग्रामीणों द्वारा शिक्षिका का प्रमाण पत्र फर्जी होने की जांच की मांग की गई थी। विभाग द्वारा जांचोपरांत शिक्षिका का प्रमाण पत्र फर्जी साबित हुआ। तत्पश्चात नियोजन इकाई को तीन दिनों के अंदर प्राथमिकी दर्ज कराने का निर्देश दिया गया था। पंचायत सचिव रफीक आलम ने बताया कि पंचायत शिक्षिका सुनीता कुमारी से स्पष्टीकरण भी पूछा गया लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। मामले की पुष्टि करते हुए नरपतगंज थानाध्यक्ष शैलेश कुमार पांडे ने प्राथमिकी दर्ज कर विधिसंगत कार्रवाई करने की बात कही। वहीं लोगों ने बताया उक्त विद्यालय विगत दो वर्षों से फर्जी शिक्षिका के कारण किसी न किसी रूप मे विवादों और चर्चा में बना ही रहा है।

बिहार- शराबबंदी से बेपरवाह दफ्तर में मदिरा का आनंद उठा रहा था सरकारी कर्मचारी

बेगूसराय, एजेंसी। बिहार में भले ही शराबबंदी है पर यहां मदिरा के शौकीनों को इसकी परवाह नहीं है ऐसा ही एक मामला बेगूसराय ज़िले से सामने आया है। यहां एक सरकारी कर्मचारी के दफ्तर में ही शराब पीने का वीडियो वायरल हुआ तो अब डीएम ने जांच बिठा दी है। लेकिन चर्चा यह है कि शराबबंदी का दावा करने वाले बिहार में शराबबंदी की सच्चाई क्या है ! असल में इस वीडियो के साथ एक और वीडियो भी सोशल मीडिया पर चलता रहा, जिसमें शराब पीने वाला यही सरकारी कर्मचारी एक व्यक्ति को धमकाता हुआ भी देखा गया।

हर साल बिहार के सरकारी कर्मियों को शराब न पीने और शराबबंदी को लागू करने की शपथ दिलाई जाती है। इसके बावजूद सरकारी कर्मचारी ही आदेश को ठेंगा दिखाते हुए दफ्तर में बैठकर दिन-दहाड़े शराब पीते देखे जाते हैं। ऐसे ही एक मामले का वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। वीडियो के वायरल होने के बाद बेगूसराय के डीएम रोशन कुशवाहा ने कहा कि जांच रिपोर्ट आने पर वीडियो में दिख रहे सरकारी कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। दावा किया जा रहा है कि वायरल वीडियो में सरकारी कार्यालय में शराब पीता हुआ व्यक्ति बेगूसराय ज़िले के बछवाड़ा अंचल के नाजिर अजीत कुमार हैं। इस वीडियो में यह भी दिख रहा है कि दिन के समय ही टेबल पर विदेशी शराब की बोतल रखकर शराब पी जा रही है। उस वक्त नाजिर के साथ उनका एक साथी भी शराब पी रहा था। बताया यह भी जा रहा है कि एक अन्य वीडियो भी वायरल हुआ है, जिसमें वह एक व्यक्ति को धमकाते नजर आ रहे हैं। शराब पीने के इस वीडियो के वायरल होने के बाद डीएम कुशवाहा ने बताया कि जांच के लिए एडीएम के नेतृत्व में जांच टीम बनाई गई है, जो मामले की सत्यता और गंभीरता को लेकर अपनी रिपोर्ट जल्द ही पेश करेगी।

आरा के जैन कॉलेज के कॉलेज अध्यक्ष बने अंकित पाण्डेय

» मदरलैण्ड संवाददाता

पटना। आज अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जैन महाविद्यालय आरा द्वारा नूतन छात्र अभिनंदन कार्यक्रम सह ईकाई गठन हुआ, कार्यक्रम का उद्घाटन अभाविप के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य छोटू सिंह,जैन कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रो. डॉ नरेन्द्र सिंह,चंदन तिवारी और पूर्ति माहौर ने किया। छात्रो को संबोधित करते हुए छोटू सिंह ने कहा कि आज देश के निर्माण में युवाओं की भूमिका बढ़ती जा रही है। आज देश के समस्त युवाओं को भारतमाता की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहना होगा, विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता समर्पित होकर राष्ट्र के लिए कार्य कर रहे हैं,चंदन तिवारी ने बताया कि स्थापना काल से ही विद्यार्थियों तथा समाज के हित लिए संगठन कार्य करता आ रहा है, देश में जब भी समस्या पैदा होती है, हमारे संगठन के कार्यकर्ता सब कुछ त्यागकर मातृभूमि की सेवा में लग जाते हैं, प्रधानाचार्य नरेंद्र सिंह ने छात्रों को नियमित कालेज आने के लिए आहवान किया और कहा की छात्र-छात्राओं को पठन पाठन में कोई भी दिक्कतें आती हैं तो वे हमें मिले। पूर्ति माहौर ने कहाँ कि जब तक हम नियमित ढंग से क्लाससे नही आयेंगे, छात्रों की समस्या का समाधान नहीं हो सकता है विद्यार्थी परिषद का मुख्य आधार 75% छात्र/ छात्राओं की उपस्थति है, कार्यक्रम का संचालन तिवारी सूर्यमणि ने किया, वहीं धन्यवाद ज्ञापन वर्तमान कालेज अध्यक्ष अंकित पाण्डे ने किया। वही इस मौके पर प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य चंदन कुमार, ऋतुराज चौधरी, नगर मंत्री हिमांशु रंजन,राजन कुमार,उज्वल कुमार इत्यादि सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

नई इकाई की सूची निम्न है।

अध्यक्षः- अंकित पाण्डेय
उपाध्यक्षः-अमन सिंह, रिंकू कुमारी,राज तिवारी,अभिषेक यादव
कॉलेज मंत्रीः- शौर्य पाठक
सह मंत्रीः- आकाशयादव, मनीषाकुमारी,रिया कुमारी, शिवम सिंह
SFD प्रमुखः- उत्तम सिंह
SFD सह प्रमुखः- आदित्य वर्मा
SFS प्रमुखः- निखिल देव
SFS सह प्रमुखः- मोह8त कुमार
राष्ट्रीय कला मंच प्रमुख :-मनीषा केशरी
राष्ट्रीय कलामंच सह प्रमुखः- रितेश चौरसिया
विज्ञान संकाय प्रमुख :-कृष्णा कुमार
वाणिज्य संकाय प्रमुखः-गोलू कुमार
कला संकाय प्रमुखः-पवन कुमार
क्रीड़ा प्रमुखः-प्रशान्त पांडेय
क्रीड़ा सह प्रमुखः-शुभम कुमार मिश्रा
NSS प्रमुखः- निभा कुमारी
NCC प्रमुखः- तनु प्रिया
कॉलेज कार्यकारणी सदस्यः- रितिक कुमार, कौशल कुमार, प्रफुल कुमार, रोहित कुमार

64 दिन बीतने के बाद भी नन्हें रय्यान को नहीं ढूंढ सकी सिमराहा की पुलिस

अपराधी भी पुलिस के साथ खेल रहा है आंख मचोली

» मदरलैण्ड संवाददाता

अररिया। थाना क्षेत्र के डोरिया सोनापुर गांव का बहुचर्चित अपहरण कांड की गुथी सुलझाने में विफल सिमराहा की पुलिस चार वर्षीय रय्यान को गायब करने में संलिप्त दो अन्य आरोपियों के साथ आंख माचोली खेल रही है। जबकि दो आरोपित घटना के कुछ दिन बाद से ही जेल की हवा खा राहा है। रय्यान के पिता मो इमरान के द्वारा कुल चार लोगों को इस मामले में आरोपित किया गया है। इमरान ने बताया की मुझे पुलिस अधीक्षक द्वारा विश्वास दिलाया गया है कि रय्यान को खोजने का हर संभव प्रयास किया जा रहा है। विशेष जाँच टीम गठित किया गया है। टेकनिकल शेल अपना काम कर रही है। हमारी पुलिस बच्चे को खोजने में पूरी ताकत झोंक रही है। इधर घटना में शामिल व पूर्व पंचायत समिति सदस्य नजमूल हक तथा वार्ड नंबर नौ निवासी मो इमाम इतने दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस की पहुंच से दूर है। गठित जांच टीम द्वारा उनके आवास पर छापेमारी भी की जा रही है और एक सप्ताह के भीतर समर्पन नहीं करने पर कुर्की जब्ती की चेतावनी भी दी जा रही है। ज्ञात हो की दस अगस्त को शाम में अपने माता पिता का एकलौता पुत्र लगभग चार वर्षीय रय्यान का अपहरण किया गया था। तब से आज तक रय्यान का कुछ भी अता पता नहीं चल सका है। गांव में तो जितनी मुंह उतनी बातें हो रही है। मगर परिजनों की आंखें अब भी मासूम से बच्चे के लिए ललक रही है। उन्हें रय्यान के सकुशल वापसी का पुरा भरोसा है।

उत्क्रमित मध्य विद्यालय सागी हिन्दी में खिड़की का छड़ काटकर चोरों ने 14 बोरा चावल किया गायब, जांच में जुटी पुलिस

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेगूसराय। प्रखंड क्षेत्र के उत्क्रमित मध्य विद्यालय सागी हिन्दी में गुरुवार की बीती रात अज्ञात चोरों ने खिड़की का छड़ काटकर चौदह बोरा चावल गायब कर दिया. तथा विद्यालय के कार्यालय में रखें बक्सा एवं गोदरेज का ताला भी तोड़ दिया. शुक्रवार की सुबह जब विद्यालय खुली तो देखा कि कार्यालय का खिड़की का छड़ ग्रेंडर मशीन से काटकर चोरों ने अंदर प्रवेश किया और कार्यालय में रखें पंद्रह बोरा चावल में से लगभग चौदह बोरा चावल समेत अन्य सामग्री गायब पाया. तब जाकर विद्यालय के प्रधानाध्यापक केशरी साहु ने इसकी सूचना पंचायत प्रतिनिधियों, विभागीय अधिकारियों एवं स्थानीय प्रशासन को दी. घटना की सूचना मिलते ही पंचायत के मुखिया इरशाद आलम, उपमुखिया चन्द्रशेखर दास, विद्यालय शिक्षा समिति की सचिव प्रियंका देवी, राजद प्रखंड अध्यक्ष जियाउर रहमान उर्फ सैफी, ग्रामीण प्रमोद महतो, रामबदन दास, राजकरण दास, जनक महतो, योगेन्द्र महतो, ललित कुमार निराला, राम नारायण महतो, महेश महतो, पंकज कुमार, सुमन कुमार, किशन कुमार, ओकेश कुमार, अजय कुमार, मनीष कुमार, रामजीवन महतो समेत अनेक लोगों ने विद्यालय पहुंचकर उपस्थित शिक्षकों से आवश्यक जानकारी प्राप्त की तथा इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दिया. सूचना मिलते ही खोदावन्दपुर थाना के पीटीए रामजी प्रसाद ने दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की गहन जांच पड़ताल करने में जुट गयी. तथा उपस्थित लोगों को आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया. वहीं विद्यालय प्रधान केशरी साहु ने बताया कि इससे पूर्व 25 एवं 29 जून 2022 की रात भी अज्ञात चोरों ने 16 बोरा चावल गायब कर दिया था. जिसकी सूचना स्थानीय थाना एवं विभागीय अधिकारियों को भी दिया जा चुका है.यह विद्यालय में चोरी की तीसरी घटना है.

संक्षिप्त समाचार

बगहा के मझौवा मे विधुत विभाग ने कैम्प लगा कर वसुला 1.35 लाख रुपये

मदरलैण्ड संवाददाता, बेतिया। पश्चिम चम्पारण पुलिस जिला के बगहा अनुमंडल अंतगर्त बगहा एक प्रखंड के मझौवा पंचायत मे विधुत विभाग ने विशेष शिविर का आयोजित कर चौतरवा विधुत प्रशाखा ने हमीरा गांव में 1 लाख 35 हजार 2 सौ 67 रुपये की राशि शुक्रवार को उपभोक्ताओं से वसुल की है। विधुत विभाग के कार्यपालक अभियंता आलोक अमृतांशु के आदेश के आलोक में विशेष विधुत अभियान के तहत उक्त वसुली की गई। विभागीय एसडीओ मनोज कुमार साह ने बताया कि विधुत विभाग के वरीय अधिकारियों के आदेश के आलोक में प्रत्येक पंचायत के गांवों में शिविर आयोजित कर बकायेदारों से विधुत बिल वसुली की जा रही है। उन्होंने बताया कि चौतरवा विधुत प्रशाखा की इस माह की 80 लाख रुपये की वसुली की लक्ष्य रखा गया है। अभी तक 22 लाख रुपये की वसुली हो पाई है। उन्होंने बताया कि लक्ष्य को पुरा करने के लिए विधुत कर्मी चंदन कुमार श्रीवास्तव, सुजीत कुमार, मनोज मिश्रा, सुनिल राम, शशि गिरि के नेतृत्व में विशुनपुरवा, चौतरवा व हमीरा मे अलग अलग कैम्प लगा कर एक लाख पैतिस हजार दो सौ सडसत रुपये की वसुली की गई है। एसडीओ ने बताया कि ससमय बकाया विधुत की राशि जमा नहीं करने वाले उपभोक्ताओं के विरुद्ध नोटिस जारी की जायेगी। बावजूद भी जमा नहीं करने पर विधुत कनेक्शन विच्छेद करते हुए चिन्हित बकायेदारों पर सर्टिफिकेट केस दर्ज की जायेगी। विधुत विभाग की सख्त तेवर व कार्रवाई से बकायेदारों मे हडकंप मच गया है।

अटल जी, आडवाणी जी, जोशी जी काम करते थे, इनके असली नेता वही लोग थे, यही नेता बीजेपी बनाने वाले थे - नीतीश

पटना, एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा है कि आज कल जो लोग है क्या वो किसी की सुनते हैं ?। किसी से बात करते हैं ? या किसी राज्य का विकास करते हैं ? इनके पहले जो लोग थे वो लोग कितना काम करते थे। आप को हमने बता दिया। अटल जी, आडवाणी जी, जोशी जी ये सब काम करते थे। इनके असली नेता वही लोग थे। यही नेता बीजेपी को बनाने वाले थे। हम तो अलग हो गए और आप जान लीजिए कि अब जीवन भर हम उनके साथ नहीं जाएंगे। हम जितने समाजवादी हैं वो सब एक साथ रहेंगे और देश के उत्थान के लिए काम करेंगे। इस दौरान उन्होंने आरजेडी प्रमुख लालू यादव को लेकर भी बयान दिया। उन्होंने अपने भाषण के दौरान लालू यादव पर लगे आरोपों को गलत बताते हुए उन्हें क्लीन चिट भी दी। उन्होंने कहा कि जब हम बीजेपी के साथ थे तो लालू यादव पर केस नहीं हो रहे थे। मैं जब-जब आरजेडी के साथ आया हूं, उन पर केस किया गया है। अभी भी दोनों के साथ आते ही फिर से केस कर दिया गया।

चम्पारण से पद यात्रा की शुरूआत करने वाले प्रशांत किशोर का मकसद क्या है - शिवानंद तिवारी

पटना, एजेंसी। राष्ट्रीय जनता दल के वरिष्ठ नेता शिवानंद तिवारी ने कहा है कि महात्मा गांधी का फोटो लेकर बिहार के चम्पारण से पद यात्रा शुरू करने वाले प्रशांत किशोर का मकसद क्या है, यह अभी तक स्पष्ट नहीं हुआ है। भले ही प्रशांत गांधी का नाम लेते हों, लेकिन गांधी को गाली दिए जाने को लेकर अभी तक उन्होंने मुंह नहीं खोला है। हिंदुओं और मुसलमानों के बीच बेहतर रिस्ता गांधी को अपने प्राण से ज्यादा प्रिय था। कहा जाता है कि इसी वजह से हिंदू कट्टरपंथी उनसे नफरत करते थे। उनकी हत्या की वजह भी यही बताई जाती है। उन्होंने कहा कि, आज देश में मुसलमानों के विरुद्ध नफरत फैलाकर हिंदुओं को वोट बैंक के रूप में तब्दील कराने का अभियान चलाया जा रहा है। इसको कुछ हद तक सफलता भी मिली है। अपनी पद यात्रा में इस अभियान की निंदा का एक शब्द भी प्रशांत के मुंह से अब तक सुनने को नहीं मिला है। उनके निशाने पर लालू, नीतीश और तेजस्वी हैं। जब वे तेजस्वी की पढ़ाई लिखाई को लेकर उनका उपहास उड़ाते हैं तो मैं अपने को असहज महसूस करने लगता हूं। इसलिए कि किसी तरह मैंने मैट्रिक की परीक्षा तीसरे डिवीजन से पास की। मेरे पिताजी की पढ़ाई मिडिल से आगे नहीं बढ़ी। लेकिन उनको बिहार का सफल गृहमंत्री माना जाता है। गांधी मैदान के बगल में उनकी आदमकद प्रतिमा लगी है। शिवानंद तिवारी ने कहा, कामराज नाडार का नाम प्रशांत जी ने जरूर सुना होगा। स्कूली पढ़ाई ना के बराबर, अंग्रेजी का यस और नो शब्द से ज्यादा का ज्ञान उनको नहीं था। लेकिन कांग्रेस के इतिहास में सबसे ताकतवर नेताओं में उनकी गिनती होती है। इंदिरा गांधी को उन्होंने ही प्रधानमंत्री बनवाया था। इसलिए प्रशांत जी से इतनी समझ की अपेक्षा तो थी कि वे समझ पाते कि चुनाव में मतदाता डिग्री देखकर वोट नहीं देता है। तेजस्वी बिहार की राजनीति में एक ताकत के रूप में स्थापित हैं। लालू यादव की गैर हाज़िरी में 2020 के विधानसभा चुनाव में राजद का नेतृत्व तेजस्वी ने ही किया था। उसका नतीजा भी सबके सामने है। इसलिए इन बातों को छोड़कर प्रशांत जी को बताना चाहिए कि उनकी राजनीति क्या है ? क्या वे गांधी को गाली देने वालों के साथ हैं ? देश में आज मुसलमानों के विरुद्ध जो नफरत और घृणा का अभियान चलाया जा रहा है क्या उसका वे समर्थन कर रहे हैं। क्योंकि बिहार की राजनीति में अब तक किसी भी राजनीतिक दल ने अपने राजनीतिक अभियान की इतनी महंगी शुरूआत नहीं की होगी जैसा प्रशांत ने किया है।

4 बच्चों की मां पर चढ़ा इश्क का जुनून, तो पति ने प्रेमी के साथ करा दी उसकी शादी

भागलपुर, एजेंसी। बिहार के भागलपुर जिले में करवा चौथ के एक दिन पहले एक पति ने अपनी पत्नी की खुशी के लिए उसकी उसके प्रेमी से शादी करवा दी। यह मामला भागलपुर जिले के सुलतानगंज स्थित गनगनिया गांव का है। जहां एक व्यक्ति ने चार बच्चों की मां अपनी पत्नी की शादी, उसके प्रेमी के साथ करवा दी। स्थानीय लोगों ने बताया कि गनगनिया गांव के रहने वाले श्रवण कुमार का विवाह 2012 में बांका के फुल्लीडुमर में पूजा से हुई थी। इसके बाद पूजा ससुराल आयी और यहां उसकी मुलाकात छोटू से हुई। छोटू का इसी गांव में ननिहाल है। छोटू से मुलाकात के बाद पूजा उसकी दीवानी हो गई। दोनों की मुलाकात धीरे धीरे प्यार में बदल गई। इस दौरान इन दस वर्षों में श्रवण और पूजा के चार बच्चे भी पैदा हुए। इस बीच पूजा और छोटू में प्रेम प्रसंग चलता रहा। बताया जाता है कि इस बीच कुछ दिनों के लिए दोनों फरार भी हो गए थे, जिसके बाद पूजा के पति ने इसकी शिकायत थाने में की थी। इसके बाद पूजा तो अपने पति के पास लौट आई लेकिन इश्क कम नही हुआ। इस बीच, श्रवण अपनी पत्नी को समझाने का बहुत प्रयास किया, लेकिन पूजा पर इसका कोई असर नहीं हुआ। अंत में बुधवार को पति श्रावण अपनी पत्नी की जिद के आगे झुक गया और उसकी शादी प्रेमी के साथ करवा दी। बताया जाता है कि मामले की जानकारी जब गांव के अन्य लोगों को हुई तो पंचायत बुलाई गई। पंचायत में महिला के मायके वाले भी आए। गनगनिया गांव की पंचायत ने फैसला किया कि महिला को उसके प्रेमी के हाथ सौंपने से पहले कानूनी प्रक्रिया का पालन करना चाहिए।

गरीब जगाओं- भाजपा भागाओं, महागठबंधन सरकार को संवेदनशील बनाओं अभियान चलेगा

- 1-3 नवम्बर तक सभी प्रखण्डों पर होगा धरना प्रदर्शन :विधायक विरेंद्र गुप्ता
- पूरे जिला में खेग्रामस चलाऐगा सदस्यता अभियान, एक- एक गरीबों को संगठन में जोड़ने का लिया संकल्प
- महंगाई-बेकारी व लेबर कोड के खिलाफ होगा आंदोलन

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेतिया। 14अक्टूबर।गरीब जगाओं- भाजपा भागाओं अभियान के तहत भाकपा-माले और खेग्रामस के बैनर तले नरकटियागंज के दिउलिया में पार्टी कार्यालय पर कार्यकताओं का सम्मेलन आयोजित हुआ। भाकपा-माले केन्द्रीय कमिटी सदस्य सह सिकटा विधायक वीरेन्द्र प्रसाद गुप्ता ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि विनाशकारी मोदी सरकार के कम्पनीराज, मजदूरों की गुलामी के 4 लेबर कोड़ और साम्प्रदायिक बंटवारा के खिलाफ खेग्रामस गरीब जगाओं- भाजपा भागाओं, महागठबंधन सरकार को संवेदनशील बनाओं अभियान 15 अक्टूबर से 3 नवम्बर तक चलेगा।

उन्होंने आगे कहा कि 15 अक्टूबर से 23 अक्टूबर तक पूरे जिला में खेग्रामस सदस्यता अभियान चलायेगा, एक - एक गरीबों को संगठन में जोड़ने का संकल्प लिया और मजदूर अधिकारों की गारंटी, सामाजिक सुरक्षा तथा सम्मान के लिए और महंगाई के खिलाफ आंदोलन तेज करने का आह्वान किया। आगे कहा कि भाजपा बोलने की आजादी पर रोक लगायी हुई हैं। छात्र- नौजवान, किसान, महिला, पत्रकार जो भी भाजपा के जनविरोधी नीतियों का विरोध कर रहा है, उसे जेल में डाला जा रहा है, इस तरह से लोकतंत्र और संविधान को खत्म किया जा रहा है, जिसके खिलाफ आंदोलन करने पर बल दिया।

खेग्रामस जिला अध्यक्ष संजय राम ने कहा कि केंद्र की मजदूर विरोधी मोदी सरकार सिर्फ अडानी-अम्बानी जैसे बड़े औद्योगिक घरानों के फायदे के लिए काम कर रही है। मोदी के शासनकाल में मजदूर तबाह और बर्बाद है। अखिल भारतीय किसान महासभा जिला अध्यक्ष सुनील कुमार राव ने कहा कि मोदी सरकार देश की संपत्तियां तेजी से पूंजीपतियों को हस्तांतरित किया जा रहा है। मजदूरों की छटनी हो रही है। रसोइयां, आशा, आंगनबाड़ी आदि स्कीम और ठेका-मानदेय मजदूरों को सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम से भी काफी कम मजदूरी मिलती है। निर्माण सहित असंगठित क्षेत्र के मजदूरों के लिए रोजी-रोटी का जुगाड़ भी मुश्किल हो गया है।

इनौस जिला अध्यक्ष फरहान राजा ने कहा कि कोरोना काल में चुपके-चुपके लेबर कोड को लागू कर मोदी सरकार मजदूरों के सामाजिक सुरक्षा व अन्य अधिकारों को छीन रही है, उसे खत्म कर रही है। इसके खिलाफ भाकपा-माले गरीब जगाओं भाजपा भागाओं अभियान चला कर गरीबों की एकता मजबूत होगी। वही महागठबंधन की सरकार को गरीबों के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए मील का पत्थर साबित होगा। इनके अलावा केदार राम, लालजी यादव, अच्छेलाल राम, इन्द्र देव कुशवाहा मोजमिल मियां, सुरेन्द्र चौधरी, परसुराम यादव, भीखारी प्रसाद, संजय मुखिया, अफाक आलम, योगेन्द्र यादव, संजय यादव, मनबोध साह, शंकर उरांव, बलिराम उरांव, नरेश माझी, नेउर उरांव, रीखी साह, लक्ष्मण राम, नजरें आलम आदि नेताओं ने भी संबोधित किया।

डॉक्टर एम वली के नेतृत्व में रमपुरवा में पहुंचे पांच सौ से अधिक कार्यकर्ता

बहुजन समाज भीम आर्मी पार्टी जिन्दावाद डॉक्टर एम वली जिन्दावाद के नारे गूँजेते रहे

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेतिया। गौनाहा प्रखंड़ अंतगर्त रमपुरवा स्थित बुद्ध स्तूप और बुद्ध भगवान की प्रतिमा पर आजाद समाज पार्टी भीम आर्मी के कार्यकताओं के द्वारा पुष्प अर्पित कर पूजन किया गया।वही आजाद समाज पार्टी भीम आर्मी के प्रदेश महासचिव डॉ. एम.वलि ने बताया कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर को समाज मे हिंदू धर्म में छुआछूत और जाति-पाती को देखकर उनसे बर्दाश्त नहीं हो पाया जिसको लेकर वह 14 अक्टूबर 1956 को नागपुर के दीक्षाभूमि में हिंदू धर्म त्याग कर बौद्ध धर्म में जाकर एक कुशल मानव का जीवन जीने की शुरूआत की थी।जो आज पूरे बहुजन समाज को एक जीने की नई दिशा देने का कार्य किया है। जिसको लेकर बहुजन समाज के सभी लोगों को हर साल 14 अक्टूबर को देश के सभी बुद्ध स्थलो पर जाकर पूजा अर्चना करते हैं।साथ ही साथ बुद्ध धर्म के नियमो पर चलने की प्रतिज्ञा भी करते है।

बताते चलें कि इस रमपुरवा बुद्ध स्तूप पर देश विदेश से बुद्ध भगवान के अनुआयु लोग आते हैं और पूजा अर्चना करते है।वही कार्यक्रम में उपस्थित एएसपी के कार्यकर्ताओ में डॉ.नूर आलम,सुभाष राम,इश्तियाक अहमद,जिला युवा अध्यक्ष अजय आजाद, छात्र जिला अध्यक्ष डॉ रामचंद्र अन्य रहे । वही बुद्ध स्थल रमपुरवा में डॉक्टर एम वली के नेतृत्व में पहुंचे सैकडों के संख्या में बहुजन समाज भीम आर्मी के कार्यकताओं ने बताया कि अब चम्पारण में बहुजन समाज भीम आर्मी के लिए एक सच्चे और अच्छे नेता अभिभावक के रूप में नरकटियागंज के सुप्रसिद्ध चाइल्ड स्पेसलिस्ट डॉक्टर एम वली साहब इस पार्टी में प्रदेश उपाध्यक्ष के रूप में आ गए हैं। और पहले प्रोग्राम में अपना नेतृत्व का सम्पूर्ण गुण प्रदर्शित कर दिखाऐं हैं। जिसका परिणाम आज का यह प्रोग्राम है।

वही डॉक्टर एम वली ने पार्टी के कार्यकताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि मैं पार्टी के लिए तन मन और धन से काम करूंगा । पार्टी को और ज्यादा मजबूत बनाने के लिए आप सभी का सहयोग भी चाहिए। उन्होंने कहा क्योकि बिहार में अपना पार्टी बहुजन समाज भीम आर्मी का स्थान सबसे ऊंचा हो यही हमारी सोच है। वही कार्यकताओं के द्वारा डॉक्टर एम वली जिन्दाबाद बहुजन समाज पार्टी भीम आर्मी जिन्दावाद के नारे गूंज उठे। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस तरह का भीड़ यहां पर कभी भी इक्कट्ठा नही हुई थी।

विद्युत विभाग ने विशेष शिविर में वसूला 1 लाख 35 हजार 2 सौ 67 रुपया बकाया राशि

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेतिया। बगहा 14 अक्टूबर।विद्युत विभाग ने विशेष शिविर आयोजित कर चौतरवा विद्युत प्रशाखा के मझौवा पंचायत के हमीरा गांव में 1 लाख 35 हजार 2 सौ 67 रुपये की राशि शुक्रवार को बिजली के उपभोक्ताओं से वसूल की है। विद्युत विभाग के कार्यपालक अभियंता आलोक अमृतांशु के आदेश के आलोक में विशेष अभियान के तहत उक्त वसुली की गई।

विभागीय एसडीओ मनोज कुमार साह ने बताया कि विद्युत विभाग के वरीय अधिकारियों के आदेश के आलोक में प्रत्येक पंचायत के गांवों में शिविर आयोजित कर बकायेदारों से विद्युत बिल वसूली की जा रही है। उन्होंने बताया कि चौतरवा विद्युत प्रशाखा की इस माह की 80 लाख रुपये की वसूली की लक्ष्य रखा गया है। अभी तक 22 लाख रुपये की वसूली हो पाई है।

उन्होंने बताया कि लक्ष्य को पुरा करने के लिए विधुत कर्मी चंदन कुमार श्रीवास्तव, सुजीत कुमार, मनोज मिश्रा, सुनिल राम , शशि गिरि के नेतृत्व में विशुनपुरवा , चौतरवा और हमीरा में अलग - अलग कैम्प लगा कर एक लाख पैंतीस हजार दो सौ सड़सठ रुपया की वसूली की गई है। एसडीओ ने बताया कि ससमय बकाया विद्युत की राशि जमा नहीं करने वाले उपभोक्ताओं के विरुद्ध नोटिस जारी की जायेगी। बावजूद भी जमा नहीं करने पर विद्युत कनेक्शन विच्छेद करते हुए चिन्हित बकायेदारों पर सर्टिफिकेट केस दर्ज की जायेगी।

चंद्र दर्शन के साथ संपन्न हुआ करवा चौथ का व्रत

» मदरलैण्ड संवाददाता

अररिया। करवा चौथ का त्योहार 13 अक्टूबर बृहस्पतिवार को मनाया गया. इस दिन सुहागिन महिलाओं अपने पति की लंबी उम्र के लिए व्रत रखती है. यह निर्जला व्रत होता है. आपको बता दें कि बृहस्पतिवार के शाम को सुहागिन महिलाओं ने करवा माता की पूजा के बाद चांद का दीदार किया. चांद देखने के बाद सुहागिनों ने व्रत तोड़ा. मालूम हो कि यह पर्व कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाता है जिसमें मुख्य रूप से सौभाग्यवती (सुहागिन) स्त्रियां चंद्रोदय तक निर्जला व्रत रखती हैं और चंद्र दर्शन के बाद ही जल ग्रहण कर व्रत तोड़ती हैं. और शाम को चंद्रमा की पूजा के बाद ही उपवास खोला जाता है. आपको बता दें कि जिले भर में महिलाओं ने चंद्रमा के दर्शन कर पूजा संपन्न की. करवा चौथ का व्रत सुहागिनों के लिए बेहद खास होता है. ऐसी मान्यता है कि इस दिन निर्जला व्रत रखने से पति को लंबी आयु और समृद्धि की प्राप्ति होती है।

प्रशांत किशोर ने कर कर लिया पद यात्रा के एक सौ किलोमीटर पूरे

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेतिया। पश्चिम चम्पारण भितिहरवा गांधी आश्रम से पूरे बिहार में भ्रमण करने के लिए प्रशांत किशोर ने 3500 किमी लंबी जन सुराज पदयात्रा के 100 किमी पूरे कर लिए। इस मौके पर पदयात्रा शिविर में उन्होंने मीडियाकर्मियों से बातचीत की। पदयात्रा का अनुभव साझा करते हुए प्रशांत किशोर ने बताया कि वे पदयात्रा में रोज लगभग 15 से 20 किलोमीटर चलते हैं । और जब 15 से 20 पंचायत का भ्रमण हो जाता है तब एक जगह रुकते हैं, ताकि जिन पंचायतों से पदयात्रा गुजरी है । वहां के स्थानीय जन समस्याओं पर लोगों से मिलकर उसे सुन व समझ कर उसे संकलन कर पंचायत आधारित ब्लूप्रिंट बना सकें।

जिले के बलथर मामले पर बोले प्रशांत किशोर ग्रामीणों व प्रशासन के बीच विश्वास जरुरी है।

चर्चित बलथर प्रकरण पर बात करते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि यह मामला संवेदनशील है । इसलिए मेरा सुझाव है कि प्रशासन और ग्रामीणों के बीच में जो डर का माहौल है उसे प्राथमिकता के आधार पर खत्म करने का प्रयास किया जाए। इस मामले से जुड़े 700 से 800 पीड़ित परिवारों के सदस्यों से मिलने के बाद मेरा सुझाव है कि सभी परिवार मिलकर एक समिति बनाएं और अपने प्रतिनिधि चुने। इसके बाद प्रशासन और ग्रामीणों के बीच मध्यस्थता का रास्ता निकले और दोबारा ग्रामीण और प्रशासन के बीच विश्वास कायम हो सके।

जन सुराज भविष्य का सबसे बड़ा क्राउड फंडिंग का प्लेटफार्म बनेगा।

जन सुराज पदयात्रा के लिए पैसा कहां से आ रहा है, इस सवाल का जवाब देते हुए प्रशांत किशोर ने कहा, पिछले 10 सालों में मैंने जिन नेताओं और दलों के लिए काम किया, जिनके भी जीत में अपना कंधा लगाया, वे सभी लोग बिहार में हो रहे इस नए प्रयोग में हमारी मदद कर रहे हैं। इसके अलावा हमलोग क्राउड फंडिंग के लिए भी एक बड़ी व्यवस्था खड़ी कर रहे हैं। यह अब तक की सबसे बड़ी क्राउड फंडिंग की व्यवस्था होगी । और जो भी लोग इसमें अपना आर्थिक योगदान देना चाहते हैं वो दे सकेंगे। जनता के सहयोग से ही जन सुराज अभियान को आगे ले जाने का प्रयास है।

बगहा के डढ़िया में सम्पन्न हुआ आदिवासी उरांव के 38 वा महासभा

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेतिया। पश्चिमी चम्पारण जिला के बगहा अनुमंडल अंतगर्त बगहा दो प्रखंड के डढिया मे आदिवासी उरांव महासभा का 38 वां वर्षगांठ के उपलक्ष्य में शुक्रवार को प्रधान कार्यालय में कर्मा धर्मा नृत्य कार्यक्रम का अयोजन किया गया।कार्यक्रम का उद्घाटन वाल्मीकिनगर विधायक रिंकू सिंह, बगहा विधायक श्रीराम सिंह , अनुमंडल पदाधिकारी दीपक मिश्रा, अभियान एएसपी देवेश मिश्रा तथा भारतीय थारू कल्याण महासंघ के अध्यक्ष दीपनारायण प्रसाद ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम को सम्बोधन करते हुए वाल्मीकि नगर विधायक धीरेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि उरांव समाज के विकास के लिए पूर्व की तरह मैं कटिबद्ध हूँ। उरांव समाज के विकास के लिए मैं निरन्तर काम करता रहूँगा। वहीं बगहा विधायक ने उरांव समाज के विकास के लिए भाजपा की सरकारों द्वारा किये गये कार्यों को बताया। बगहा अनुमंडल पदाधिकारी दीपक मिश्रा और एएसपी अभियान देवेश मिश्रा ने सरकार द्वारा विकास और सुरक्षा पर किये जा रहे कार्यों को बताया।सम्मेलन में उरांव महासभा के अध्यक्ष द्रवयान उरांव, सचिव अंकित टोपो, पूर्व अध्यक्ष राजेश उरांव, एसटी कमीशन के पूर्व सदस्य अरबिंद उरांव सलाहकार, जगरनाथ उरांव, मुखिया प्रमोद उरांव पूर्व मुखिया रतन उरांव, जगदेव उरांव, उपाध्यक्ष आभा देवी, उपसचिव नरेश उरांव, संस्कृति मंत्री धनंजय उरांव, शिक्षा मंत्री ब्रिजेश उरांव तथा समस्त ग्रामीण गुमास्ता एवं युवा - युवतियों सहित महिलाओं की उपस्तिथि सराहनीय रही।

शहरी समाज के अलावा अब ग्रामीण इलाकों मे भी बढ़ गया है मच्छरों का प्रकोप

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेतिया। मच्छरों की बढ़ती संख्या का प्रतिकूल असर अब शहरों से निकल कर गाँवों मे भी पड़ने लगा है । स्थिति यह की आम आदमी को छोड़कर इनका कहर जानवरों पर भी पड़ रहा है । उपरोक्त तथ्यों का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है की ग्राम्य जीवन में परिवार की सेहत की चिंता के अलावा लोगों को अपने दुधारु पालतू पशुओं के सेहत के चिंता भी अब सताने लगी है । पहले संध्या के समय पशुओं के दूध निकलने के वक़्त उनके पास अलाव जलाया जाता था । ताकी दूध कम नही हो । पर उनमे मच्छर जनित रोगों के व्यापक प्रसार को देखते हुए अब उन्हें भी रातभर मच्छरदानी में रखा जा रहा है। वैसे भी आम आदमी मच्छर जनित रोग जैसे मलेरिया, डेंगू, चिकूनगुनिया, इंसेफेलाइटिस व कालाजार जैसी घातक बीमारियों की चपेट में बड़ी संख्या में आ रहे है । अगर हम बात करें चिकित्सा संसाधनों की तो इसकी जमीनी हकीकत भी छुपी हुई नहीं है । गाँवों में कई बार समय से रोगों की पहचान अथवा ईलाज नहीं मिलने से कई लोग असमय दम तोड़ देते । बावजूद इसके मच्छररोधी दवाओं या रसायनो का छिड़काव प्रशानिक तौर नहीं होता । बरसात के दिनों में आसपास पानी का जमावड़ा तथा नालियों में जमा गन्दा पानी , मच्छरों के प्रजनन दर में वृद्धि का बड़ा जरिया है । इनमे उनके लार्वा कि संख्या बहुत तेज गति से बढ़ती हैं । फिर भी इनकी रोकथाम के प्रयास नहीं किये जाते । ज्ञात रहे की वैश्विक स्तर पर ब्रिटिश चिकित्सक सर रोनोल्ड रॉस की स्मृति में 20 अगस्त को विश्व मच्छर दिवस दिवस भी मनाया जाता है । उन्होंने इसकी खोज 1897 में किया था।

अक्षय कुमार से रनवीर सिंह तक: वो अभिनेता, जो हाउस ऑफ ड्रैगन के भारतीय वर्ज़न में आएंगे पसंद

चंडीगढ़ : फैंटेसी, फिक्शन, ड्रैगंस और ड्रामा के फैंस को जानने को मिलेगा कि डिज्नी+ हॉटस्टार पर हाउस ऑफ द ड्रैगन किस प्रकार साल की सबसे बड़ी सीरीज बनता जा रहा है। हर सोमवार को भारतीय समयानुसार सुबह 6:30 बजे (अपने अमेरिकी टेलीकास्ट के समय पर) नए एपिसोड के प्रसारण के साथ यह 10 एपिसोड की सीरीज हाउस ऑफ टार्गेरिंस की एक बेहतरीन व जबरदस्त कहानी है, जो गेम ऑफ थ्रोंस में दर्शकों को लुभाने वाली घटनाओं से 200 साल पहले के समय में चल रही है। इस कहानी में कड़वी प्रतिद्वंदिता, ईर्ष्या, वासना और सत्ता की भूख, तथा टार्गेरिंस के साम्राज्य को खत्म करने के लिए विश्वासघात बढ़ते जाएंगे और दर्शकों को बहुत ही आकर्षक कथानक प्रस्तुत करेंगे।लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि यह दिल दहला देने वाला शो भारतीय कलाकारों के साथ कैसा होता? अपने विशाल इतिहास, एक परिवार पर केंद्रण और शाही ड्रामा के साथ हाउस ऑफ द ड्रैगन स्क्रीन पर चल रहे एक देसी बॉलिवुड महाकाव्य जैसा प्रतीत होता। जहाँ एमा डीह्वआर्सी, ओलिविया कुक, पैडी कॉन्सिडाईन, मैट स्मिथ और मैथ्यू नीधम ने अपने किरदार बखूबी निभाए हैं, वहीं कल्पना कीजिए कि यदि हाउस ऑफ द ड्रैगन भारतीय स्टाईल में देखा जाता, तो वह कैसा लगता! हम नीचे कुछ कलाकारों की सूची दे रहे हैं, जो इस शो के भारतीय रूपांतर में बहुत उत्तम काम करते - डेमोन टार्गेरिन संदिग्ध इरादों के साथ एक विरोधाभासी और करिश्माई किरदार है। रनवीर सिंह जटिल, बहुमुखी भूमिकाएं निभाने में उत्तम हैं। उन्होंने पद्मावत और 83 में अपना किरदार बखूबी निभाया था। विलेन के किरदार को भी आकर्षक बना देने की क्षमता के साथ वो कुख्यात टारगेरिन प्रिंस के लिए सबसे उत्तम रहेंगे।किंग विसेरिस टार्गेरिन एक कर्तव्यपरायण व्यक्ति है, जो अपने परिवार और अपने साम्राज्य को अच्छी स्थिति में रखता है। अक्षय कुमार बॉलिवुड में एक प्रतिष्ठित फैमिली मैन हैं, जिनकी पैडी के साथ अद्भुत समानता को हाल ही में अनेक मेमेज द्वारा प्रस्तुत किया गया, जिसमें उन्हें पर्दे पर वेस्टेरोज किंग के रूप में दिखाया गया। उन्होंने ऐसे किरदार निभाए हैं, जो सत्य का साथ देते हैं, शक्तिशाली हैं, और मुश्किल परिस्थितियों में भी एक अच्छा व्यक्ति बने रहते हैं। वेस्टेरोस के राजा के किरदार के लिए उनसे बेहतर और कोई भी नहीं? रेनिरा टार्गेरिन विद्रोही और साहसी राजकुमारी है, जिसके रिश्ते सीरीज में लगभग हर व्यक्ति के साथ टकराव में हैं। मजबूत, दृढ़, आकर्षक महिलाओं का सफल चित्रण करने वाले किरदारों के साथ दीपिका पादुकोन इस किरदार को आसानी से निभाएंगी।

दिवाली में जमकर होगी खरीददारी, बाजार में लगभग ढाई लाख करोड़ रुपये आएंगे

लोगों में मेड इन इंडिया उत्पादों को लेकर क्रेज

नई दिल्ली, एजेंसी। साल 2022 का दिवाली का त्यौहार व्यापारियों के लिए बड़े मौके लेकर आ रहा है। अनुमान है कि त्यौहारी खरीद व अन्य सेवाओं के द्वारा बाजार में लगभग ढाई लाख करोड़ रुपये आएंगे। कोरोना की वजह से पिछले दो साल का त्यौहारी सीजन सुस्त रहा था।

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने दावा किया कि धन के इस प्रवाह से व्यापारिक समुदाय को वित्तीय संकट से मुक्ति मिलेगी। त्यौहारी खरीद नवरात्रि के साथ 26 सितंबर से शुरू हो चुकी हैं, और 5 नवंबर तुलसी विवाह के दिन तक चलेगी। कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया और राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि 8 अक्टूबर को केंद्र सरकार ने डीए में 4 प्रतिशत बढ़ोतरी कर दी, जबकि 12 अक्टूबर को रेल कर्मचारियों के लिए 78 दिन के वेतन के बराबर बोनस की घोषणा भी की जा चुकी है। इससे बाजार में नकदी प्रवाह बढ़ने की उम्मीद है।

कैट का कहना है कि इस साल सिर्फ दिवाली उत्सव के कारोबार में डेढ़ लाख करोड़ रुपये से अधिक खर्च होने का अनुमान है। इसके अलावा दिवाली से संबंधित यात्राओं और अन्य सेवाओं पर भी करीब एक लाख करोड़ रुपये खर्च हो सकते हैं। ऑटो डीलर्स के संगठन फाडा ने बताया है कि इस साल नवरात्रि पर कार की कुल खुदरा बिक्री में 57 प्रतिशत का बंपर इजाफा हुआ है।

कैट ने दावा किया है कि इस साल की दिवाली में ज्यादातर भारतीय उत्पादों का ही बोलबाला रहने की उम्मीद है। इस कारण चीन को आर्थिक रूप से करीब 60 हजार करोड़ रुपये का नुकसान होगा। कैट की शोध शाखा ने देश में विभिन्न राज्यों के 25 शहरों में सर्वे किया, जहां ग्राहकों ने ज्यादातर मेड इन इंडिया उत्पादों को खरीदने में रुचि दिखाई। इन शहरों में नई दिल्ली, अहमदाबाद, मुंबई, नागपुर, जयपुर, लखनऊ, चंडीगढ़, रायपुर, भुवनेश्वर, कोलकाता, रांची, गुवाहाटी, पटना, चेन्नई, बेंगलुरु, हैदराबाद, मदुरै, पांडिचेरी, भोपाल, जम्मू, पुणे, कानपुर, वाराणसी, रांची और भुवनेश्वर शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय वित्त मंत्री सीतारमण ने ऑस्ट्रेलिया और मिस्र के अपने समकक्षों से की बातचीत

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने ऑस्ट्रेलिया और मिस्र के अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं। इन बैठकों में भारत को उसके जी20 के एजेंडा के लिए समर्थन भी प्राप्त हुआ। वित्त मंत्रालय ने बताया कि ऑस्ट्रेलिया के वित्त मंत्री जे ई चालमर्स और सीतारमण की मुलाकात के दौरान भारत की जी20 की आगामी अध्यक्षता को लेकर संभावित मुद्दों पर चर्चा हुई। सीतारमण की मिस्र की मंत्री रानिया अल मसहत के साथ मुलाकात में दोनों देशों के बीच नवीकरणीय ऊर्जा को लेकर विचारों का आदान प्रदान हुआ। सीतारमण ने संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के प्रशासक ए स्टीनर से भी सतत वित्तीय स्थिति पर बात की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के टिकाऊ पारिस्थितिकी को लेकर विचारों को रेखांकित किया। मंत्रालय ने ट्वीट करके बताया कि ह्यऑर्गेनाइजेशन फॉर इकोनॉमिक को-ऑपरेशन एंड डेवलपमेंट (ओईसीडी)द्ध के महासचिव माथिआस कोरमान के साथ वित्त मंत्री की बैठक में भारत-ओईसीडी द्विपक्षीय सरोकार और 2023 में भारत की जी20 अध्यक्षता के दौरान संगठन के सहयोग के बारे में बात हुई।

ब्रिटेन के मंत्री बोले- भारत के बीच एफटीए के लिए दीवाली की समय सीमा को ध्यान में रखकर नहीं कर रहे बात

लंदन, एजेंसी। भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत को लेकर ब्रिटेन की व्यापार मंत्री केमी बादेनोच ने कहा है कि जो बातचीत हो रही है वह अब दीपावली की समय सीमा को ध्यान में रखते हुए नहीं की जा रही है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार विभाग में एफटीए वार्ता की प्रभारी कैबिनेट मंत्री केमी बादेनोच ने गुरुवार को कहा कि भारत के साथ जिस समझौते पर बातचीत चल रही है वह उद्योग जगत के लिए बहुत लाभकारी रहने वाला है क्योंकि इसमें 150 फीसदी तक शुल्क खत्म कर दिए जाएंगे। बादेनोच ने कहा कि वार्ता में काफी अच्छी प्रगति हो रही है लेकिन मसौदा समझौते पर 24 अक्टूबर तक हस्ताक्षर करने का लक्ष्य लेकर नहीं चल रहे है। उन्होंने कहा, ह्यहम काफी करीब हैं। समझौते पर अभी भी काम चल रहा है। इसमें एक परिवर्तन है और वह यह कि अब हम दीपावली की समयसीमा को ध्यान में नहीं रख रहे। हम समझौते की गति के बजाए इसकी गुणवत्ता पर ध्यान दे रहे हैं।द्ध समझौते को पूरा करने के लिए दीपावली की समयसीमा अब नहीं है इस बारे में आधिकारिक पुष्टि पहली बार हुई है। यह समयसीमा पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने अप्रैल में भारत दौरे के वक्त घोषित की थी।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई, एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपये में गिरावट दर्ज की गयी है। इसी के साथ ही रुपया आठ पैसे नीचे आकर 82.32 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। अमेरिकी मुद्रा में मजबूती और निवेशकों के जोखिम लेने से बचने के रुख कारण भी रुपया गिरा है। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 82.26 पर खुला और कारोबार के दौरान 82.12 के उच्चस्तर तक पहुंचने के बाद 82.43 के निचले स्तर तक पहुंचा। इसके बाद रुपया पिछले बंद भाव के मुकाबले आठ पैसे नीचे आकर 82.32 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस रुपया पांच पैसे टूटकर 82.24 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। बाजार जानकारों के अनुसार मुद्रास्फीति के आंकड़े उम्मीद के अनुसार नहीं रहने से भी डॉलर के मुकाबले रुपया थोड़ा कमजोर हुआ है।द्धद्ध इस बीच विश्व की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को आंकने वाला डॉलर सूचकांक 0.56 फीसदी ऊपर आकर 112.99 पर पंहुचा गया। वहीं अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.75 फीसदी गिरकर 93.86 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

सोने , चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू बाजार में शक्रवार को सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट आई है। दिल्ली सरार्फा बाजार में सोना 261 रुपये नीचे आकर 51,098 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। गत कारोबारी सत्र में सोना 51,359 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था जबकि चांदी में भी 692 रुपये की कमी दर्ज की गई और यह 57,477 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। वहीं पिछले कारोबारी सत्र में यह 58,169 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर बंद हुई थी। वहीं दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना गिरावट के साथ ही 1,665.2 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। इसी प्रकार चांदी भी 18.95 डॉलर प्रति औंस पर थी।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई, एजेंसी। मुम्बई शेयर बाजार शक्रवार को तेजी के साथ बंद हुआ है। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में यह तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छें संकेतों के साथ ही इन्फोसिस और बैंक शेयरों में भारी खरीददारी से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 684.64 अंक करीब 1.20 फीसदी बढ़कर 57,919.97 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार प्रचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 171.35 अंक तकरीबन 1.01 फीसदी बढ़कर 17,185.70 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में इन्फोसिस के शेयर सबसे ज्यादा करीब चार फीसदी बढ़े हैं। इसके अलावा एचडीएफसी बैंक, एचडीएफसी लिमिटेड, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, लार्सन एंड टुब्रो, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, बजाज फाइनेंस और भारतीय स्टेट बैंक के शेयरों में भी तेजी रही जबकि दूसरी ओर महिंद्रा एंड महिंद्रा, एशियन पेंट्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज, विप्रो, भारती एयरटेल और पावरग्रिड के शेयर गिरे हैं।

इन्फोसिस का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में 11 फीसदी बढ़कर 6,021 करोड़ रुपये पहुंच गया है। इस दौरान कंपनी ने 9,300 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की पुनर्खरीद की भी घोषणा की है। वहीं अन्य एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग लाभ में रहे जबकि यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरूआती कारोबार में तेजी रही। अमेरिकी शेयर बाजार भी बढ़ा है। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.81 फीसदी की गिरावट के साथ ही 93.80 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

कोमांचे लोगों का प्रतिनिधित्व करना मुझे अपना दायित्व महसूस हुआ : एंबर मिडथंडर

चंडीगढ़ : लोकप्रिय प्रिडेटर फ्रेंचाईजी अपनी ऑल-न्यू थ्रिलर फिल्म, प्रे के साथ 7 अक्टूबर से केवल डिज्नी+ हॉटस्टार पर एक्शन से भरपूर वापसी कर चुकी है। डेन ट्रैक्टेनबर्ग द्वारा निर्देशित और पैट्रिक एसन द्वारा लिखित, प्रे हिंदी और इंग्लिश में देखी जा सकेगी। यह कोमांचे कबीले की दिलचस्प कहानी के साथ भिन्न-भिन्न प्रिडेटर्स का एक हिंसक और दिल दहलाने वाला प्रदर्शन है। उत्तर अमेरिका के उत्तरी ग्रेट प्लेंस में सन 1719 के परिदृश्य में स्थित, इस फिल्म में एक युवती, नाडू की कहानी दिखाई गई है, जो एक आक्रामक एवं अत्यधिक निपुण कोमांचे हीलर और योद्धा है। उसका पालन-पोषण ग्रेट प्लेंस में घूमने वाले महान शिकारियों के बीच हुआ है। इसलिए जब उसके शिविर पर खतरा मंडराता है, तब वह खुद को बेहतरीन शिकारी साबित करने के लिए निकल पड़ती है।अपने किरदार के बारे में मिडथंडर ने बताया कि कोमांचे में नाडू का मतलब 'लड़ाई' है, जो इस किरदार के बिल्कुल उपयुक्त है। 'अपने जीवन, भविष्य के बारे में उसके विचार और उसकी सोच बहुत सशक्त हैं। लोग उसे जो काम देंगे या उसके लिए जिसकी कल्पना करेंगे उसकी इच्छाएं उनसे बिल्कुल अलग हैं।' फिल्म में किरदार पाना मिडथंडर के लिए यादगार है। उन्होंने कहा, 'मैं साहिया नाकोडा हूँ, इसलिए नाकोडा भूमि पर फिल्म करना, मेरे लिए बहुत अच्छा अनुभव था। वहाँ पर जाना, और उन लोगों के पास होना, जो मेरे कबीले से हैं या जो मेरे जैसे अन्य कबीलों से हैं, यह एक अद्भुत अनुभव था। एक योद्धा होने के मामले में कोमांचे लोगों का प्रतिनिधित्व करना मुझे अपना दायित्व महसूस होता था। यह एक शक्तिशाली योद्धा समाज है। मुझे कोमांचे युवाओं से बात करने का अवसर मिला, और वो कोमांचे मजबूत के रूप में पर्दे पर दिखाई देना चाहते थे।

आईएसडीसी ने चंडीगढ़ में सीमाओं से परे शिक्षा: अंतर्राष्ट्रीयकरण: आगे की राह विषय पर गोलमेज चर्चा का आयोजन किया

चंडीगढ़, 14 अक्टूबर 2022: भारत में ब्रिटिश शिक्षा व कौशल प्रशिक्षण देने वाले अंतर्राष्ट्रीय संगठन इंटरनेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (आईएसडीसी) ने होटल शंग्रीला, नई दिल्ली में एक गोलमेज चर्चा का आयोजन किया। इसमें शामिल वक्ताओं ने 'सीमाओं से परे शिक्षाः अंतर्राष्ट्रीयकरणः आगे की राह' पर विस्तार से बातचीत की। इस गोलमेज चर्चा में दिल्ली-एनसीआर के अग्रणी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों ने हिस्सा लिया। इस चर्चा में नई शिक्षा नीति के आधार पर भारतीय और विदेशी उच्चतर शिक्षा संस्थानों के बीच अंतर्राष्ट्रीय सहयोग हेतु नए यूजीसी नियमों पर बात की गई।

आईएसडीसी में रणनीति एवं विकास हेतु कार्यकारी निदेशक श्री टॉम जोसफ ने कहा, 'नई शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत उच्चतर शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार कई कदम उठा रही है।'

स्कॉटिश क्वालिफिकेशंस अथॉरिटी (एसक्यूए) में अंतर्राष्ट्रीय विकास प्रमुख मार्गरेट क्युरेन ने कहा, 'एसक्यूए और आईएसडीसी के बीच सहयोग का मुख्य लक्ष्य भारतीय विद्यार्थियों को 2+1 की व्यवस्था के साथ यूके में पढ़ने का अवसर देना है, जिसके तहत विद्यार्थी दो वर्ष भारत में पढ़ेंगे और फिर एक वर्ष यूके विश्वविद्यालयों में पढ़ने जाएंगे। इससे विद्यार्थी ज्यादा किफायती विकल्प के साथ यूके से डिग्री प्राप्त कर पाएंगे।'

इस चर्चा में शामिल प्रतिष्ठित वक्ताओं और अतिथियों के नाम हैं- टेरेसा जैकब्स, ऐक्जीक्यूटिव डायरेक्टर, लर्निंग, इंटरनेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (आईएसडीसी); मार्गरेट क्युरेन, हैड ऑफ इंटरनेशनल डेवलपमेंट, स्कॉटिश क्वालिफिकेशंस अथॉरिटी (एसक्यूए); माइकल ली, हैड-ग्लोबल डेवलपमेंट, इंटरनेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (आईएसडीसी)।

आईएसडीसी के प्रवक्ता एवं हैड ऑफ स्ट्रेटेजिक इनिशिएटिव्स प्रीतम सरकार ने कहा, 'आज पहले से कहीं ज्यादा संख्या में भारतीय विद्यार्थी यूके में उच्च शिक्षा ग्रहण करना चाहते हैं। सिर्फ ट्यूशन फीस के लिए ही उन्हें सालाना 10 से 15 लाख रुपए देने पड़ते हैं। कुल खर्चा 80 से 90 लाख रुपए तक हो जाता है। एक आम भारतीय परिवार इतना खर्च करने में सक्षम नहीं होता। यहीं पर हमारा फ्रेमवर्क विद्यार्थियों की मदद को आगे आता है और उन्हें वही अवसर काफी किफायती लागत पर मुहैया करवाता है। तीन वर्षीय कार्यक्रम को 2+1 में विभक्त कर दिया गया है जिसमें पहले दो साल भारत में पढ़ाई होती है और तीसरे साल यूके जाकर पढ़ना होता है।

इस आयोजन में हिस्सा लेने वाले कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में शामिल थे- लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ ग्रुप ऑफ कॉलेज, सीटी यूनिवर्सिटी, गीता यूनिवर्सिटी, ग्राफिक एरा यूनिवर्सिटी, उत्तरांचल यूनिवर्सिटी, चितकारा यूनिवर्सिटी, पंजाब यूनिवर्सिटी, जीएनडीयू अमृतसर, खालसा कॉलेज पटियाला, एमिटी यूनिवर्सिटी पंजाब, एसडी कॉलेज चंडीगढ़, देव समाज कॉलेज फॉर विमेन चंडीगढ़, एमएम यूनिवर्सिटी मुलाना, श्री गुरु नानक देव स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी।

भारतीय महिलाएं अभी भी आर्थिक रूप से आश्रित हैं

चंडीगढ़: भारत ने पेशेवर क्षेत्र में महिलाओं के अनुपात में जमीन से लेकर बोर्डरूम तक में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है, इसके लिए योगदान देने वाले कई सकारात्मक कारकों के लिए धन्यवाद। हालांकि, महिलाओं के बीच वित्तीय जागरूकता के बारे में टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस (टाटा एआईए) के सर्वेक्षण से पता चलता है कि भारतीय महिलाएं अभी भी स्वतंत्र वित्तीय निर्णय लेने से कतराती हैं। सर्वेक्षण में यह भी पाया गया कि जब वित्तीय निर्णय लेने की बात आती है तो वे अभी भी ह्यघर के आदमीद्ध पर भरोसा करती हैं, हालांकि 44% उत्तरदाताओं के पास ऐसा करने का विकल्प होने पर अपने स्वयं के वित्तीय निर्णय लेना पसंद करते हैं। टाटा एआईए के सर्वेक्षण से पता चलता है कि भारतीय महिलाएं ज्यादातर वित्तीय नियोजन की जरूरतों के लिए ह्यघर के पुरुषद्ध पर निर्भर करती हैं परिवार की वित्तीय सुरक्षा महिलाओं के लिए खुद की सुरक्षा से ज्यादा महत्वपूर्ण है , 59 फीसदी कामकाजी महिलाएं अपने वित्तीय फैसले खुद नहीं लेतीं, 39% उत्तरदाताओं का मानना है कि उनकी वित्तीय योजना मासिक बजट तक सीमित है, वित्तीय नियोजन को बेहतर ढंग से समझने वाली 42% महिलाओं में से केवल 12% गृहिणियां हैं, जब कोई विकल्प दिया जाता है, तो 44% महिलाएं अपने निर्णय स्वयं लेना पसंद करती हैं, 72% महिलाओं का मानना है कि कोविड-19 के बाद जीवन बीमा उनकी वित्तीय योजना का अभिन्न अंग है मुख्य सर्वेक्षण-विवाह और वित्तीय योजना -सर्वेक्षण के निष्कर्षों ने संकेत दिया कि 89% विवाहित महिलाएं वित्तीय नियोजन के लिए अपने जीवनसाथी पर निर्भर हैं। शादी से पहले, पिता महिलाओं के लिए वित्तीय निर्णयों के लिए जिम्मेदार होता है, जिसे बाद में शादी के बाद चुपके से पति को सौंप दिया जाता है। सर्वेक्षण ने यह भी संकेत दिया कि चूंकि शादी करने वाली महिलाओं की औसत आयु 20-22 वर्ष है, इसलिए उन्हें अपने वित्त के बारे में निर्णय लेने की स्वतंत्रता नहीं है। इस प्रकार, महिलाओं के लिए वित्तीय निर्णय लेने में स्वतंत्रता को बाधित करने में विवाह सबसे प्रमुख निवारक कारकों में से एक है। वित्त की योजना बनाने के लिए स्वतंत्रता- सर्वेक्षण में शामिल 39% महिलाओं के लिए, वित्तीय नियोजन मासिक बजट की योजना बनाने तक ही सीमित है। वित्तीय नियोजन की बेहतर समझ रखने वाली 42% महिलाओं में से केवल 12% गृहिणी हैं।

देश में लगातार घट रहा गेहूं-चावल का स्टॉक, डरा रहे एफसीआई के आंकड़े

नई दिल्ली, एजेंसी। खाद्यन्न को लेकर एक बुरी खबर आ रही है जहां एक ओर बेमौसम की बारिश ने किसानों का सुख चैन छीन लिया है। दूसरी तरफ गेहूं-चावल के स्टॉक डरा रहे हैं। दरअसल, अपने यहां सरकारी एजेंसियों के पास गेहूं और चावल का स्टॉक लगातार घट रहा है। बीते एक अक्टूबर को यह गिर कर पांच साल के निचले स्तर पर आ गया है। गेहूं का स्टॉक तो बफर स्टॉक के न्यूनतम स्तर से थोड़ा ही ज्यादा है। इससे उलट महंगाई के तो आंकड़े कुछ ज्यादा ही डरा रहे हैं। बीते सितंबर में खुदरा महंगाई की दर 7.41 फीसदी तक चढ़ गई है जो कि पांच महीने का उच्चतम स्तर है।

एक अंग्रेजी दैनिक अखबार में भारतीय खाद्य निगम के आंकड़ों का हवाला देते हुए एक खबर छपी है। इसमें बताया गया है कि एफसीआई जैसी एजेंसियों के पास गेहूं और चावल का स्टॉक तेजी से घट रहा है। बीते एक अक्टूबर को सरकारी स्वामित्व वाले गोदामों में गेहूं और चावल का स्टॉक 511.36 लाख टन रह गया था। इससे पहले अक्टूबर 2017 में स्टॉक घट कर 433.36 लाख टन पर आया था। एक साल पहले ही अपने यहां गेहूं और चावल का स्टॉक 816 लाख टन का था।

बीते साल गेहूं का स्टॉक तेजी से घटा है। एक साल पहले एक अक्टूबर को इन एजेंसियों के पास गेहूं का स्टॉक 468.52 लाख टन का था। वह बीते एक अक्टूबर को 227.46 लाख टन तक घट गया। यह बीते छह साल का निचला स्तर है। इसी तारीख को गेहूं का न्यूनतम बफर स्टॉक 205.2 लाख टन होना चाहिए। मतलब कि इस समय देश में गेहूं का स्टॉक बफर स्टॉक के लेवल से कुछ ही ज्यादा है। यूं तो बेमौसम की बारिश से धान की फसल भी खराब हुई है। लेकिन इसमें फिलहाल चिंता की बात नहीं है। बीते एक अक्टूबर को सरकारी एजेंसियों के पास चावल का स्टॉक 283.9 लाख टन था। सरकार के नियमों के मुताबिक इस तारीख को जरूरी बफर स्टॉक 102.5 लाख टन होना चाहिए। मतलब कि अभी देश में चावल का भंडार न्यूनतम बफर का 2.8 गुना है।

बीते सितंबर में अनाज के लिए खुदरा महंगाई की दर 11.53 फीसदी बढ़ी। यह इस श्रेणी में अब तक की सबसे ज्यादा की बढ़ोतरी है। उल्लेखनीय है कि सरकार ने घरेलू बाजार में इन चीजों की बढ़ती कीमतों पर लगाम लगाने के लिए इस साल कई खाद्यान्नों के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। बीते मई ही भारत ने गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था, क्योंकि बीते साल गेहूं की उपज में कमी की खबर आई थी।

इस दिवाली को डेनियल वेलिंग्टन के परफेक्ट 'स्पार्कलिंग' तोहफे से करें रौशन

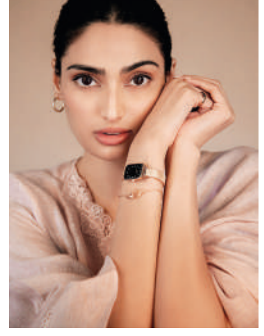

चंडीगढ़ :अपनी समकालीन और स्लीक डिजाइन के लिए मशहूर दुनिया के प्रमुख वॉच और एक्सेसरीज ब्रैंड डेनियल वेलिंग्टन ल्यूमिन के लॉन्च के साथ त्यौहारी सीजन का स्वागत करने के लिए बिल्कुल तैयार है। लोकप्रिय टीवी सीरीज यूफोरिया से प्रेरित ल्यूमिन क्रिस्टल से सजी घड़ियों और ज्वैलरी का नया स्पार्कलिंग कलेक्शन है। ल्यूमिन को ब्रांड के लिमिटेड एडिशन दिवाली गिफ्ट बॉक्स में विशेष रूप से पैक किया गया है। देश भर के सबसे बड़े त्योहार में से एक दिवाली में प्रकाश, उल्लास और समृद्धि का जश्न मनाया जाता है। ल्यूमिन की परिभाषा ह्वरोशनी से जगमगानाह्व या ह्वमाहौल में प्रकाश बिखेरना है।ह्व डेनियल वेलिंग्टन का नया स्पार्कलिंग कलेक्शन यही काम करता है। चमचमाते किस्टल से सजे इस कलेक्शन में आपको घड़ियां, अंगूठियां, कान के झुमके और गले का हार मिलेगा, जो इसे परफेक्ट दिवाली गिफ्ट बना देगा।इसमें कोई शक नहीं कि गोल्ड के साथ स्टेनलेस स्टील और रोज गोल्ड टोन में उपलब्ध यह घड़ी ल्यूमिन अभी तक ब्रैंड का सबसे फैशनेबल कलेक्शन है। यह किसी भी ड्रेस पर आप पर जंचेगा।डेनियल वेलिंग्टन में डिजाइन के हेड ओलोफ नॉर्डस्ट्राम ने कहा, ह्वलोगों ने हमेशा खुद को अलग-अलग तरीके से सजाया और संवारा है। परफेक्ट एक्सेसरीज हमें अंदर से खुशी प्रदान करती है और हमें खुशनुमा अहसास होता है। ल्यूमिन के साथ हम ऐसा अनोखा कलेक्शन महिलाओं के लिए बनाना चाहते थे, जिसे पहनकर वह जहां कहीं जाए, अपने व्यक्तित्व की पूरी चमक बिखेरें और पूरे आत्मविश्वास से खुद को अभिव्यक्त कर सकें।ह्वअभिनेत्री अथिया शेट्टी ने नए ल्यूमिन कलेक्शन की तारीफ करते हुए कहा, ह्वमुझे चमचमाते क्रिस्टल के साथ मिलने वाले डेनियल वेलिंग्टन के नए ल्यूमिन कलेक्शन से वाकई प्यार हो गया है। यह मेरी दिवाली की ड्रेस से बिल्कुल मेल खाता है। यहां आपको अपने और अपने प्रियजनों के लिए गिफ्ट का चुनाव करने के लिए कई विकल्प मिलेंगे। और लिमिटेड-एडिशन दिवाली गिफ्ट बॉक्स किसी भी उपहार में देने के लिए एकदम परफेक्ट है।ह्वदिवाली के त्योहार में उपभोक्ताओं की खुशियों को और बढ़ाने के लिए डेनियल वेलिंग्टन अपने पूरे कलेक्शन पर सीमित समय के लिए अनोखे ऑफर दे रहा है। यह सभी उत्पाद लिमिटेड एडिशन वाली दिवाली पैकेजिंग में दिए जाएंगे।

महिला एशिया कप : सातवीं बार खिताब जीतने उतरेगी भारतीय टीम

दोपहर एक बजे से शुरू होगा मैच

सिलहट, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम शनिवार को यहां श्रीलंका के खिलाफ होने वाले आठवें एशिया कप महिला क्रिकेट टूनार्मेंट के फाइनल में जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम का लक्ष्य इस मैच में जीत के साथ ही सातवीं बार खिताब जीतना रहेगा। भारतीय टीम अगर फाइनल जीतती है तो वह सात बार एशिया कप जीतने के भारतीय भारतीय पुरुष टीम के रिकार्ड की भी बराबरी पर आ जाएगी। इस टूनार्मेंट में अब तक भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल तक का सफल तय किया है जिससे उसके खिताब जीतने की अधिक उम्मीदें हैं। भारतीय टीम ने इस बार टूनार्मेंट में अनुभवी खिलाड़ियों जिसमें कप्तान हरमनप्रीत कौर और उपकप्तान स्मृति मंधाना भी शामिल है को आराम दिया था पर इसके बाद भी टीम ने युवा खिलाड़ियों के बल पर जीत दर्ज की जिससे पता चलता है कि उसकी बैंच स्ट्रैंथ अब काफी अच्छी है। इसका लाभ टीम को अगले साल होने वाले विश्व कप में भी मिलेगा।

हरमनप्रीत ने इस टूनार्मेंट में अब तक 4 ही मैच खेले हैं और 72 गेंद पर 81 रन बनाए। वहीं 3 मैचों में कप्तानी संभालने वाली मंधाना को भी एक मैच में आराम दिया गया था। इन दोनो ही प्रमुख बल्लेबाजों ने जिन मैचों में रन नहीं बनाये उनमें भी युवा खिलाड़ियों ने दबाव में आये बिना अच्छी तरह से अपनी जिम्मेदारी निभाई। युवा बल्लेबाज 18 वर्षीय शेफाली वर्मा ने 161 रन बनाने के साथ ही 3 विकेट भी लिए। वहीं जेमिमा रोड्रिग्स ने 215 रन और दीप्ति शर्मा ने 94 रन बनाने के अलावा भी 13 विकेट लिए थे। श्रीलंकाई टीम की बात करें तो उसने दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान को केवल एक रन से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनायी है। इस टूनार्मेंट में श्रीलंका की ओर से केवल एक बल्लेबाज ओशादी रणसिंघे ने ही 100 से अधिक स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। इसके अलावा उसकी उसके केवल दो बल्लेबाजों हर्षिता मडावी ने 201 जबकि निलाक्षी डी सिल्वा ने 124 रन टूनार्मेंट में बनाये हैं।

अनुभवी बल्लेबाज चमारी अटापट्टू केवल 96 रन बना पाई है और उनका स्ट्राइक रेट 85 रन रहा है। दूसरी ओर गेंदबाजी की बात करें तो केवल एक गेंदबाज स्पिनर इनोका रणवीरा ही 12 विकेट ले पायीं हैं। ऐसे में कुल मिलकर अगर प्रदर्शन को देखा जाये तो श्रीलंकाई टीम की दावेदारी कमजोर नजर आती है, हालांकि खेल में कोई भी टीम उलटफेर कर सकती है।

रोमांचक सेमीफाइनल में जिस प्रकार श्रीलंकाई टीम ने अंतिम क्षणों में कसी हुई गेंदबाजी की है। उससे भी टीम का आत्मविश्वास बढ़ा है जिसका लाभ भी उसे भारतीय टीम से होने वाले मुकाबले में मिलेगा हालांकि राउंड रोबिन मुकाबले में भारतीय टीम ने श्रीलंकाई टीम को हराया था जिसका मनोवैज्ञानिक लाभ भी टीम को मिलेगा।

भारतीय बल्लेबाजों जेमिमा, हरमनप्रीत, शैफाली ओर मंधाना पर अंकुश लगाना श्रीलंकाई खिलाड़ियों के लिए आसान नहीं होगा। इसके अलावा दीप्ति के ऑलराउंड प्रदर्शन का मुकाबला करना भी श्रीलंकाई खिलाड़ियों के लिए चुनौती रहेगा। भारतीय टीम के लिए राहत की बात यह है कि शेफाली अब लय में आ गयी हैं और रन बनाने लगी हैं। इसके अलावा वह गेंदबाजी में भी लाभप्रद रही है।

भारतीय टीम को अपने शानदार स्पिन आक्रमण के कारण भी खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। भारतीय टीम के पास दीप्ति के अलावा राजेश्वरी गायकवाड़ और स्नेह राणा जैसी गेंदबाज जिनका सामना करना श्रीलंकाई टीम के लिए आसान नहीं रहेगा। यहां के मैदानों से स्पिनरों को सहायता मिलती है जिसका लाभ भी भारतीय टीम को मिलेगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारतः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, एस मेघना, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्तिशर्मा, ऋचाघोष (विकेटकीपर), दयालन हेमलता, स्नेह राणा, राधा यादव, राजेश्वरी गायकवाड़, रेणुका ठाकुर, मेघना सिंह, किरण नवगीरे और पूजा वस्त्राकर।

श्रीलंकाः चमारी अटापट्टू (कप्तान), निलाक्षी डी सिल्वा, कविशा दिलहारी, अचिनी कुलसुरिया, सुगंधा कुमारी, हर्षिता समरविक्रमा, मधुशिका मेथटानंद, हसीनी परेरा, ओधादी रणसिंघे, इनोका रणवीरा, अनुष्का संजीवनी, कौशानी नुथ्यंगना, मालशा शेहानी और मालशा शेहानी।

वॉर्नर पर कप्तानी को लेकर लगा प्रतिबंध हटा सकता है सीए

सिडनी, एजेंसी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) अब बल्लेबाज डेविड वॉर्नर को राहत देते हुए उनके कप्तान बनने पर लगे आजीवन प्रतिबंध को हटा सकता है। वार्नर पर यह प्रतिबंध हटता है तो वह एकदिवसीया टीम के कप्तान बन सकते हैं क्योंकि आरोन फिंच के एकदिवसीय क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद से ही टीम नये कप्तान की तलाश में लगी है। वॉर्नर पर साल 2018 में गेंद से छेड़खानी मामले के बाद से ही कप्तानी को लेकर आजीवन प्रतिबंध लगा दिया गया था। वॉर्नर अपने लंबे अनुभव को देखते हुए ऑस्ट्रेलिया की एकदिवसीय टीम की कप्तानी के प्रबल दावेदार हैं पर वर्तमान नियमों के तहत उन्हें कप्तानी नहीं मिल सकती। उन्हें कप्तान बनाने के लिए सीए को अपने नियमों में भी बदलाव करना होगा जिससे कि उनपर लगे प्रतिबंध को हटाया जा सके। इस मामले में होबार्ट में शुक्रवार को होने वाली बैठक में निदेशक विचार करेंगे। सीए के चेयरमैन लाचलान हेंडरसन ने भी कहा है कि जरूरत पड़ने पर नियमों को बदला भी जा सकता है।

हेंडरसन ने वार्षिक आम बैठक में कहा, सीए का मानना है कि वॉर्नर विशेष रूप से मैदान पर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और विशेष योगदान दे रहे हैं। उन्होंने साथ ही कहा, अब वार्नर के नेतृत्व पर प्रतिबंध को लेकर यह देखना है कि क्या उन प्रतिबंधों की समीक्षा की जा सकती है। इसके लिए संशोधन करने की आवश्यकता होगी। इससे पहले मिचेल मार्श को भी फिंच की जगह कप्तानी की पेशकश की गयी थी पर इस खिलाड़ी ने इंकार कर दिया था।

संक्षिप्त समाचार

जेमिमा, मिताली और हरमनप्रीत के साथ खास क्लब में शामिल हुईं

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स एशिया कप में अपने शानदार प्रदर्शन के साथ ही मिताली राज और हरमनप्रीत कौर के साथ ही एक खास क्लब में शामिल हो गयी हैं। जेमिमा भी अब मिताली ओर हरमनप्रीत की तरह इस टूनार्मेंट में 200 से अधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी बन गयी है। जेमिमा ने यह उपलब्धि एशिया कप के सेमीफाइनल मुकाबले में थाईलैंड के खिलाफ अपनी 27 रनों की पारी के साथ ही हासिल की है। वहीं इससे पहले साल 2016 में मिताली ने मात्र चार मैचों में ही 200 रन बनाए थे। वहीं हरमनप्रीत कौर ने साल 2018 में छह मैचों में 200 रन बनाये थे। जेमिमा ने इस बार सात मैच की पांच पारियों में 200 से ज्यादा रन बनाये हैं।

महिला एशिया कप : रोमांचक मुकाबले में पाकिस्तान को हराकर फाइनल में पहुंची श्रीलंका

ढाका, एजेंसी। श्रीलंका ने महिला एशिया कप क्रिकेट टूनार्मेंट के दूसरे सेमीफाइनल में हुए एक रोमांचक मुकाबले में पाकिस्तान को एक रन से हरा दिया। इसी के साथ ही श्रीलंकाई टीम फाइनल में पहुंच गयी है जहां शनिवार को उसका मुकाबला भारतीय टीम से होगा। इस मैच में श्रीलंकाई टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए हर्षिथा के 35 रनों की बदौलत छह विकेट पर 122 रन बनाये जिसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए पाक टीम निर्धारित ओवरों में छह विकेट पर 121 रन ही बना पायीं। पाक की ओर से सबसे ज्यादा 42 रन बिस्माह मारूफ ने बनाये। पाक महिला टीम को अंतिम ओवर में जीत के लिए 9 रन बनाने थे पर उसके बल्लेबाज 7 रन ही बना पाये। निदा डार अंतिम गेंद पर रन आउट हो गईं जिसके साथ ही पाक टीम मुकाबले से बाहर हो गयी। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंकाई महिलाओं ने 6 विकेट पर 122 रन बनाए थे। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की टीम 6 विकेट पर 121 रन ही बना पायी। वहीं पहले सेमीफाइनल में भारतीय टीम ने थाईलैंड को 74 रन से हराया। पाक टीम की पारी के 20वां ओवर में श्रीलंकाई तेज गेंदबाज अचिनी कुलासूर्या की पहली गेंद पर निदा ने एक रन बनाया। वहीं दूसरी गेंद पर अलिया रियाज ने भी एक रन निकाला। इसके बाद तीसरी गेंद पर निदा ने दो रन लिए। चौथी और पांचवीं दोनों ही गेंदों पर एक-एक रन आया। अब पाकिस्तान को जीत के लिए 3 रन ही बनाने थे। तब निदा ने शॉट खेलकर 2 रन बनाने के प्रयास किये पर वह रन आउट हो गईं। निदा ने 26 गेंद पर 26 रन बनाए। इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान ने तेज शुरूआत की। तीन ओवर में ही टीम ने एक विकेट पर 31 रन बना लिए थे। मुनिबा अली 18 रन बनाकर आउट हुईं। सिद्रा अमीन ने 9 रन बनाए। बिस्माह मारूफ ने भी सबसे ज्यादा 42 रन बनाए। ओमायमा ने 10 और आयशा ने 2 रन बनाये। अलिया 2 रन बनाकर नाबाद रहीं। इससे पहले श्रीलंका की ओर से हर्षिथा ने सबसे अधिक 35 रन बनाए थे। अनुष्का ने 26 और निलाक्षी ने 14 रन बनाये। दूसरी ओर पाक की ओर से नासरा संधू ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए।

जसप्रीत बुमराह की जगह मो. शमी को टी20 वर्ल्ड कप 2022 के लिए टीम इंडिया में जगह मिली

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप 2022 की टीम से जसप्रीत बुमराह चोटिल होकर बाहर हो गए थे और अब उनके रिप्लेसमेंट का ऐलान कर दिया गया है। जसप्रीत बुमराह की जगह मो. शमी को टी20 वर्ल्ड कप 2022 की 15 सदस्यीय भारतीय टीम में जगह दी गई है। मो. शमी ने साल 2021 में भी टी20 वर्ल्ड कप में भारत के लिए खेला था, लेकिन इसके बाद से उन्होंने टीम इंडिया के लिए एक भी टी20 मैच नहीं खेला था। मो. शमी को पहले टी20 वर्ल्ड कप 2022 के लिए रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर टीम इंडिया में शामिल किया गया था, लेकिन अब बुमराह के बाहर होने के बाद वो एक बार फिर से भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व आस्ट्रेलिया में आयोजित होने वाले आइसीसी के इस अहम टूनार्मेंट में नजर आएंगे।

महिला आईपीएल में पांच विदेशी खिलाड़ियों को अनुमति दे सकता है बीसीसीआई

मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अगले साल होने वाले पहले महिला इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र में शामिल टीमों को पांच विदेशी खिलाड़ियों के साथ उतरने की अनुमति देने के साथ ही ही 20 लीग मुकाबलों पर विचार कर रहा है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार महिला आईपीएल के लिए अस्थायी विंडो मार्च 2023 की है।

वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार इस इलेवन में ज्यादा से ज्यादा चार विदेशी खिलाड़ी आईसीसी के पूर्ण सदस्य देशों से हो सकते हैं। इसके अलावा एक सहयोगी देश से हो सकता है। महिला आईपीएल में टीमों का नाम जोन के अनुसार या टीम के अनुसार रखें इसपर अभी कोई फैसला नहीं हो पाया है। इस मामले में आईपीएल अध्यक्ष और बीसीसीआई टीमों के साथ-साथ होने वाली बैठक में स्थल को लेकर भी कोई अंतिम फैसला करेगा।

महिला आईपीएल एक अलग प्रारूप में हो सकता है, जिसमें एक शहर में खेले जाने वाले सभी मैच पूरी तरह से दूसरे स्थान पर जाने से पहले होते हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया, ह्यकेवल 20 लीग मैचों को ध्यान में रखते हुए, महिला आईपीएल के लिए प्रति सत्र में कम से कम दो स्थान शामिल होंगे। इसलिए 2023 सत्र दो स्थानों पर खेला जा सकता है।

नीदरलैंड में ब्राजील और इटली के बीच वॉलीबाल विश्व चैम्पियनशिप के बाद उत्साहित खिलाड़ी।

रेफरी ने माराडोना की 'हैंड ऑफ गॉड' वाली गेंद नीलामी के लिए रखी

लंदन, एजेंसी। ट्यूनीशियाई रेफरी अली बिन नासिर ने महान फुटबॉलर डियागो माराडोना की 1986 विश्व कप की ह्यहैंड ऑफ गॉडह्व वाली गेंद को नीलामी के लिए रखा है। इस 36 साल पुरानी गेंद के मालिक पूर्व रैफरी नासिर हैं और वह उस समय हाथ से हुए गोल को देख नहीं पाये थे। वहीं नीलामीकर्ता ग्राहम बड को उम्मीद है कि इस ऐतिहासिक गेंद की नीलामी से 27 लाख डॉलर से लेकर 33 लाख डॉलर तक भी मोटी रकम मिल सकती हैं। इस गेंद की नीलामी कतर में होने वाले विश्व कप से चार दिन पहले 16 नवंबर को ब्रिटेन में की जाएगी। वहीं उस ऐतिहासिक मैच से जुड़े माराडोना के अन्य सामान की भी पूर्व में नीलामी की गई थी जिससे भी भारी कमाई हुई थी। वहीं माराडोना ने उस मैच में जो शर्ट पहनी थी उसकी नीलामी मई में की गई थी। वह शर्ट भी 93 लाख डॉलर में बिकी थी।

माराडोना उस मैच में हेडर से गोल करने के लिए उछले पर उन्होंने सिर के बजाय हाथ से गोल कर दिया। तब रेफरी बिन नासिर ने उसे गोल दे दिया जिसपर विवाद भी उठा था। इसी कारण अर्जेंटीना ने विश्वकप जीत लिया था जबकि इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने इसका जमकर विरोध किया था पर रेफरी अपने फैसले पर अड़े हुए थे। माराडोना ने बाद में इसे ह्यहैंड ऑफ गॉडह्व यानि ईश्वर का हाथ करार दिया था। तभी से यह गेंद रेफरी के पास सुरक्षित है। अर्जेंटीना ने यह मैच 2-1 से जीता और बाद में विश्वकप भी अपने नाम किया। इसी टूनार्मेंट से माराडोना विश्व के महानतम खिलाड़ियों में शामिल हुए थे। नासिर ने कहा, यह गेंद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल के इतिहास का हिस्सा है। मुझे लगता है कि विश्व के साथ इसे साझा करने का यह सही समय है। माराडोना का साल 2022 में बिमारी के बाद निधन हो गया था।

शास्त्री ने कहा क्षेत्ररक्षण ठीक करे टीम इंडिया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि भारतीय टीम को टी20 विश्व कप जीतने के लिए अपने क्षेत्ररक्षण को ओर बेहतर बनाना होगा। शास्त्री के अनुसार टीम की बल्लेबाजी ओर गेंदबाजी अच्छी है। उसे केवल अपने क्षेत्ररक्षण का स्तर ओर बढ़ाना होगा। यह एक क्षेत्र है जिसमें उन्हें काम करने की जरुरत है। उन्हें जीत के लिए अपने क्षेत्ररक्षण में कड़ी मेहनत करनी होगी और पहले मैच में पाकिस्तान के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। उन्होने कहा 15 से 20 रन बचाने से भी मैच में अंतर आ जाता है। वहीं अगर आप ऐसा नहीं कर पाते हैं तो आपको काफी ज्यादा रन बनाने होंगे।. उन्होंने यह भी कहा, ह्यआप ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका को देखिए। वो जबरदस्त क्षेत्ररक्षण करते हैं। श्रीलंका ने एशिया कप में अपने कसे हुए क्षेत्ररक्षण के बल पर ही पाकिस्तान को हराया था। भारतीय टीम को भी अपने क्षेत्ररक्षण का स्तर और ऊपर लाना है।

गौरतलब है कि पिछले कुछ समय से भारतीय टीम का क्षेत्ररक्षण खराब रहा है। एशिया कप के अहम मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय टीम का क्षेत्ररक्षण अच्छा नहीं रहा था। तब अर्शदीप सिंह ने कठिन हालातों में आसिफ अली का महत्वपूर्ण कैच छोड़ दिया था। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में अक्षर पटेल, लोकश राहुल और हर्षल पटेल के कैच छोड़ने से भारतीय टीम के हाथों से मैच फिसल गया था।

विश्व कप हॉकी में जीत सकती है भारतीय टीम : भास्करन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान वासुदेवन भास्करन ने कहा है कि अगले साल होने वाले विश्व कप में भारतीय टीम जीत दर्ज कर सकती है। भास्करन के अनुसार भारतीय टीम को राष्ट्रमंडल खेल फाइनल की हार से उबरकर आने वाले मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन करने पर ध्यान देना चाहिये। उन्हें इसके लिए टोक्यो ओलंपिक में अपने अच्छे प्रदर्शन का ध्यान करना चाहिये। भास्करन मॉस्को ओलंपिक में स्वर्ण पदक विजेता भारतीय टीम के कप्तान रहे थे। उन्होंने कहा, ह्यभारत के पास ग्राहम रीड जैसा अच्छा कोच और सहयोगी स्टाफ है। इससे मुझे लगता है कि वे घरेलू धरती पर होने वाले विश्व कप में पदक जीत सकते हैं।ह्व भास्करन ने कहा कि भारत को विश्व कप में स्पेन के खिलाफ सकारात्मक रुख से शुरूआत करनी चाहिये। गौरतलब है कि विश्व कप 13 से 29 जनवरी तक भुवनेश्वर और राउरकेला में खेला जायेगा।

भास्करन ने कहा, ह्यअगर हम स्पेन के खिलाफ पहला मैच जीत लेते हैं तो पदक के मुकाबले में पहुंचने से कोई नहीं रोक सकता।ह्व भास्करन साल 1973 की उस विश्व कप टीम में भी शामिल थे जिन्होंने उस टूनार्मेंट में पाकिस्तान को हराया था।

टी20 विश्वकप के छह लाख टिक बिके

दस मिनट में बिके भारत-पाक मुकाबले के सभी टिकट

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया में रविवार से हो रहे आईसीसी टी20 विश्व कप क्रिकेट टूनार्मेंट के लिए दर्शकों में जबरदस्त उत्साह है। यहां तक कि टूनार्मेंट के लिए रखे गये सभी 600,000 से अधिक टिकट बिक गये हैं। इस वैश्विक टूनार्मेंट में 22 अक्टूबर से बड़ी टीमों के महामुकाबले सात शहरों में खेले जाएंगे। इसमें न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया का शुरूआती मैच 22 अक्टूबर को खेला जाएगा। सिडनी क्रिकेट मैदान में खेले जाने वाले इस मैच के लिए रखे गये सभी टिकट भी बिक गये हैं।

इसके बाद 23 अक्टूबर को भारत-पाकिस्तान का महामुकाबला भी खेला जाएगा, जिसके 90,000 से अधिक टिकट केवल 10 मिनट के अंदर ही बिक गए थे। यह मुकाबला मेलबर्न क्रिकेट मैदान में खेला जाएगा। यहां तक कि श्रीलंका और नामीबिया के बीच होने वाले शुरूआती मैच के भी केवल कुछ ही टिकट बचे हैं। इसमें 16 अक्टूबर को ही यूएई का सामना नीदरलैंड से होगा। यह दोनों ही मैच जिलॉन्ग के 36,000 कार्डिनिया पार्क स्टेडियम में खेले जाएंगे।

आईसीसी टी20 विश्व कप प्रमुख मिशेल एनराइट ने कहा, हमें खुशी है कि हम इस रविवार को जिलॉन्ग में होने वाले टूनार्मेंट के शुरूआती मैच और एक सप्ताह बाद सुपर 12 चरण के मुकाबलों को देखने के लिए दर्शकों की भारी भीड़ के साथ तैयार हैं। अक्टूबर में क्रिकेट के लिए पूर्ण स्टेडियम देखना शानदार होगा। इस प्रतियोगिता से पहले आधिकारिक बिक्री केंद्र शुरू किया जाएगा, जहां प्रशंसक अंकित मूल्य पर टिकट खरीद सकते हैं। वहीं 27 अक्टूबर को दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश और भारत व ग्रुप ए उपविजेता वाले डबर हेडर मैच सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में खेले जाएंगे. इस मैच के भी सभी टिकट बिक गये हैं। पहले दौर और सुपर 12 मैचों के लिए बच्चों (2-16 वर्ष) के लिए टिकट केवल 5 डॉलर हैं, और वयस्क टिकट 20 डॉलर से शुरू होते हैं।

टीम इंडिया को मुख्य तेज गेंदबाज की कमी खलेगी : अकरम

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान वसीम अकरम ने कहा है कि भारतीय टीम को इस विश्वकप में मुख्य तेज गेंदबाज की कमी खलेगी। अकरम के अनुसार भारतीय टीम के प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के बाहर होने से टीम की गेंदबाजी प्रभावित होना तय है। अकरम ने कहा कि टीम इंडिया को चोटिल जसप्रीत बुमराह की जगह उमरान मलिक को रिप्लेसमेंट के तौर पर लाना चाहिए था।

अकरम ने कहा, ह्यभारतीय टीम में भुवनेश्वर कुमार हैं। वह नई बॉल के साथ अच्छे गेंदबाज हैं पर रफ्तार के मामले में नहीं। यदि बॉल स्विंग नहीं करेगी, तो उन्हें परेशानी होगी। इसमें कोई शक नहीं है कि भुवनेश्वर अच्छे गेंदबाज हैं पर ऑस्ट्रेलिया में रफ्तार भी अहम रहती है।ह्व

अकरम ने कहा, ह्यभारतीय टीम में अच्छे बल्लेबाज है। मगर अब भी उनके पास बुमराह का विकल्प नहीं है। वहीं पाक टीम का मध्य ऑर्डर बेहद खराब है, जिसकी वजह से उसे परेशानी होती है। वहीं अगर मध्य ऑर्डर ठीक हो जाए, तो पाक के पास अच्छे गेंदबाज और सलामी बल्लेबाज हैं। यदि वे मिडिल ऑर्डर को ठीक कर लें, तो उनके पास जीत का अच्छा अवसर है।ह्व

उमरान मलिक को लेकर अकरम ने कहा, ह्यउसमें काफी रफ्तार है। वह आयरलैंड दौरे पर गया था, जहां काफी महंगा साबित हुआ था, मगर टी20 फॉर्मेट में ऐसा होता है. टीम मैनेजमेंट को उसके साथ बने रहना होगा। यदि मैं टीम इंडिया के थिंक टैंक में होता, तो उसे हमेशा टीम के साथ बनाए रखता। टी20 फॉर्मेट में अनुभव महत्व रखता है।ह्व बता दें कि उमरान में लगातार 150 से ज्यादा की रफ्तार से गेंदबाजी करने की काबिलियत है।

पाकिस्तान ने फाइनल में न्यूजीलैंड को पांच विकेट से हराकर त्रिकोणीय सीरीज जीती

क्राइस्टचर्च, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने त्रिकोणीय टी20 सीरीज के फाइनल में न्यूजीलैंड को पांच विकेट से हराया है। इस मैच में कप्तान बाबर आजम और विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान के असफल होने के बाद भी पाक टीम जीत दर्ज करने में सफल रही। इस मैच में मोहम्मद नवाज ने 38 रनों की नाबाद पारी खेलकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इस मैच में न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान केन विलयमसन के अर्धशतक 59 रन से सात विकेट पर 163 रन बनाए। पाक की ओर से तेज गेंदबाज नसीम शाह और हारिस रऊफ ने 2-2 विकेट लिए।

इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को पाक टीम ने 19.3 ओवर में ही 5 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। टी20 विश्वकप से पहले मिली इस जीत से पाक टीम का हौंसला भी बढ़ेगा।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाक टीम की शुरूआत बेहद खराब रही। कप्तान आजम 15 रन और उनके सलामी जोड़ीदार मोहम्मद रिजवान 34 रन बनाकर आउट हो गये। इसके बाद उतरे मोहम्मद नवाज और हैदर अली ने अच्छी साझेदारी कर टीम को संभाला।

नवाज और हैदर के बीच हुई 56 रनों की साझेदारी से पाक टीम जीत की ओर बढ़ी। हैदर ने 31 रन बनाए। वहीं ऑलराउंडर नवाज 38 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं आसिफ अली केवल एक रन ही बना पाये। पाक टीम को अंतिम 3 ओवर में जीत के लिए 23 रन बनाने थे।

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

इस ट्रिक्स से हमेशा रहे पतले और फिट

संतुलित और सही वजन को बनाए रखना भी काफी मुश्किल है। जब हम वजन घटाने के लिए प्लान तैयार करते हैं और वह काम करने लगता है, तो आप रिलेक्स हो जाते हैं, जिससे वजन दोबारा बढ़ जाता है। वजन कम करने में इतनी मशक्कत शामिल है, जिससे लगता है कि हमेशा फिट रहना कितना मुश्किल काम है। हालांकि देखा जाए तो अच्छा वजन बनाए रखना कोई मुश्किल काम नहीं है। आज हम बता रहे हैं ऐसी ट्रिक्स जिनकी मदद से आप लंबे समय तक फिट और पतले रह सकते हैं।

प्लेट नियम का पालन करें

कई फिटनेस एक्सपर्ट्स का मानना है कि खाते वक्त कैलोरीज का ख्याल रखना वजन घटाने में फायदेमंद हो सकता है। हालांकि कुछ का मानना है कि वजन कम करने के लिए प्लेट के नियम का पालन फायदा पहुंचाता है। अपनी प्लेट को ब्रोकली और गाजर जैसी नॉन-स्टार्च सब्ज़ियों से आधा भर लेने से आपका फाइबर का सेवन पूरा हो जाएगा। इसके अलावा अपनी प्लेट का एक चौथाई हिस्सा होल-ग्रेन्स, बीन्स और आलू जैसे कार्बज से भरें और बाकी बचे हिस्से में प्रोटीन।

डाइटिंग न करें

कीटो से लेकर इंटरमिटेंट डाइट तक, लोग वजन कम के लिए कौन सा तरीका नहीं अपनाते। इन तरीकों से आपका वजन जल्दी कम तो जरूर हो जाएगा लेकिन जल्द ही दोबारा बढ़ भी जाएगा। इसलिए सही तरीके से वजन कम करने के लिए संतुलित आहार लें, और शरीर में किसी चीज की कमी न होने दें।

नट्स खूब खाएं

खाने के बीच में जब भी भूख लगे तो बादाम, मूंगफली, अखरोट और काजू खाएं। इनमें हाई फैट्स होते हैं, लेकिन फिर भी इससे वजन नहीं बढ़ता। मेवों के सेवन से न सिर्फ वजन कम होता है, बल्कि दिल के स्वास्थ्य और त्वचा को भी फायदा पहुंचता है।

शादी के दिन चाहती हैं परफेक्ट मेकअप तो इन बातों का रखें ख्याल

शादी का दिन हर दुल्हन के लिए ख़ास होता है। लहंगे से लेकर जूलरी, फुटवियर और मेकअप तक, हर लड़की की ख्वाहिश होती है कि वो अपनी ज़िंदगी के ख़ास दिन स्पेशल दिखे। और हो भी क्यों न ये दिन हर किसी की ज़िंदगी का बेहद अहम होता है। इस दिन कई सारी तस्वीरें ली जाती हैं, वीडियो बनाए जाते हैं, जो ज़िंदगी भर की याद बन जाते हैं। इसलिए इस दिन आपका लुक परफेक्ट होना चाहिए। इस खास दिन आपका मेकअप परफेक्ट लगे, इसके लिए आपको कुछ बातों का ख्याल रखना होगा।

तो आइए जानें कि शादी से पहले और परफेक्ट मेकअप के लिए आपको क्या करना चाहिए।

शादी से एक दिन पहले स्किन ट्रीटमेंट न लें

अक्सर दुल्हनें शादी से पहले प्री-ब्राइडल पैकेज लेती हैं, जिसमें स्किन केयर से जुड़ी चीज़ें होती हैं। ये पैकेज आपकी त्वचा के लिए फायदेमंद जरूर साबित हो सकता है, लेकिन फैशियल को शादी से एक दिन पहले कराने की गलती न करें। इसके अलावा हेयर रिमूवल ट्रीटमेंट भी शादी से कुछ दिन पहले करवा लेने चाहिए। मेकअप एक्सपर्ट्स का मानना है कि थ्रेडिंग या वैक्सिंग शादी से कुछ दिन पहले करवा लें, ताकि तब तक त्वचा पर रेशैज या सूजन चले जाएं।

त्वचा की नमी बनाए रखें

मेकअप करवाने से पहले इस बात का ख्याल रखना जरूरी है कि आप त्वचा को हाइड्रेट रखें। इसके लिए आप चेहरे और गरदन पर सीवीड जेल का इस्तेमाल कर सकते हैं, जो आपकी त्वचा को नमी देता है और मेकअप अच्छा लगता है।

नए प्रोडक्ट्स के साथ एक्सपेरीमेंट न करें

ऐसा आपने कई बार सुना होगा और ये बात सही भी है कि अपनी शादी के दिन या उसके आसपास कभी भी नए प्रोडक्ट्स के साथ एक्सपेरीमेंट नहीं करना चाहिए। हम नहीं जानते कि कौन-सा प्रोडक्ट हमारी स्किन को सूट करेगा और कौन-सा नहीं। इसलिए दुल्हनों को वहीं प्रोडक्ट इस्तेमाल करने चाहिए, जो वे पहले से करती आई हैं।

लुक को सिम्पल रखें

अपनी शादी के वक्त हर दुल्हन अपनी पसंद का मेकअप करवाती है। सिर्फ इस बात का ख्याल रखें कि मेकअप हेवी न लगे और जितना हो सके नेचुरल रखें। तरोताज़ा और चेहरे पर रौनक के लिए ड्यूई मेकअप करवाएं।

आइ-मेकअप पर रखें फोकस

आइ मेकअप का सही तरीके से इस्तेमाल काफी मायने रखता है। अगर आपकी आंखें छोटी हैं, तो आप आंखों में अंदर की तरफ सफेद काजल का उपयोग कर सकती हैं। जिनकी आंखें बड़ी हैं, उन्हें विंग्ड लाइनर जरूर लगाना चाहिए।

प्राचीन समय से बीमारियों को दूर करने के लिए नाना प्रकार की औषधि का इस्तेमाल किया जाता है। इनमें एक अजमोद है, जिसे आयुर्वेद में औषधि का दर्जा प्राप्त है। अक्सर अजमोद का इस्तेमाल जायके का स्वाद बढ़ाने के लिए किया जाता है। यह देखने में धनिए के पत्ते समान होता है। इसके लिए कई बार लोग अजमोद को पहचानने में गलती कर जाते हैं। हालांकि इसका स्वाद धनिए के पत्ते से हल्का होता है। इसके बावजूद दुनियाभर में अजमोद की खपत अधिक है। खासकर औषधि गुणों के चलते अजमोद की लोकप्रियता बढ़ी है। इसमें औषधीय गुण पाए जाते हैं, जो कई प्रकार की बीमारियों में फायदेमंद होते हैं। कई शोधों में खुलासा हो चुका है कि कैंसर से लेकर मधुमेह में अजमोद लाभकारी है। आइए, इसके बारे में सबकुछ जानते हैं-

क्या कहती है शोध

अजमोद में विटामिन-ए, सी, थायमिन, राइबोफ़्लेविन और नियासिन, कैल्शियम, जिंक, पोटैशियम और आयरन पाया जाता है। साथ ही इसमें एंटीमाइक्रोबियल, फ्लेवोनॉयड्स, एंटीऑक्सीडेंट और एस्ट्रोजेनिक के गुण पाए जाते हैं। खासर फ्लेवोनॉयड्स, एस्कॉर्बिक एसिड और कैरोटीनॉयड प्रमुख तत्व हैं। अजमोद कैंसर, मोटापा, मधुमेह, वाटर रिटेंशन, नाईट ब्लाइंडनेस, एनीमिया, दिल और आंखों की बीमरियों के लिए दवा समान है। इसके सेवन से कई बीमारियों में राहत मिल सकता है। शोधकर्ता अजमोद को औषधि का पावर हाउस कहा जाता है।

स्मरण शक्ति में सुधार होता है

शोधकर्ताओं की मानें तो अजमोद में एपिजेनिन एंटीऑक्सीडेंट होता है, जो न्यूरॉन को व्यवस्थित और सेरेब्रम की क्षमताओं को विकसित करता है। आसान शब्दों में कहें तो अजमोद के सेवन से स्मरण शक्ति बढ़ती है। इससे अल्जाइमर और पार्किंसन रोगों में आराम मिलता है। इसके लिए अपनी डाइट में अजमोद को जरूर शामिल करें।

बीमारियों से बचना चाहते हैं तो जूस से करें इम्यूनिटी स्ट्रांग

कोरोनाकाल में इम्यूनिटी सबसे बड़ी चीज है। स्ट्रांग इम्यूनिटी ना सिर्फ आपको बीमारियों से महफूज रखती है बल्कि अंदर से स्ट्रांग भी बनाती है। इम्यूनिटी स्ट्रांग एक दो दिन में नहीं होती बल्कि बेहतर डाइट का लगातार सेवन करने से होती है। अच्छी इम्यूनिटी के लिए डाइट में जरूरी पोषक तत्व जैसे विटामिन, मिनरल्स और प्रोटीन मौजूद होना जरूरी है। स्ट्रांग इम्यूनिटी मौसमी बीमारियों जैसे सर्दी-खांसी और फ्लू के खतरे को दूर करती है। शारीरिक क्षमता और उम्र के मुताबिक इम्यूनिटी घटती-बढ़ती रहती है। आप भी अपनी इम्यूनिटी मजबूत करना चाहते हैं तो डाइट में ऐसे पांच जूस को शामिल करें, जो आपकी इम्यूनिटी को स्ट्रांग करें।

संतरे का जूस:

विटामिन सी से भरपूर संतरा इम्युनिटी को स्ट्रांग बनाता है। इसमें नेचरल एंटीऑक्सीडेंट होता है। यह खून साफ करने के साथ ही स्टेमिना बढ़ाने में भी मददगार है। संतरे में उच्च फाइबर और विटामिन C पाया जाता है इसको खाने से जल्दी से भूख नहीं लगती है। यह विटामिन बी कॉम्प्लेक्स का स्त्रोत भी है, जो हीमोग्लोबिन की मात्रा बढ़ाता है।

चुकंदर और गाजर का रस:

आयरन और कैल्शियम के साथ विटामिन ए, सी और ई से भरपूर चुकंदर और गाजर का जूस सूजन से छुटकारा दिलाने में मदद करता है। थोड़ा सी अदरक और हल्दी मिलाने से इसका प्रभाव दोगुना हो सकता है। सर्दी और खांसी से छुटकारा पाने के लिए ये औषधि के रूप में काम करता है।

> विटामिन सी से भरपूर संतरा इम्युनिटी को स्ट्रांग बनाता है। इसमें नेचरल एंटीऑक्सीडेंट होता है। यह खून साफ करने के साथ ही स्टेमिना बढ़ाने में भी मददगार है। संतरे में उच्च फाइबर और विटामिन C पाया जाता है इसको खाने से जल्दी से भूख नहीं लगती है

तरबूज का जूस:

तरबूज के जूस से भरा एक गिलास न केवल आपको तरोताजा रखता है, बल्कि आपको किसी भी प्रकार की मांसपेशियों में दर्द से छुटकारा दिलाने में मदद करता है। विटामिन ए, सी, मैग्नीशियम और जिंक से भरपूर, तरबूज इम्युनिटी बढ़ाने में मदद करता हैं।

कीवी और स्ट्रॉबेरी जूस:

ये दोनों फल एंटीऑक्सीडेंट हैं और विटामिन सी से भी भरपूर हैं जो संक्रमण से लड़ने में मदद करता हैं।

पालक का जूस:

विटामिन ए, बी और सी से भरपूर ये जूस आयरन और कैल्शियम जैसे पोषक तत्वों से भी भरपूर है। ये जूस एंटीबॉडी के उत्पादन को बढ़ाने में मददगार है।

कब्ज से राहत दिलाने में मददगार आलूबुखारा

देर रात तक पार्टी हो या वेब सीरिज देखना, मजा तो आता है। पर इसकी सजा आपके पेट को मिलती है गड़बड़ पाचन तंत्र के रूप में। कब्ज, मल त्याग में परेशानी, ब्लॉटिंग और गैस्ट्रिक समस्याएं हमारी खराब जीवनशैली के कारण हैं। पर इन समस्याओं को हेल्दी डाइट से दूर किया जा सकता है और इसके लिए आपको किसी फैंसी डाइट की जरूरत नहीं है। बस आलूबुखारा को अपने आहार में शामिल करें और फर्क देखें। विभिन्न शोधों में यह सामने आया है कि आलूबुखारा आपकी स्किन के लिए ही नहीं, बल्कि आपके पाचन तंत्र के लिए भी बहुत अच्छा होता है।

आलूबुखारा का नाम सुनकर मुंह में पानी आया की नहीं? यह एक रसदार खट्टा-मीठा मौसमी फल है, जिसे आपने कभी न कभी जरूर खाया होगा। इसे फल के तौर पर खाने से लेकर कई हेल्दी व्यंजन बनाने तक, किसी भी तरह से ग्रहण किया जा सकता है। पर क्या आप जानती हैं कि यह स्वादिष्ट फल आपके पेट के स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है? खासतौर से अगर आप कब्ज से पीड़ित हैं, तो आलूबुखारा आपकी सुबह आसान बना सकता है। आइए जानते हैं कि कैसे आलूबुखारा पेट से संबंधित विकार जैसे- भूख की कमी, बदहजमी को दूर करने में आपकी मदद कर सकता है।

सबसे पहले जानते हैं आलूबुखारा में मौजूद पोषक तत्व

कब्ज से निजात दिलाने में उपयोगी आलूबुखारा कई पोषक तत्वों का स्रोत है। आलूबुखारा को सुखाने के बाद यह प्रून के रूप में भी इस्तेमाल किया जाता है। प्लम और प्रून दोनों ही पोटेशियम, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस, जैसे खनिजों से भरपूर हैं। इतना ही नहीं इसमें विटामिन ए, विटामिन सी, विटामिन बि6 और विटामिन ई जैसे पौष्टिक तत्व भी पाए जाते हैं।

आयुर्वेद में भी बहुत खास है आलूबुखारा

5000 साल पुरानी भारतीय चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद में भी आलूबुखारा को उसके औषधीय गुणों के कारण खास स्थान दिया गया है। इसका टैक्स्चर कोमल होता है और यह आंतों में चिकनाहट पैदा करता है। जिससे आपको मल त्याग में आसानी होती है और कब्ज से निजात मिलती है। आलूबुखारा शरीर की खुजली को दूर करता है तथा प्यास को रोकता है। आयुर्वेद में आलूबुखारा फल, आलूबुखारा के पत्ते और आलूबुखारा के बीज का तेल को भी लाभकारी बताया गया है।

कब्ज को कैसे ठीक करता है आलूबुखारा?

आलूबुखारा में हाई फ़ाइबर और एंटीऑक्सीडेन्ट होते हैं, जिससे आपका पाचन स्वस्थ रहता है। यह ऐसे पदार्थ हैं जो फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से बचाते हैं। प्लम ऑक्सीडेटिव तनाव के जोखिम को कम कर सकता है। यह आपके मेटाबॉलिज्म को मजबूत करके कब्ज से राहत देता है।

कैसे करें सेवन: आलूबुखारा को ईवनिंग स्नैक्स के तौर पर इस्तेमाल करना, आपको कब्ज से राहत दिला सकता है। हर रोज़ आप मुट्ठी भर आलूबुखारे खा सकती हैं। इसके अलावा आप चाहें तो प्रून के रूप में इसके सूखे फल का भी सेवन कर सकती हैं। ●

सूखा नारियल सेहत के लिए है कुदरत का वरदान

सूखे नारियल का इस्तेमाल घरों में खीर, आइसक्रीम, स्वीट डिश वगैरह में होता है। ज्यादातर लोग इसे स्वाद बढ़ाने के लिए रेसिपीज में इस्तेमाल करते हैं। हालांकि इसकी न्यूट्रीशनल वैल्यू काफी ज्यादा होती है। इस बात पर कम लोगों का ध्यान जाता है। नारियल आपके हार्ट और ब्रेन के लिए अच्छा होता है। साथ ही इसे चबाने से फेशियल एक्सरसाइज भी होती है। इसमें ऐंटी ऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं जो ओवरऑल हेल्थ के लिए बढ़िया होते हैं।

ऐंटीऑक्सिडेंट्स का भंडार

नारियल में फिनॉलिक कंपाउंड होते हैं, जो कि ऐंटीऑक्सीडेंट्स हैं। ये आपकी सेल्स के ऑक्सीडेटिव डैमेज को रोकते हैं। इसमें गैलिक एसिड, कैफिक एसिड, सैलिसिलिक एसिड, पी-कोम्यूरिक एसिड होता है।

नारियल आपकी धमनियों में प्लाक बनने से रोकता है जो कि हार्ट ब्लॉकेज की वजह होती हैं।

कनेक्टिव टिश्यूज के लिए फायदेमंद

नारियल में कई ऐसे पोषक तत्व होते हैं, जो आपके कनेक्टिव टिश्यूज को मजबूत बनाते हैं। नारियल को डायट में शामिल करने से गठिया और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी समस्याएं होने का खतरा कम होता है। इसके अलावा ये स्किन के लिए भी अच्छा होता है।

आयरन की कमी को दूर करता है

महिलाओं में आयरन की कमी बड़ी समस्या है। सूखे नारियल में आयरन काफी मात्रा में पाया जाता है। डेली डायट में नारियल खाने से आयरन की कमी पूरी होती है। बच्चा पैदा होने के बाद महिलाओं को नारियल की कई मिठाइयां इसीलिए बनाकर खिलाई जाती हैं।

पोषकतत्वों का भंडार

सूखे नारियल में प्रोटीन, विटामिन्स, आयरन, कैल्शियम, मैग्नीज और सेलिनियम पाया जाता है। ये पोषक तत्व इम्यूनिटी मजबूत करके शरीर को रोगों से बचाते हैं।

श्रद्धया दीयते यत् तत् श्राद्धम

पितृपक्ष विशेष

'श्राद्ध' का अर्थ है श्रद्धा से जो कुछ दिया जाए। पितरों के लिए श्रद्धापूर्वक किए गए पदार्थ-दान (हविष्यान्न, तिल, कुश, जल के दान) का नाम ही श्राद्ध है। श्राद्धकर्म पितृऋण चुकाने का सरल व सहज मार्ग है। पितृपक्ष में श्राद्ध करने से पितरगण वर्षभर प्रसन्न रहते हैं। पितृ पक्ष में पितरों का रखें विशेष ख्याल ।

ब्रह्म पुराण में बताया गया है कि धन के अभाव में श्रद्धापूर्वक केवल शाक से भी श्राद्ध किया जा सकता है। यदि इतना भी न हो तो अपनी दोनों भुजाओं को उठाकर कह देना चाहिए कि मेरे पास श्राद्ध के लिए न धन है और न ही कोई वस्तु। अतः मैं अपने पितरों को प्रणाम करता हूं, वे मेरी भक्ति से ही तृप्त हों। मार्कण्डेयपुराण में बताया गया है कि जिस कुल में श्राद्ध नहीं होता है, उसमें दीर्घायु, नीरोग व वीर संतान जन्म नहीं लेती है और परिवार में कभी मंगल नहीं होता है। हिन्दू धर्म के अनुसार ऐसी मान्यता है कि पितरों का ऋण श्राद्ध द्वारा चुकाया जाता है। यही वजह है कि वर्ष के किसी भी मास तथा तिथि में स्वर्गवासी हुए पितरों के लिए पितृपक्ष के सोलह दिनों में उसी तिथि को श्राद्ध किया जाता है। इस सन्दर्भ में ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री कहते हैं, "पूर्णिमा पर देहांत होने से भाद्रपद शुक्ल पूर्णिमा को श्राद्ध करने का विधान है। इसी दिन से श्राद्ध का प्रारंभ भी माना जाता है। श्राद्ध का अर्थ है श्रद्धा से जो कुछ दिया जाए। पितृपक्ष में श्राद्ध करने से पितृगण वर्ष भर तक प्रसन्न रहते हैं। धर्म शास्त्रों में कहा गया है कि पितरों का पिण्ड दान करने वाला गृहस्थ दीर्घायु, पुत्र-पौत्रादि, यश, स्वर्ग, पुष्टि, बल, लक्ष्मी, पशु, सुख-साधन तथा धन-धान्य आदि की प्राप्ति करता है।" कहते हैं पितृ पक्ष में पितरों को आशा रहती है कि हमारे पुत्र-पौत्रादि हमें पिण्ड दान तथा तिलांजलि प्रदान कर संतुष्ट करेंगे। इसी आशा के साथ वे पितृलोक से पृथ्वी लोक पर आते हैं। अतः हिंदू धर्म शास्त्रों में प्रत्येक हिंदू गृहस्थ को पितृपक्ष में श्राद्ध अवश्य रूप से करने के लिए कहा गया है।

श्राद्ध से जुड़ी कई ऐसी बातें हैं, जो बहुत कम लोग जानते हैं इसलिए ज़रूरी है कि श्राद्ध करने से पूर्व हम यह जान लें। क्योंकि कई बार विधिपूर्वक श्राद्ध न करने से पितृ श्राप भी दे देते हैं। तो इस विषय में आइए जानते हैं ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री द्वारा बताई जा रही श्राद्ध से जुड़ी कुछ विशेष बातें:

- श्राद्धकर्म में गाय का घी, दूध या दही काम में लेना चाहिए। यह ध्यान रखें कि गाय को बच्चा हुए दस दिन से अधिक हो चुके हैं। दस दिन के अंदर बछड़े को जन्म देने वाली गाय के दूध का उपयोग श्राद्ध कर्म में नहीं करना चाहिए।
- श्राद्ध में चांदी के बर्तनों का उपयोग और दान पुण्यदायक होने के साथ राक्षसों का नाश करने वाला भी है। पितरों के लिए चांदी के बर्तन में सिर्फ पानी भी दिया जाए तो वह अक्षय तृप्तिकारक होता है। पितरों के लिए अर्घ्य, पिण्ड और भोजन के बर्तन भी चांदी के हों तो और भी श्रेष्ठ है।
- श्राद्ध में ब्राह्मण को भोजन करवाते समय परोसने के बर्तन दोनों हाथों से पकड़ कर लाना चाहिए। एक हाथ से लाए गए अन्न पात्र से परोसा हुआ भोजन राक्षस छीन लेते हैं।
- यह भी जरूरी है कि ब्राह्मण परोसा गया भोजन मौन रहकर तथा व्यंजनों की प्रशंसा किए बगैर करें क्योंकि पितर तब तक ही भोजन ग्रहण करते हैं जब तक ब्राह्मण मौन रह कर भोजन करें।
- जो पितृ शस्त्र आदि से मारे गए हों उनका श्राद्ध मुख्य तिथि के अतिरिक्त चतुर्दशी को भी करना चाहिए। इससे वे प्रसन्न होते हैं। श्राद्ध गुप्त रूप से करना चाहिए। पिंड दान पर साधारण या नीच मनुष्यों की दृष्टि पडने से वह पितरों को नहीं पहुंचता।
- श्राद्ध में ब्राह्मण को भोजन करवाना आवश्यक है, जो व्यक्ति बिना ब्राह्मण के श्राद्ध कर्म करता है, उसके घर में पितर भोजन नहीं करते, श्राप देकर लौट जाते हैं। ब्राह्मण हीन श्राद्ध से मनुष्य महापापी होता है।
- श्राद्ध में जौ, कांगनी, मटर सरसों का उपयोग श्रेष्ठ रहता है। तिल की मात्रा अधिक होने पर श्राद्ध अक्षय हो जाता है। वास्तव में तिल पिशाचों से श्राद्ध की रक्षा करते हैं। एक प्रकार की घास, जिसे कुशा भी कहते हैं, राक्षसों से बचाते हैं।
- दूसरे की भूमि पर श्राद्ध नहीं करना चाहिए। वन, पर्वत, पुण्यतीर्थ एवं मंदिर दूसरे की भूमि नहीं माने जाते क्योंकि इन पर किसी का स्वामित्व नहीं माना गया है। अतः इन स्थानों पर श्राद्ध किया जा सकता है।
- चाहे मनुष्य देवकार्य में ब्राह्मण का चयन करते समय न सोचे, लेकिन पितृ कार्य में योग्य ब्राह्मण का अत्यंत आवश्यक है क्योंकि श्राद्ध में पितरों की तृप्ति ब्राह्मणों द्वारा ही होती है।
- जो व्यक्ति किसी कारणवश एक ही नगर में रहनी वाली अपनी बहन, जमाई और भांजे को श्राद्ध में भोजन नहीं कराता, उसके यहां पितर के साथ ही देवता भी अन्न ग्रहण नहीं करते।
- श्राद्ध करते समय यदि कोई भिखारी आ जाए तो उसे आदरपूर्वक भोजन करवाना चाहिए। जो व्यक्ति ऐसे समय में घर आए याचक को भगा देता है उसका श्राद्ध कर्म पूर्ण नहीं माना जाता और उसका फल भी नष्ट हो जाता है।
- शुक्लपक्ष में, रात्रि में, युग्म दिनों अर्थात एक ही दिन दो तिथियों के योग में तथा अपने जन्मदिन पर कभी श्राद्ध नहीं करना चाहिए। धर्म ग्रंथों के अनुसार सायंकाल का समय राक्षसों के लिए होता है, यह समय सभी कार्यों के लिए निंदित है। अतः शाम के समय भी श्राद्धकर्म नहीं करना चाहिए।
- श्राद्ध में प्रसन्न पितृगण मनुष्यों को पुत्र, धन, विद्या, आयु, आरोग्य, लौकिक सुख, मोक्ष और स्वर्ग प्रदान करते हैं। श्राद्ध के लिए शुक्लपक्ष की अपेक्षा कृष्णपक्ष श्रेष्ठ माना गया है।
- रात्रि को राक्षसी समय माना गया है। अतः रात में श्राद्ध कर्म नहीं करना चाहिए। दोनों संध्याओं के समय भी श्राद्धकर्म नहीं करना चाहिए। दिन के आठवें मुहूर्त अर्थात कुतपकाल में पितरों के लिए दिया गया दान अक्षय होता है।
- श्राद्ध में ये चीजें होना अति महत्वपूर्ण हैं- गंगाजल, दूध, शहद, दौहित्र, कुश और तिल। केले के पत्ते पर श्राद्ध भोजन निषेध है। सोने, चांदी, कांसे, तांबे के पात्र उत्तम हैं। इनके अभाव में पत्तल उपयोग की जा सकती है।
- तुलसी से पितृगण प्रसन्न होते हैं। ऐसी धार्मिक मान्यता है कि पितृगण गरुड़ पर सवार होकर विष्णु लोक को चले जाते हैं। तुलसी से पिंड की पूजा करने से पितर लोग प्रलयकाल तक संतुष्ट रहते हैं।
- रेशमी, कंबल, ऊन, लकड़ी, तृण, पर्ण, कुश आदि के आसन श्रेष्ठ हैं। आसन में लोहा किसी भी रूप में प्रयुक्त नहीं होना चाहिए।
- चना, मसूर, उड़द, कुलथी, सत्तू, मूली, काला जीरा, कचनार, खीरा, काला उड़द, काला नमक, लौकी, बड़ी सरसों, काले सरसों की पत्ती और बासी, अपवित्र फल या अन्न श्राद्ध में निषेध हैं।
- श्राद्ध तिथि के पूर्व ही यथाशक्ति विद्वान ब्राह्मणों को भोजन के लिए बुलावा दें। श्राद्ध के दिन भोजन के लिए आए ब्राह्मणों को दक्षिण दिशा में बैठाएं।
- पितरों की पसंद का भोजन दूध, दही, घी और शहद के साथ अन्न से बनाए गए पकवान जैसे खीर हैं इसलिए ब्राह्मणों को ऐसे भोजन कराने का विशेष ध्यान रखें।
- तैयार भोजन में से गाय, कुत्ते, कौए, देवता और चींटी के लिए थोड़ा सा भाग निकालें। इसके बाद हाथ जल, अक्षत यानी चावल, चन्दन, फूल और तिल लेकर ब्राह्मणों से संकल्प लें।
- कुत्ते और कौए के निमित्त निकाला भोजन कुत्ते और कौए को ही कराएं किंतु देवता और चींटी का भोजन गाय को खिला सकते हैं। इसके बाद ही ब्राह्मणों को भोजन कराएं। पूरी तृप्ति से भोजन कराने के बाद ब्राह्मणों के मस्तक पर तिलक लगाकर यथाशक्ति कपड़े, अन्न और दक्षिणा दान कर आशीर्वाद पाएं।
- ब्राह्मणों को भोजन के बाद घर के द्वार तक पूरे सम्मान के साथ विदा करके आएं क्योंकि ऐसा माना जाता है कि ब्राह्मणों के साथ-साथ पितर लोग भी चलते हैं। ब्राह्मणों के भोजन के बाद ही अपने परिजनों, दोस्तों और रिश्तेदारों को भोजन कराएं।
- पिता का श्राद्ध पुत्र को ही करना चाहिए। पुत्र के न होने पर पत्नी श्राद्ध कर सकती है। पत्नी न होने पर सगा भाई और उसके भी अभाव में परिवार का कोई भी सदस्य श्राद्ध कर सकता है। एक से अधिक पुत्र होने पर सबसे आवश्यक है कि या तो बड़ा पुत्र श्राध्द कर्म करे या सबसे छोटा।

●पंडित अतुल शास्त्री

आज की रेसिपी

चावल की खीर

पितृपक्ष में पितरों को भोग लगाने के लिए चावल की खीर मीठे में जरूर बनाई जाती है, लेकिन कई बार खीर उस तरह की नहीं बनती जैसा हम चाहते हैं। तो आज हम आपको 15-20 मिनट में टेस्टी खीर की रेसिपी बताएंगे।

सामग्री :

दूध- 1 लीटर, चावल- 1/3 कप, चीनी- 50 ग्राम, इलायची पिसी हुई- 4-5, बादाम कटे हुए- 5-6, पिस्ता कटे हुए- 8-10, चिरौंजी- 1 चम्मच, घी- 1/2 छोटी चम्मच

विधि :

- खीर बनाने से कम से कम आधे एक-दो घंटे पहले चावल को भिगोकर रख दें। उसके बाद इसे पानी से निकालकर एक प्लेट में रख दें।
- अब कड़ाही में थोड़ा सा घी डालकर चावल को दो से तीन मिनट के लिए सेंक लें।
- सेंके हुए चावल को मिक्सी में दरदरा पीस लें।
- तब तक दूध को पैन में उबलने के लिए रख दें।
- इसके बाद दूध में दरदरे पीसे चावल डालकर चम्मच से मिक्स कर दें।
- पहले से भीगे होने की वजह से चावल 10-15 मिनट में अच्छी तरह से पक जाते हैं।
- चावल के पकने के बाद इसमें चीनी मिक्स करें। वैसे गैस बंद करके चीनी डालना ज्यादा बेहतर होता है।
- इसके साथ ही इसमें बादाम, पिस्ता, इलायची, चिरौंजी डालकर मिक्स कर दें।
- तैयार है चावल की स्वादिष्ट चावल खीर। पसंद के हिसाब से गर्म या फ्रिज में ठंडा करके सर्व करें।